राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण शनिवार,05सितम्बर2020 वर्ष–3, अंक –220 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी बोले

दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ा, निवेश के लिए बना पहली पसंद

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी के लिए कार्य करने वाले गैर लाभकारी संगठन अमेरिका-भारत सामरिक साझेदारी फोरम के तीसरे वार्षिक नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा, वर्तमान स्थिति एक नई मानसिकता की मांग करती है। एक मानसिकता जिसका दृष्टिकोण विकास के लिए मानव केंद्रित हो। भारत पहला ऐसा देश था जिसने सबसे पहले मास्क का इस्तेमाल और फेस कवर करने को एक हेल्थ मेज़र की तरह लिया। हमने सबसे पहले सोशल डिस्टेंसिंग के लिए पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन चलाए थे। कोरोनावायरस महामारी के दौरान हमने कोविड-19 टेस्टिंग की क्षमता, आईसीयू, पीपीई किट जैसे जरूरी चिकित्सीय संसाधनों को अवसर में बदला. हमें अपनी क्षमता निर्माण पर जोर बनाए रखना होगा। पीएम मोदी ने कहा, कोरोना संकट का हमने मजबूती से सामना किया। भारत ने लॉकडाउन को जिम्मेदारी से लागू किया। कोरोनावायरस के प्रति दस लाख पर मृत्युदर सबसे कम है। दुनिया में दूसरे नंबर पर भारत ने पीपीई किट का निर्माण किया। सम्मेलन में नरेंद्र मोदी ने कहा, गरीबी लोगों को बचाना हमारी पहली प्राथमिकता है। पूरे कोरोना पीरियड के दौरान, लॉकडाउन के समय भारत सरकार का एक ही मकसद था - गरीबों की रक्षा करना। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना पूरे विश्व की सबसे बड़ी समर्थन प्रणाली है। इसके तहत लगभग 800 मिलियन लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध करवाया गया। उन्होंने कहा, भारत अमेरिकी संबंध को और मजबूत करने पर जोर है। हमने अपने बैंकिंग सिस्टम को मजबूत किया। आज दुनिया हम पर भरोसा कर रही है। भारत दुनिया के लिए निवेश का सबसे अच्छा केंद्र है। उद्योगों के लिए भारत में माहौल बेहतर किया गया। उद्योगों के लिए पसंदीदा जगह बनेगा। गूगल, अमेजन और मुबादरा ने लंबे समय के लिए निवेश के लिए प्लान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन में आगे कहा कि हम दुनिया में जेनेरिक दवाओं के लिए सबसे बड़े उत्पादक हैं। 1.3 भारतीय आत्मनिर्भर भारत बनाने में जुटे हैं। 1.3 अरब भारतीयों का एक ही

मिशन है आत्मनिर्भर भारत । आत्मनिर्भर भारत लोकल का ग्लोबल में विलय है। यह भारत की ताकत को ग्लोबल फोर्स मल्टिप्लायर के रूप में सुनिश्चित करता है।

हिमाचल में 10 से खुलेंगे मंदिर, क्वारंटाइन की अवधि घटाई

शिमला । मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में हिमाचल प्रदेश की मंत्रिमंडल की बैठक आज आयोजित की गई। बैठक प्रदेश के मई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंत्रिमंडल् ने निर्णय लिए हैं। जैसा कि उम्मीद थी इस केबिनेट बैठक में प्रदेश के धार्मिक स्थलों को फिर से खाले जाने को लेकर निर्णय लिया जा सकता है, वैसा ही हुआ है। मंत्रिमंडल ने 10 सितंबर से प्रदेश के मंदिरों को खोलने का निर्णय लिया है। वहीं प्रदेश में अब तक 14 दिन तक क्वारंटाइन रहना पड़ता था, अब उसे घटाकर 10 दिन कर दिया गया है। इसके साथ ही बैठक में यह निर्णय किया कि 15 सितंबर, 2020 तक राज्य में प्रवेश करने वालों का पंजीकरण जारी रहेगा। मंत्रिमंडल ने गरीबी रेखा से ऊपर के आयकरदाता उपभोक्ताओं को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत गेंहू का आटा और चावल पूर्व निर्धारित एपीएल दरों पर उपलब्ध करवाने और दालें, खाद्य तेल, नमक और चीनी बिना अनुदान के वास्तविक दरों पर उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया। मंत्रिमंडल द्वारा आवासीय एवं शहरी मामले मंत्रालय भारत सरकार और राज्य सरकार के बीच वहन योग्य किराये के आवासीय परिसर योजना से सम्बन्धित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करने का आग्रह करने का निर्णय लिया गया। इससे शहरी प्रवासियों और गरीबों को वहन योग्य किराए के आवास के सतत् पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सहायता मिलेगी और आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सबको आवास आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सबको आवास उपलब्ध करवाने का लक्ष्य हासिल करने में भी मदद मिलेगी।

राहुल गांधी ने साधा मोदी पर निशाना, कहा- देश में 12 करोड़ रोजगार गायब

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए आज कहा कि इस सरकार में अर्थव्यवस्था, देश की सुरक्षा और नागरिकों की खुशहाली सहित सब कुछ गायब हो गया है और जब इन सब स्थितियों को लेकर सवाल पूछते है तो जवाब भी गायब होते हैं। गांधी ने कहा देश में 12 करोड़ रोजग़ार गायब, पांच लाख करोड डालर की अर्थव्यवस्था गायब, आम नागरिक की आमदनी गायब, देश की खुशहाली और सुरक्षा गायब, सवाल पूछो तो जवाब गायब और विकास भी गायब है। उन्होंने शुक्रवार को सुबह एक और ट्वीट में सरकार पर बेरोजगारी को लेकर हमला किया और उससे लोगों को रोजग़ार देने तथा परीक्षाएं सही तरीके से कराने और समय पर परीक्षा परिणाम घोषित कर युवाओं की समस्या का समाधान करने का सरकार से आग्रह किया। इससे पहले राहुल गांधी ने बेरोजगारी की स्थिति और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) तथा कुछ अन्य परीक्षाओं के परिणाम में कथित विलंब को लेकर शुक्रवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार को युवाओं के रोजगार से जुड़ी इन समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, मोदी सरकार, रोजग़ार, बहाली, परीक्षा के परिणाम दो, देश के युवाओं की समस्या का समाधान दो। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 2017- एसएससी सीजीएल (संयुक्त स्नातक स्तर) की भर्तियों में अभी तक नियुक्ति नहीं हुई। 2018- सीजीएल परीक्षा का परिणाम तक नहीं आया। 2019- सीजीएल की परीक्षा ही नहीं हुई। 2020- एसएससी सीजीएल की भर्तियां निकाली ही नहीं।

चुनाव से ठीक पहले जांच आयोग का बड़ा खुलासा नीतीश की हत्या की साजिश के तहत हुआ था हमला

बक्सर।

18 को घटी एक खौफनाक घटना को बिहार के इतिहास में काले अक्षरों से लिखा जाएगा। जी हां इसी दिन बक्सर के नंदन गांव में सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लोगों ने बोल दिया था जानलेवा हमला। नीतीश कुमार गांव में विकास कार्यों का जमीनी लेभल पर जायजा लेने गए थे। जिला प्रशासन और खुफिया विभाग तक को इस बात का इल्म नहीं था कि गांव में कुछ लोग कितना खतरनाक मंसूबा पाले हुए हैं लेकिन जब ईंट और पत्थर की बारिश शुरू हो गई तो अधिकारियों के कान खड़े हो गए। सड़क के दोनों किनारे से लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काफिल पर ईंट और पत्थर से हमला करने लगे। इस हमले में कई लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गाड़ी के ऊपर भी पत्थरों की भारी बरसात की गई थी। इस पत्थरबाजी में मुख्यमंत्री को प्रोटेक्शन दे रहे कई गार्ड घायल हो गए थे। बड़ी मुश्किल से पुलिस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इस हमले में रक्षा की थी। इस घटना के दौरान चारों तरफ अफरा तफरी और भगदड़ का माहौल था। अधिकारी किसी तरह से सीएम नीतीश कुमार के काफिले को सुरक्षित निकालने में लगे थे। वहीं सरपट दौड़ती हुई गाड़ियों पर भी लोग पत्थरों की बरसात कर रहे थे। घातक हमले के इन तस्वीरों को भूलना नामुमकिन है। 18 अप्रैल 2018 को हुए इस बर्बर और घातक हमले की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया गया था। इस जांच आयोग के अध्यक्ष विद्यानंद विकल ने अब एक बड़ा खुलासा किया है, वर्तमान में विकल राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

विकल ने कहा कि उन्होंने बीस पन्ने की जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि ये हमला राजनीतिक विरोधियों ने नीतीश कुमार की जान लेने के मकसद से अंजाम दिया था। विकल ने बताया कि उन्होंने इस हमले के हर एक बिंदू का बारीकी से अध्ययन कर उसकी रिपोर्ट तैयार की है। विधानसभा चुनाव से ऐन पहले विद्यानंद विकल के इस खुलासे से सियासी पारा चढ़ गया है। उन्होंने इस हमले के हर एक बिंदू का बारीकी से अध्ययन कर उसकी रिपोर्ट तैयार की है। विधानसभा चुनाव से ऐन पहले विद्यानंद विकल के इस खुलासे से सियासी पारा चढ़ गया है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी का भी विरोध किया जा सकता है। जनता को नेताओं से असहमत होने का अधिकार है लेकिन हिंसा के जरिए अपना विरोध प्रकट करने का अधिकार लोकतंत्र में किसी के पास नहीं होता है।

संक्षिप्त समाचार

मायावती का बड़ा हमला: ब्राह्मण, दलित और मुसलमानों का उत्पीड़न कर रही है भाजपा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी सरकार पर ब्राह्मणों, दलितों के अलावा और मुसलमानों के उत्पीड़न का आरोप लगाया। उन्होंने प्रदेश में डॉ बी आर आंबेडकर की मूर्तियां तोडे जाने की घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुये सरकार से उचित कदम उठाने की मांग की है। बसपा नेता ने अपने एक ट्वीट में कहा, ''सपा सरकार में जैसे ब्राह्मणों व दलितों का चुन-चुन कर उत्पीड़न किया गया था, अब वैसे ही वर्तमान भाजपा सरकार में भी इनके साथ-साथ मुसलमानों का भी काफी उत्पीड़न किया जा रहा है। इनको जबरन गलत मामलों में फँसाया जा रहा है, जो अति दुःखद (है)। मायावती ने अपने दूसरे ट्वीट में कहा कि साथ ही, जिस प्रकार से सपा सरकार में दलितों के मसीहा बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर व इनके महान सन्तों व गुरुओं की मूर्तियां तोड़ी गईं तथा उनके नाम पर रखे गये जिलों व संस्थानों आदि के नाम भी काफी बदल दिये गये। उन्होंने अपने तीसरे ट्वीट में कहा, ठीक उसी प्रकार वर्तमान भाजपा सरकार भी चल रही है। अब तो उनके मसीहा बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की भी मूर्ति तोड़ी जा रही है...सरकार इस मामले में उचित कदम उठाये। बसपा की यह मांग (है)। गौरतलब है कि पिछले दिनों जौनपुर में मिश्रपुर के सुजातगंज इलाके में कुछ शरारती तत्वों ने आंबेडकर की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया था और इस घटना के सिलसिले में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। पिछले सप्ताह वाराणसी के गढकरा गांव के पंचायत भवन के पास लगी आंबेडकर की प्रतिमा को कुछ लोगों ने नुकसान पहुंचाया । वरिष्ठ अधिकारियों ने नाराज लोगों को शांत कराया और नयी प्रतिमा स्थापित करवायी।

पत्नी का सिर धड़ से अलग कर टपकते खून के साथ कुल देवी को चढ़ाया, बेटे ने ऐसे खोली पिता की पोल

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के एक गांव में नर बलि का मामला सामने आया है। 50 वर्षीय एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से अपनी 45 वर्षीय पत्नी के सिर को धड़ से अलग कर अपने देवी-देवताओं को खुश करने के लिए चढ़ा दिया। आरोपी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना सिंगरौली जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर कोतवाली पुलिस थाना बैढन् के ग्राम बसौड़ा में बुधवार तड़के लगभग दो बजे हुई। महिला की चीख सुनकर उसके दोनों बेटे कमरे में आये और उसका सिर एवं धड़ अलग-अलग देखकर बेहोश हो गये थे। कुछ देर बाद होश आने पर दोनों बेटों ने पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। पत्नी की बलि चढ़ाने के बाद आरोपी ने उसके धड़ को घर के एक कमरे में गड्ढा खोदकर दबा दिया और सिर को अपने पूजा वाले कमरे में ले जाकर गाड़ दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप शेंडे ने बृहस्पतिवार को बताया, ग्राम बसौड़ा निवासी बिट्टी की हत्या उसके पति बृजेश केवट ने बुधवार तड़के करीब 2 बजे कर दी। उसने अपनी पत्नी की गर्दन पर बलुआ (कुल्हाड़ी जैसा हथियार) से वार कर हत्या को अंजाम दिया। इसके बाद कमरे में एक गड्ढा खोदकर पत्नी के धड़ को दबा दिया ।

बिहार विस चुनाव: सांसद ने कहा- हम अपने दम पर बिहार में सरकार बना सकते हैं लेकिन...

पटना। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इसे लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां तैयारियों में जुट गई है। इसी बीच भाजपा सांसद और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम अपने दम पर, बिहार में सरकार बना सकते हैं, इसमें कोई शक नहीं है। लेकिन, हम 1996 से जेडीयू के साथ साझेदारी कर रहे हैं, और हम इसे तोड़ना नहीं चाहते हैं, न ही ऐसा करना चाहते हैं। हम अपने दोस्तों को नहीं छोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सीट का हिस्सा जल्द ही तय होगा। इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से समाप्त किया जाएगा क्योंकि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं। वहीं आरके सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव परिणामों ने स्पष्ट रूप से भाजपा और पीएम मोदी के वोट आधार को प्रदर्शित किया है। इसलिए, सीट विभाजन केवल उसी पर आधारित होना चाहिए। वहीं आरके सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव परिणामों ने स्पष्ट रूप से भाजपा और पीएम मोदी के वोट आधार को प्रदर्शित किया है। इसलिए, सीट विभाजन केवल उसी पर आधारित होना चाहिए। इसलिए, सीट विभाजन केवल उसी पर आधारित होना चाहिए।

विश्व में कोविड-19 की सर्वाधिक जांच करने वाले देशों में भारत भी शामिल: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि देश में कोविड-19 के मामलों का पता लगाने के लिये बुधवार को रिकार्ड संख्या में 11,72,179 नमूनों की जांच की गई और अब तक कुल 4,55,09,380 जांच की जा चुकी है। साथ ही, विश्व में प्रतिदिन सर्वाधिक जांच करने वाले देशों में भारत भी शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि अधिक संख्या में जांच किये जाने के परिणामस्वरूप संक्रमण की पुष्टि होने की दर कम हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, ''जांच में भारत में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। 24 घंटे में 11.7 लाख से अधिक जांच की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में यह पूछे जाने पर कि अब तक हुई कुल जांच में ''रैपिड एंटीजन टेस्ट अन्य जांच की तुलना में काफी ज्यादा है, तो उन्होंने कहा कि इस पर देश भर में एक जैसी स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में रोज 90 प्रतिशत से अधिक आरटी-पीसीआर जांच हो रही है, जबकि अन्य राज्यों में आरटी-पीसीआर जांच, ट्रूनैट और सीबीएनएएटी जांच क्षमता सीमित है तथा उन राज्यों में, यदि निरूद्ध क्षेत्र या बफर जोन हैं, तो कोई व्यक्ति सीमित जांच से संतुष्ट नहीं हो सकता।

लॉकडाउन में टीचर्स बने 'कोरोना योद्धा, मनीष सिसोदिया ने भी की तारीफ

नेशनल डेस्क।

कोरोना महामारी के कारण स्कूल बंद होने की वजह से दिल्ली सरकार के स्कूलों के कई शिक्षक कोरोना योद्धा के तौर पर भी भूमिका निभा रहे हैं। वे ऐसे छात्रों का पता लगाने का भी काम कर रहे हैं जिनसे संपर्क नहीं हो सका है। इसके अलावा वे फोन के जरिये उनके पड़ोसियों को वर्कशीट भेजने और आइसोलेशन केंद्रों पर लोगों की मदद भी कर रहे हैं। महामारी के इस समय में अपने प्रयासों तथा तय जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर काम करने के लिए शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इन शिक्षकों की सराहना की। पश्चिम विहार में सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाली सरिता रानी भारद्वाज को मार्च में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा होने के बाद अपने छात्रों का पता लगाने में बेहद मुश्किल आई। भारद्वाज ने कहा कि मैंने पहले सभी से कक्षा के वाट्सऐप समूहों पर संपर्क करने की कोशिश की और कई-कई बार सभी विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से फोन किया। जब उनमें से कुछ से मेरा संपर्क नहीं हो सका तो मैंने राशन की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति से संपर्क किया और उनके पतों पर जाकर देखने को कहा। इस तरह मैं कई अन्य छात्रों से संपर्क कर सकी लेकिन कुछ अब भी रह गए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने राशन की आपूर्ति करने वाले से उन बच्चों के पड़ोसियों के फोन नंबर लेकर आने को कहा। मैंने उनसे बात की और उनके फोन पर वर्कशीट भेजनी शुरू की। जब मुझे पता चला कि कुछ छात्र दूसरे शहरों में चले गए हैं तब मैंने एक कूरियर कंपनी के जरिये उनके नए पतों पर किताबें और अध्ययन सामग्री भेजी। मंगोलपुरी के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सामाजिक विज्ञान के शिक्षक आलोक कुमार मिश्रा ऑनलाइन कक्षाएं लेने के अलावा नरेला के एक पृथकवास केंद्र में भी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आइसोलेशन केंद्र के तौर पर इस्तेमाल किये जा रहे घरों के बाहर मैं एक अस्थायी नियंत्रण कक्ष से काम कर रहा हूं। मैं पृथकवास में रह रहे लोगों के फोन का जवाब देता, उनके प्रश्नों का उत्तर देता हूं और उनकी जरूरतें पूरी करने का प्रयास करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं क्रमिक रूप से दिन और रात की पाली में काम करता हूं। इस तरह काम करके मुझे काफी संतोष मिलता है कि मैं लोगों की मदद कर पा रहा हूं।

बड़ी-ब्राहमणा में अतिक्रमण हटाना सराहनीय परंतु दोषी राजस्व अधिकारियों पर भी हो कार्रवाई : पैंथर्स पार्टी

साम्बा । जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी ने बड़ी-ब्राहमणा के मीन चाढक़ाँ (बड़ी-ब्राहमणा) में हुए भूमि घोटाले में सतर्कता संगठन जम्मू के एंटी क्रप्शन ब्यूरो द्वारा एसडीएम सहित अन्य राजस्व अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एसीबी की सराहना की है और साथ ही साम्बा जिले में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों को हटाने के लिए चलाए जा रहे व्यापक अभियान को भी सराहा। आज विजयपुर में इस विषय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेकेएनपीपी के जम्मू प्रांत अध्यक्ष राजेश पडग़ोत्रा ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से अपील की कि वे भ्रष्ट व दोषी अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्त करें जिन्होंने मनमाने तरीके से काम किया और अपने लाभ के लिए और भूमि हड़पने वालों के लाभ के लिए राजस्व रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की। इसके साथ ही गलत तरीके से बांटी गई मुआवजे की राशि को भी आरोपी अधिकारियों से वसूला जाए। पडग़ोत्रा ने कहा कि मीन चाढक़ां में हुए घोटाले में एक ही प्राथी का मामला सुलझा है जबकि अभी लगभग 1400 कनाल भूमि के अधिग्रहण व मुआवजा कीह जांच की जानी चाहिए। इस अवसर पर जेकेएनपीपी नेता पडग़ोत्रा ने कहा कि अतिक्रमण को हटाने के कलए डिप्टी कमिश्नर साम्बा द्वारा शुरू किया गया अभियान सराहनीय है लेकिन प्रशासन को उन राजस्व अधिकारियों-कर्मियों के खिलाफ भी दंडात्मक कार्रवाई शुरू करनी चाहिए, जिन्होंने भूमाफिया की इन जमीनों पर कब्जे करने में मदद की और रिकार्ड में छेड़छाड़ की है। इस मौके पर जेकेएनपीपी के संयुक्त सचिव और पूर्व सरपंच खजूर सिंह, कैप्टन करम चंद भी मौजूद रहे। इस मौके पर जेकेएनपीपी के संयुक्त सचिव और पूर्व सरपंच खजूर सिंह, कैप्टन करम चंद भी मौजूद रहे।

भारत के चीनी ऐप पर प्रतिबंध से तिलमिलाया चीन, कहा- नहीं होगा किसी को फायदा

बीजिंग। भारत के 118 चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगाने पर चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि इससे ना तो भारतीय उपयोक्ताओं और ना ही चीनी कंपनियों को लाभ होगा। चीन ने दावा किया कि यह कदम विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) नियमों का उल्लंघन है। भारत ने बुधवार को लोकप्रिय खेल ऐप 'पबजी समेत चीन से संबंध रखने वाली 118 और मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया। इसकी वजह राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा और डेटा निजता से जुड़ी चिंताए बताई गई। भारत अब तक चीन की कुल 224 ऐप पर प्रतिबंधित कर चुका है। ताजा कदम पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ फिर से तनाव बढ़ने के बाद उठाया गया है। चीन के विदेश मंत्रालय के अलग से संवाददाता सम्मेलन में प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा कि भारत के इस कदम ने पहले भारतीय उपयोक्ताओं के हित और अधिकार को नुकसान पहुंचाया। इससे चीनी कारोबार के अधिकार और हितों को भी नुकसान हुआ है। ऐसे में भारत ने जो किया है वह किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने उसी दिन भारत के चीनी ऐप पर प्रतिबंध का उदाहरण देते हुए अन्य देशों से भी उसका अनुसरण करने को कहा। 'इसलिए मुझे नहीं पता कि क्या इसे लेकर भारत और अमेरिका के बीच कोई बातचीत हुई है और इसमें कोई संबंध है। चुनयिंग ने कहा, ''भारत समझदार लोगों की एक पुरातन सभ्यता है। उन्हें पता होना चाहिए कि अमेरिका ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में क्या किया है। डर्टबॉक्स, प्रिज्म, इरिटेंट हॉर्न और मस्कुलर जैसे उदाहरण मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि समुद्री इंटरनेट केबल की टैपिंग की गयी, भारतीय लोगों के पास इतना विवेक होना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नए स्तर पर संक्रमण

कोरोना संक्रमण और इससे होने वाली मौत के आंकड़े अब हमें उस तरह नहीं चौंकाते, जैसे शुरुआती महीनों में चौंकाया करते थे, तो इसका कारण समझा जा सकता है। इंसान अपने हालात के साथ तेजी से तालमेल बिठा लेता है। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि इस महामारी की गंभीरता कम हो गई है या इसे लेकर किसी तरह की लापरवाही को नजरंदाज कर दिया जाए। निस्संदेह, देश में संक्रमण की जांच अब बड़े पैमाने पर हो रही है, इसलिए पॉजिटिव मरीजों की संख्या भी उसी अनुपात में बढ़ रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कल ही बताया कि पिछले 24 घंटे में 11 लाख से अधिक लोगों की जांच की गई थी। बुधवार को संक्रमण के 80 हजार से अधिक नए मामले सामने आए और 1,023 लोगों को इस वायरस के कारण जान गंवानी पड़ी। इसलिए यह वक्त अतिरिक्त सावधानी का है, क्योंकि तमाम सुविधाओं में बढ़ोतरी के बावजूद वे हमारी आबादी की मांग के आगे हमेशा कमतर रहेंगी। देश और दुनिया के जो आर्थिक हालात हैं, वे सरकारों को अब अनलॉक की प्रक्रिया अपनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। भारत में भी क्रमिक रूप से अनिवार्य नागरिक गतिविधियों की अनुमति दी जा रही है। सोमवार से कुछ शर्तों के साथ दिल्ली मेट्रो के परिचालन को हरी झंडी इसी कड़ी का हिस्सा है। कुछ राज्यों ने शनिवार और रविवार के लॉकडाउन को हटा लिया है। लेकिन नागरिकों को यह नहीं भूलना चाहिए कि अर्थव्यवस्था को जल्दी से जल्दी पटरी पर लाना अब बहुत जरूरी हो गया है और इसीलिए ये जोखिम उठाए जा रहे हैं। ऐसे में, लोगों की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। उन्हें स्वास्थ्य विभाग की अपेक्षाओं के अनुरूप आचरण करना होगा। क्योंकि अभी कितने दिनों में यह बढ़ोतरी ढलान पर आएगी, इसका ठोस अंदाजा किसी के पास नहीं है। अमेरिका जैसे साधन संपन्न देश के विशेषज्ञ इस साल के अंत तक किसी कारगर वैक्सीन या दवा की उम्मीद तो जता रहे हैं, मगर उन्हें कामयाबी मिल भी गई, तब भी शेष दुनिया को उस दवा या वैक्सीन के लिए अगले साल तक इंतजार करना पड़ेगा। इस त्रासद दौर में सुखद सूचना यह है कि देश में संक्रमण के ऐक्टिव मामलों के मुकाबले साढ़े तीन गुना अधिक लोग अब तक ठीक हो चुके हैं। अकेले बुधवार को ही 68 हजार से अधिक की रिकॉर्ड संख्या में लोग इसकी जद से बाहर निकल आए। इस सकारात्मकता को स्थाई रूप देने के लिए हमें वे तमाम एहतियात बरतने पड़ेंगे, जिनका आह्वान लगातार किया जा रहा है। सरकार के मुताबिक, देश के पांच राज्यों- तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में ही 62 प्रतिशत ऐक्टिव मामले हैं। जाहिर है, वहां ज्यादा चौकसी की जरूरत है। मगर बिहार, बंगाल और असम जैसे राज्यों को भी अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि आने वाले महीने वहां राजनीतिक गहमागहमी के होंगे। बिहार विधानसभा चुनाव तो दो महीने के भीतर ही होंगे। ऐसे में, यह न सिर्फ राज्य-तंत्र, बल्कि राजनीतिक दलों व नेताओं के लिए भी इम्तिहान की घड़ी है। उम्मीदवारों को जीत भी हासिल करनी है और मतदाताओं के लिए संक्रमण मुक्त माहौल भी रचना है। इसमें किसी के लिए कोताही की कोई गुंजाइश नहीं है।

आज के ट्वीट

इतिहास

योगी सरकार ने अब इतिहास की किताबों में बदलाव का निर्णय लिया है गजनी, गौरी, औरंगज़ेब, बाबर, तैमूर, जैसे लुटेरों को अब महान नहीं बताकर इन्हें आतंकी और लुटेरा पढ़ाया जाएगा और इनके गंदे कारनामों का इतिहास पढ़ाया जाएगा ऐसे निर्णय सिर्फ योगी जी ही ले सकते है.!

- अर्नब गोस्वामी

मांग व रोजगार बढ़ाकर सुधरेगी आर्थिकी

जयंतीलाल भंडारी

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के मुताबिक देश की अर्थव्यवस्था में करीब चार दशक बाद पहली बार भारी गिरावट देखी गई है। अप्रैल-जून, 2020 की तिमाही में देश के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में -23.9 फीसदी की भारी बड़ी गिरावट आई है। यह गिरावट कंसट्रक्शन सेक्टर में -50.3 फीसदी, ट्रेड, ट्रांसपोर्ट, होटल सेक्टर में -47.0 फीसदी, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में -39.3 फीसदी, फायनेंशियल सर्विस सेक्टर में -5.3 फीसदी और उपयोगी सेवाओं के सेक्टर में -7.3 फीसदी रही है। कृषि ही एकमात्र ऐसा सेक्टर है, जिसमें 3.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। स्थिति यह है कि भारत में जीडीपी आंकड़ों में गिरावट अन्य जी-20 देशों की तुलना में बहुत ज्यादा है। हालांकि, ब्रिटेन में जीडीपी में गिरावट 20 फीसदी के आसपास दिखाई दे रही है। यदि हम महालेखा नियंत्रक यानी सीजीए द्वारा जारी देश के राजकोषीय घाटे के नवीनतम आंकड़ों को भी देखें तो देश की अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट की तस्वीर दिखाई देती है। स्थिति यह है कि केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा लॉकडाउन के कारण कमजोर राजस्व संग्रह के चलते वित्तवर्ष 2020-21 के शुरुआती चार महीनों यानी अप्रैल-जुलाई में ही पूरे साल के बजट अनुमान को पार कर गया है। चालू वित्तवर्ष में अप्रैल से जुलाई, 2020 के चार महीनों के दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा इसके वार्षिक अनुमान की तुलना में करीब 103 फीसदी यानी करीब 8,21,349 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। एक साल पहले 2019 में इन्हीं चार महीनों की अवधि में यह वार्षिक बजट अनुमान का 77.8 फीसदी ही रहा था। ज्ञातव्य है कि वित्तवर्ष 2020-21 के बजट में राजकोषीय घाटे के 7.96 लाख करोड़ रुपये यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। अप्रैल से जून, 2020 में कोविड-19 से पूरी दुनिया बुरी तरह प्रभावित रही है। इस दौरान भारत में भी केंद्र द्वारा कोरोना वायरस महामारी का प्रसार रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन ने देशभर की आर्थिक गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित किया। निःसंदेह जून, 2020 के बाद अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोलने का अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ा है। अब आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन बेहतर रहने की संभावनाएं हैं। लॉकडाउन के महीनों की तुलना में अब प्रमुख क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि 31 अगस्त को वित्तवर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में जीडीपी विकास दर के आंकड़ों में बड़ी गिरावट सामने आने के एक दिन बाद एक सितंबर को अर्थव्यवस्था में बेहतरी दिखाने वाले आंकड़े भी सामने आ गए हैं। स्थिति यह है कि अगस्त, 2020 में ज्यादातर कार कंपनियों की बिक्री ने पिछले साल 2019 में इसी महीने में हुई बिक्री को पीछे छोड़ दिया है। बढ़ती हुई रेलवे माल ढुलाई आर्थिक गतिविधियों की बेहतर संकेतक है। साथ ही बिजली की खपत में भी अच्छा सुधार दिखाई दे रहा है। इसी तरह एक सितंबर को जारी आईएचएम मार्किट इंडिया के मैन्युफैक्चरिंग पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अगस्त, 2020 में 52 दर्ज हुआ है। पीएमआई इंडेक्स जुलाई में 46 दर्ज हुआ था, जबकि अप्रैल में लॉकडाउन के दौरान यह 27.4 तक नीचे आ गया था। पीएमआई इंडेक्स के 50 से ऊपर होने का तात्पर्य मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों का बढ़ना होता है। स्पष्ट है कि मार्च, 2020 के बाद पहली बार अगस्त, 2020 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियों में वृद्धि हुई है। इसकी मुख्य वजह उत्पादन में सुधार और नए ऑर्डर मिलने के साथ उपभोक्ता मांग का बेहतर होना है। ऐसे में वित्तवर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में भी सालाना आधार पर गिरावट आ सकती है लेकिन यह गिरावट उतनी नहीं होगी, जितनी कि लॉकडाउन के चरम पर रहने के दौरान देखने को मिली है। यद्यपि अप्रैल से जून, 2020 में जीडीपी में बड़ी गिरावट दिखाई दी है और चालू वित्तवर्ष 2020-21 में भी जीडीपी में गिरावट बनी रहेगी। लेकिन वैश्विक आर्थिक संगठनों के द्वारा आगामी वित्तवर्ष 2021-22 में भारत की तेज विकास दर बढ़ने की संभावनाओं की रिपोर्टें भी प्रकाशित हो रही हैं। विगत 19 अगस्त को विश्व बैंक के द्वारा जारी रिपोर्ट 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' में कहा गया है कि कोविड-19 के संकट के बाद आगामी वित्तीय वर्ष में भारत आर्थिक एवं वित्तीय सुधारों के जरिए 7 फीसदी की विकास दर हासिल कर सकता है। निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के लिए उपभोग और मांग में तेजी लानी होगी और कोविड-19 की चुनौतियों पर भी काबू पाना जरूरी होगा। सरकार के द्वारा तीन बातों पर ध्यान देना होगा। एक, आर्थिक सुधार आगे बढ़ाने होंगे। दो, आम आदमी की आमदनी बढ़ानी होगी तथा तीन, रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे। निःसंदेह विभिन्न आर्थिक सुधारों, 20 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज और रिजर्व बैंक के उपायों से आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में धीरे-धीरे पुनरुद्धार किए जाने की संभावनाओं को मुट्ठियों में लिया जाना होगा। अब सरकार के द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य, श्रम, कृषि भूमि, कौशल और वित्तीय क्षेत्रों में घोषित किए गए सुधारों को आगे बढ़ाना होगा। सरकार को कुछ ऐसे चुनिंदा क्षेत्रों में निवेश पर जोर देना होगा, जिससे कोरोना महामारी के प्रभाव से निपटने और प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिले। इसके अलावा, सरकार को सब्सिडी, कर्ज, गैर-कर राजस्व वसूली बढ़ाने, नए कर्ज के पुनर्भुगतान और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की ओर ध्यान देना होगा। सरकार के द्वारा लोगों की आमदनी में वृद्धि एवं आर्थिक विकास हेतु कारोबार एवं रोजगार के सतत सुधार के लिए सक्षम माहौल भी बनाना होगा। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार अवसर तैयार करने होंगे। देश के आम आदमी की आमदनी बढ़ाने के लिए रोजगार परिदृश्य को सुधारने के अधिकतम प्रयत्न जरूरी हैं। शहरी भारत में निर्मित हुए रोजगार के चिंताजनक परिदृश्य को बदलने के लिए सरकार के द्वारा अतिरिक्त रोजगार प्रयासों की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। वस्तुतः कोरोनाकाल में शहरी क्षेत्रों में रोजगार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ऐसे में मनरेगा की तरह शहरी रोजगार गारंटी योजना से शहरों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

हम उम्मीद करें कि सरकार वित्तीय वर्ष 2020-21 के परिदृश्य पर दिखाई दे रही जीडीपी की भारी गिरावट को रोकने और जीडीपी दर में वृद्धि के लिए रणनीतिपूर्वक आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत घोषित किए गए आर्थिक एवं वित्तीय सुधारों को सरकार आगे बढ़ाएगी। साथ ही आम आदमी की खरीद की क्षमता को बढ़ाने के भी अधिकतम प्रयास करेगी। ऐसा किए जाने से नई मांग का निर्माण होगा, उद्योग-कारोबार और सेवा क्षेत्र आगे बढ़ेंगे। ऐसा होने पर ही आगामी वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए वैश्विक आर्थिक संगठनों के द्वारा भारत के लिए बताई जा रही 6 से 7 फीसदी जीडीपी की ऊंची विकास दर के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

ज्ञान गंगा

स्वार्थ

जग्गी वासुदेव

दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे निःस्वार्थ कहा जा सके। हर चीज अपने खुद के मतलब के लिए ही होती है, हर कोई स्वार्थी ही है। आपके विचार और आपकी भावनाएं मूल ढंग से आपके अंदर से हैं, तो वे स्वार्थी ही हैं। सवाल सिर्फ यह है कि अपने स्वार्थ के बारे में आप कंजूस हैं, या उदार? क्या आपका स्वार्थीपन सिर्फ उनके लिए है जो किसी तरह से आपके शरीर के साथ जुड़े हैं-आपके पति या पत्नी हैं, या बच्चे, या माता-पिता या भाई-बहन, या आपके परिवार से हैं? या फिर, आपका स्वार्थीपन ज्यादा बड़ा है-जो सारी मानवता को, हरेक प्राणी को भी शामिल कर लेता है? स्वार्थी होने का सवाल नहीं है, यह तो कंजूस होने की बात है। आप जानते हैं, इसका मतलब है कम-जूस या कम-रस होना! आप में पर्याप्त रस नहीं है जिससे आप अपने चारों ओर के जीवन के लिए कुछ महसूस कर सकें। आप अपने जीवन में बस थोड़े से लोगों के लिए ही कुछ महसूस करते हैं। जब बात शारीरिक या आर्थिक पहलुओं की आती है, तो ठीक है कि आप कुछ ही लोगों की संभाल कर सकते हैं पर जब बात विचारों और भावनाओं की हो तो कहीं कोई कमी नहीं है। आप ब्रह्मांड के हर जीव के हमदर्द हो सकते हैं, उससे सहानुभूति रख सकते हैं। समस्या है कि आप में पर्याप्त रस, पर्याप्त जीवन नहीं है। आप में काफी ज्यादा मात्रा में जीवन हो तो आप हर प्राणी के लिए यह महसूस कर सकते हैं, हर एक कीड़ा, पौधा, पक्षी, जानवर-हर चीज के लिए। अपने जीवन को समृद्ध करने का यही रास्ता है। जीवन समय की बस छोटी-सी मात्रा है। जरूरी नहीं है कि कोई और आप में यह भाव जगाए, प्रेरित करे। अभी तो आपकी समस्या है कि आपका आनंद, प्रेम और आपकी दूसरी भावनाएं-आपकी हर वो चीज जो सुंदर है-किसी और के धक्का देने से शुरू होती है। कोई आपको धकेले तब आप आगे बढ़ते हैं, तब ये भाव जागते हैं। पर ऐसा तरीका भी है कि आप खुद ही इसे शुरू करें, सेल्फ-स्टार्ट पर हो जाएं। सेल्फ-स्टार्ट पर हो जाते हैं, तब सुबह उठते ही प्रेमपूर्ण, आनंदपूर्ण और उल्लसित हो सकते हैं। नहीं तो किसी को आपके लिए कुछ करना पड़ता है, तब जाकर आप अपने अंदर प्रचुरता का थोड़ा बहुत अनुभव कर पाते हैं।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

भारतवंशी की बंसी से सम्मोहित सिंगापुर

अरुण नैथानी

किसी ने कभी सोचा भी न होगा कि कोई भारतीय मूल का बाशिंदा सिंगापुर के समाज में पहले तो अपनी जमीन तलाशेगा और फिर वहां के लोकतंत्र की निगहबानी हक हासिल करेगा। वह आवाज बनेगा जो सत्तापक्ष की निगरानी करेगी, उसे सही-गलत का अहसास कराएगी, प्रतिरोध के स्वर बोलेगी और अपना रुतबा कायम करेगी। लेकिन हाल ही में हुए सिंगापुर के आम चुनाव में वर्कर्स पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़कर सबसे बड़े विपक्ष दल के नेता के रूप में उभरे प्रीतम सिंह ने यह कर दिखाया। उन्होंने सिंगापुर के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्षी नेता का दर्जा हासिल किया है। दरअसल, आम चुनाव में वर्कर्स पार्टी का बड़ा एजेंडा सिंगापुर के लोकतंत्र में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति का था। जब उनकी पार्टी सबसे बड़े विपक्षी दल के रूप में उभरी तो सत्तापक्ष ने इस मांग को स्वीकार किया। दरअसल, अब तक सिंगापुर में विपक्षी नेता के नाम पर नूरा-कुश्ती ही होती आई थी। सत्तापक्ष के नेता ही विपक्ष की भूमिका में हुआ करता थे जो स्वस्थ लोकतंत्र के हित में नहीं था। इस मुकाम को हासिल करने में भारतीय मूल के प्रीतम सिंह ने निर्णायक भूमिका निभायी जो सिंगापुर में भारतवंशियों के बढ़ते रुतबे का भी प्रमाण है। गत 10 जुलाई को हुए आम चुनाव में वर्कर्स पार्टी ने 93 में दस सीटें जीतीं। इससे पार्टी सिंगापुर के संसदीय इतिहास में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के रूप में उभरी। चुनाव अभियान के दौरान प्रवासी श्रमिकों के मुद्दों के अलावा उन्होंने नेता प्रतिपक्ष का पद सृजित करने की भी मांग की थी। पूरे घटनाक्रम के बाद 31 अगस्त को उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई। मजेदार बात यह है कि संसद की कार्यवाही शुरू होने पर सत्ताधारी पीपुल्स एक्शन पार्टी यानी पीएपी की नेता इंद्राणी राजा ने ही 43 वर्षीय प्रीतम सिंह को देश के पहले विपक्षी नेता के रूप में मान्यता दी। इंद्राणी ने यह भी स्वीकारा कि विपक्ष में अधिक सांसदों का होना, सिंगापुर के लोकतंत्र की विविधता को चित्रित करता है। दरअसल, सिंगापुर की संसद में विपक्षी नेता का पद आधिकारिक तौर पर नहीं रहा है। इसके अलावा न तो संविधान में इसका उल्लेख रहा और न ही संसद के स्थायी आदेशों में इस पद का जिक्र है। इस पद को सृजित करने का समर्थन प्रधानमंत्री हिसयन लूंग ने भी किया था। सिंगापुर की 14वीं संसद में प्रीतम सिंह को संसद में आफिस व स्टाफ के साथ अन्य सभी सुविधाएं मिलेंगी। उनकी सीट प्रधानमंत्री के सामने लगेगी। पैकेज के रूप में उन्हें भारत के हिसाब से दो करोड़ रुपये भी मिलेंगे। वे संसद में विधेयकों, प्रस्तावों और संसद में होने वाली बहसों पर वैकल्पिक विचार पेश करने में विपक्ष का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके साथ ही सिंगापुर की संसद ने प्रस्ताव पारित करके प्रीतम सिंह के बोलने के समय को बीस मिनट से बढ़ाकर चालीस मिनट कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किये जाने पर प्रीतम सिंह ने संसद में सिंगापुर के प्रवासी कामगारों का जीवनस्तर सुधारने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रवासी कामगार सिंगापुर की आर्थिकी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी मौजूदगी सिंगापुर को वह जीवंतता देती है जो हमें आर्थिक रूप से प्रासंगिक बनाती है। ये प्रवासी कामगार सिंगापुर के निवासियों को भी आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करते हैं। पेशे से मूलतः वकील प्रीतम सिंह ने सिंगापुर की परंपरा के हिसाब से नेशनल सर्विसमैन के रूप में मेजर रैंक हासिल किया है। नेशनल सर्विसमैन सम्मानजनक संबोधन उन लोगों को दिया जाता है जो जरूरत पड़ने पर देश के लिए अपनी सेवाएं देते हैं। प्रतिभावान प्रीतम सिंह एक विद्यार्थी के रूप में खासी ख्याति पा चुके हैं। वर्ष 1999 में इतिहास व राजनीति शास्त्र में सर्वोच्च अंक हासिल करने पर उन्हें विशेष ट्रॉफी मिली थी। तदुपरांत उन्होंने वर्ष 2000 में नेशनल सिंगापुर यूनिवर्सिटी से इतिहास में स्नातक किया। इसके उपरांत किंग्स कॉलेज लंदन में कानून तथा युद्ध की रणनीति की पढ़ाई की। कालांतर ब्रिटेन में ही स्नातकोत्तर पढ़ाई पूरी की। बाद में मलेशिया स्थित इंटरनेशनल इस्लामिक यूनिवर्सिटी से इस्लामिक स्टडीज में डिप्लोमा हासिल किया। एक मुखर अधिवक्ता के साथ-साथ उन्होंने ओपिनियन एशिया नाम से एक सिंडिकेट शुरू किया जो एशियाई से जुड़े मामलों पर राय निर्मित किया करता है। बाद में वर्ष 2011 में उन्होंने सिंगापुर की राजनीति में विधिवत प्रवेश किया और तब से लेकर अब तक सांसद हैं। पंजाबी मूल के प्रीतम सिंह ने थिएटर कलाकार लवलीन कौर से शादी की है। वे दो बेटियों वाले परिवार के दायित्व निभाने के साथ ही हजारों श्रमिक परिवारों के हितों के लिये संघर्ष करते रहे हैं। कामगारों के हितों की लड़ाई लड़ते रहे हैं। अब नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें बड़ी जिम्मेदारी और मिली है। साथ ही उन्हें इस पद के दायित्वों और मानकों पर खरा उतरना है। निस्संदेह, प्रीतम सिंह की कामयाबी व्यक्तिगत भी है और निष्कर्ष यह भी है कि सिंगापुर में भारतवंशियों का दबदबा बढ़ रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑटो सेक्टर बुरे दौर में, सियाम ने कहा- उद्योग निवेश करने की स्थिति में नहीं

नई दिल्ली। ऑटो उद्योग के संगठन सियाम ने शुक्रवार को कहा कि विनिर्माता आगामी सरकारी विनियमों को लागू करने के लिए निवेश करने की स्थिति में नहीं हैं, क्योंकि उद्योग बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह भी कहा कि ऑटोमोटिव मिशन योजना 2026 (एएमपी 2026) के तहत तय लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए सरकारी सहायता की आवश्यकता है। सियाम के अध्यक्ष राजन वढेरा ने यहां संगठन के वार्षिक अधिवेशन में कहा कि आगामी विनियमों को लागू करने के लिए काफी निवेश करना है और उपभोक्ता मांग में कमी के कारण उद्योग को आमदनी नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि इसलिए 2022 के बाद कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता (सीएएफई) मानदंडों जैसे नए विनियमों को लागू करने के लिए उद्योग के पास निवेश करने की क्षमता नहीं है। वढेरा ने यह भी कहा कि विनियमों की अधिकता नहीं होनी चाहिए क्योंकि भारत के उत्सर्जन मानक पहले ही दुनिया में सबसे सख्त हैं। उन्होंने कहा कि एएमपी 2026 में सूचीबद्ध लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उद्योग को मांग प्रोत्साहन देना जरूरी है।

एलएंडटी डिफेंस को पिनाक हथियार प्रणाली की आपूर्ति के लिए सरकार से ठेका मिला

नयी दिल्ली। इंजीनियरिंग और निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने शुक्रवार को कहा कि उसकी रक्षा शाखा को भारतीय रक्षा मंत्रालय (एमओडी) से पिनाक हथियार प्रणाली की आपूर्ति के लिए ठेका मिला है। एलएंडटी ने शेयर बाजार को बताया कि ठेके तहत चार रेजिमेंटों के लिए पिनाक लॉन्चर, बैटरी कमांड पोस्ट और संबंधित इंजीनियरिंग सपोर्ट पैकेज (ईएसपी) की आपूर्ति की जाएगी। कंपनी ने ठेके की कुल लागत के बारे में नहीं बताया, लेकिन कहा कि अनुबंध 'महत्वपूर्ण' श्रेणी के तहत आता है, यानी इसका मूल्य 1,000 करोड़ रुपये से 2,500 करोड़ रुपये के बीच है।

ओयो इंडिया ने कर्मचारियों के सामने रखा स्वैच्छिक अलगाव या छुट्टियां आगे खिसकाने का विकल्प

नयी दिल्ली। होटल कंपनी ओयो इंडिया ने सीमित लाभ के साथ छुट्टियों पर भेजे गए कर्मचारियों के सामने खुद से कंपनी से अलग होने या छह महीने के लिए छुट्टियों को आगे खिसकाने का प्रस्ताव रखा है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कोविड-19 संकट के चलते ओयो ने अपने भारतीय परिचालन के कई कर्मचारियों को चार मई से सीमित लाभ के साथ चार महीने की छुट्टी पर भेज दिया था। साथ ही सभी कर्मचारियों से उनके वेतन में 25 प्रतिशत कटौती स्वीकार करने को कहा था। बयान के मुताबिक आठ जून को सरकार की अनुमति के बाद कंपनी ने आंशिक तौर पर चरणबद्ध तरीके से अपने होटलों को खोलना शुरू किया। अनलॉक की प्रक्रिया शुरू होने के बाद से कंपनी ने कोविड-19 से पूर्व की 30 प्रतिशत क्षमता के साथ काम करना शुरू किया। इस वजह से कंपनी को अपनी ज्यादा से ज्यादा नौकरियां बचाने की प्रतिबद्धता के लिए प्राथमिकताएं तय करनी पड़ी। कंपनी ने कोविड-19 से प्रभावित कुछ कर्मचारियों को अलग-अलग टीम और स्थानों पर वापस बुलाया और उन्हें सीमित अवसर प्रदान किए। कंपनी के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए ओयो के भारतीय और दक्षिण एशिया परिचालन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहित कपूर ने सीमित लाभ के साथ छुट्टी के बारे में कहा, ''हम जानते हैं कि आपको रोक कर रखना चुनौतीपूर्ण है। लेकिन यह ऐसी स्थिति के चलते हुआ है जो ना आपके नियंत्रण में है और न ही हमारे।'' उन्होंने कहा, ''आप स्वयं कंपनी से अलग होने या छह महीने के लिए और 28 फरवरी 2021 तक सीमित लाभ के साथ वाली छुट्टियां आगे खिसका सकते हैं।'' कपूर ने कहा कि आदर्श स्थिति में ओयो ऐसा कभी नहीं करता।

फिनटेक हैं भारतीय बैंकिंग, भुगतान प्रणाली के लिए आगे का रास्ता: एसबीआई एमडी

नई दिल्ली।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंध निदेशक अश्वनी भाटिया ने शुक्रवार को कहा कि फिनटेक भारतीय बैंकिंग और भुगतान प्रणाली के लिए आगे का रास्ता है और इस क्षेत्र में विकास के बहुत अवसर है। फिनटेक ऐसी वित्तीय कंपनियां हैं, जो काम में तेजी लाने और लागत में कटौती के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही हैं। भाटिया ने एसबीआई का उदाहरण देते हुए कहा कि अब 91 फीसदी काम डिजिटल रूप से हो रहे हैं, जो 35 साल पहले अकल्पनीय था। उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक आभासी सम्मेलन में कहा हम मानते हैं कि यह 91 प्रतिशत से 100 प्रतिशत हो जाएगा।

भारतीय स्टेट बैंक जैसे बैंक के लिए, और जाहिर तौर पर दूसरे बैंक, सभी डिजिटल रूप से आगे बढ़ने जा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। स्मार्टफोन की पहुंच भी बढ़ने वाली है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शाखाएं सिर्फ वितरण केंद्र के रूप में काम करेंगी, जैसा कि यूरोप और अन्य स्थानों पर हुआ है। उन्होंने कहा, 'इसमें बड़े अवसर छिपे हैं और मुझे यकीन है कि बदलाव की यह प्रक्रिया बहुत तेज होगी। जहां तक भारतीय बैंकिंग और भुगतान प्रणाली की बात है तो फिनटेक आगे का रास्ता हैं।' बंधन बैंक के प्रबंध निदेशक चंद्रशेखर घोष ने कहा, 'धन की व्यवस्था को चलाने के लिए बैंक और फिनटेक साथ मिलकर काम करेंगे। फिनटेक के ऐसे फायदे हैं।

अटके हाउसिंग प्रोजेक्ट्स अब सरकारी स्कीम के जरिए होंगे पूरे

नई दिल्ली। अटके हुए हाउसिंग प्रोजेक्ट्स अब सरकारी स्कीम के जरिए पूरे किए जाएंगे ताकि लोगों को अपना आशियाना मिल सके। सूत्रों के अनुसार इन्वेस्टमेंट कमेटी ने इस निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। जिन अटके हुए हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को पूरा किया जाएगा, उसमें आम्रपाली और यूनिटेक के अटके हाउसिंग प्रोजेक्ट भी शामिल किए गए हैं। सरकारी स्कीम से इन हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए करीब 2500 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। सरकार ये पैसे स्पेशल विंडे फॉर कम्पीलिशन ऑफ कंस्ट्रक्शन ऑफ अफोर्डेबल एंड मिड इनकम हाउसिंग प्रोजेक्ट्स स्कीम के तहत देगी। सूत्रों के मुताबिक आम्रपाली के 8 अटके प्रोजेक्ट पर पहले चरण में 1050 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसी तरह यूनिटेक के 13 अटके प्रोजेक्ट को 1500 करोड़ रुपए मिलेंगे। सूत्रों के अनुसार इसके अलावा मुंबई, चेन्नई, एनसीआर और पुणे में अटके हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को पूरा किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार इसके अलावा मुंबई, चेन्नई, एनसीआर और पुणे में अटके हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को पूरा किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार इसके अलावा मुंबई, चेन्नई, एनसीआर और पुणे में अटके हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को पूरा किया जाएगा।

जियो का कमाल, चार साल में 40 गुना सस्ता डेटा, इस मामले में नंबर 1 पर पहुंचा भारत

बिजनेस डेस्क। देश के दूरसंचार क्षेत्र में चार साल पहले जब रिलायंस जियो ने कदम रखा तो किसी को उम्मीद नहीं थी कि यह कंपनी कुछ ही सालों में इस क्षेत्र में डेटा बदलाव और क्रांति की जनक बनेगी तथा इसके आगमन से डेटा की कीमतें 40 गुना तक कम हो जाएंगी। पांच सितंबर 2016 को दूरसंचार क्षेत्र में कदम रखने वाली मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने चार साल में ही क्षेत्र की तस्वीर बदलकर रख दी और इस अवधि में डेटा की कीमतें जहां करीब 40 गुना कम हुई वहीं देश मोबाइल डेटा खपत में मामले में 155वें स्थान से पहले नंबर पर पहुंच गया। जियो के 2016 में आने के समय उपभोक्ता को 1जीबी डेटा के लिए 185 से 200 रुपए तक खर्च करने पड़ते थे। वर्तमान में रिलायंस जियो के लोकप्रिय प्लान्स में ग्राहक को प्रति जीबी डेटा के लिए करीब पांच रुपए ही खर्च करने पड़ते हैं। डेटा खर्च किफायती होने का परिणाम है कि इसकी खपत में अप्रत्याशित बड़ा उछाल आया। जियो आने से पहले जहां डेटा खपत मात्र 0.24जीबी प्रति ग्राहक प्रति माह थी, वहीं आज यह कई गुना बढ़कर 10.4 जीबी हो गई है। कंपनी सूत्रों ने जियो के चार साल पूरा होने के मौके पर शुक्रवार को कहा कि कोरोना काल में किफायती डेटा वर्क फॉम होम के लिए संजीवनी साबित हुआ। डेटा वर्क फॉम होम के लिए संजीवनी साबित हुआ।

भारत का ऑटो सेक्टर इतिहास में कठिन दौर से गुजर रहा, सरकारी मदद की जरूरत: केनिची आयुकावा

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ केनिची आयुकावा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय ऑटो उद्योग इतिहास में सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है और उसे जीएसटी में कमी तथा प्रोत्साहन आधारित स्क्रैपेज नीति के रूप में सरकारी मदद की जरूरत है। आयुकावा, जो ऑटो उद्योग की संस्था सियाम के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी और पिछले वित्त वर्ष से जारी सुस्ती के चलते यह क्षेत्र कई साल पीछे चला गया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य संकट के सामने आने पर भारतीय ऑटो उद्योग ने वेंटिलेटर, निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के निर्माण में अपनी भूमिका निभाई और वायरस से लड़ने के लिए विदेशों से परीक्षण किट का आयात भी किया। आयुकावा ने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चर्स (सियाम) के 60वें वार्षिक सम्मेलन में कहा, 'हम कह सकते हैं कि अगस्त में हमने पिछले साल की तुलना में वापसी की है।

हालांकि, पिछले साल से तुलना करना सही नहीं होगा, क्योंकि उस दौरान उद्योग ने 15-25 प्रतिशत की नकारात्मक वृद्धि दर्ज की थी। इस नकारात्मक वृद्धि ने उद्योग को कई साल पीछे कर दिया है।' यह सम्मेलन ऑनलाइन आयोजित किया गया था। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी की ऑटो उद्योग की पुरानी मांग को दोहराते हुए आयुकावा ने कहा हम इतिहास में सबसे कठिन समय का सामना कर रहे हैं। उद्योग को आपकी (सरकार) मदद की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हम जीएसटी में कटौती और प्रोत्साहन योजना का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हमारा मानना है कि बढ़ते कारोबार पर मिलने वाला कर सरकार की स्क्रैपेज योजना और जीएसटी में कटौती से ज्यादा होगा।'

इस मौके पर उन्होंने भारी उद्योग मंत्री प्रकाश जावड़ेकर को धन्यवाद दिया, जिन्होंने सम्मेलन में यह भरोसा दिया कि वह जीएसटी कटौती के मुद्दे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के समक्ष उठाएंगे।

आईटीसी ने परिचालन कायकुशलता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण को किया तेज: संजीव पुरी

नयी दिल्ली। आईटीसी के अध्यक्ष संजीव पुरी ने कहा है कि कंपनी ने प्रतिस्पर्धी बढ़त और परिचालन कार्यकुशलता को बढ़ाने के लिए डिजिटल रूपांतरण तेज किया है। पुरी ने कहा कि मौजूदा महामारी के चलते डिजिटलीकरण की गति कई गुना बढ़ गई है, और कंपनी बढ़त कायम रखने के लिए नए जमाने की तकनीकों को अपना रही है। पुरी ने कंपनी की आम सभा में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए इंडस्ट्री 4.0, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा, इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और मशीन लर्निंग जैसी नई तकनीकों को सभी कारोबार में लागू किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आईटीसी ने एक डिजिटल इकोसिस्टम तैयार करने के लिए काफी निवेश किया है और डिजिटलीकरण के सकारात्मक नतीजे भी दिखने लगे हैं। पुरी ने कहा कि महामारी के कारण डिजिटलीकरण तेज हुआ है और ई-कॉमर्स, डिजिटल मनोरंजन, घर से काम, टेलीमेडिसिन, शिक्षा, कौशल विकास, ई-सेवाओं, सोशल मीडिया जैसे क्षेत्रों में जोरदार तेजी आई है। और मार्केटिंग में तेजी आई है। ई-कॉमर्स, डिजिटल मनोरंजन, घर से काम, टेलीमेडिसिन, शिक्षा, कौशल विकास, ई-सेवाओं, सोशल मीडिया जैसे क्षेत्रों में जोरदार तेजी आई है। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मौजूदगी की वजह से आईटीसी के एफएमसीजी उत्पादों की बिक्री और मार्केटिंग में तेजी आई है।

एप्पल ने आईफोन साफ्टवेयर में नए प्राइवेसी फीचर को लागू करने की योजना टाली

सैन रेमन।

एप्पल अपने आईफोन ऑपरेटिंग सिस्टम के अगले संस्करण में नए प्राइवेसी फीचर को लागू करने की योजना को टाल दिया है। इस फीचर के कारण ऐप बनाने वालों के लिए डिजिटल विज्ञापन बेचने के इरादे से लोगों की ऑनलाइन निगरानी करना अधिक कठिन हो जाएगा। यह निर्णय गुरुवार को लिया गया, जिससे आईओएस 14 प्रभावित होगा। अनुमान है कि इस महीने के अंत तक एक अरब आईफोन उपयोगकर्ताओं के लिए यह ऑपरेटिंग सिस्टम मुफ्त सॉफ्टवेयर अपग्रेड के रूप में उपलब्ध होगा। एप्पल का इरादा था कि आईओएस 14 अपने आप निगरानी को बंद कर देगा लेकिन कंपनी ने अब कहा है कि इस टूल को अगले साल की शुरुआत तक रोककर रखा जाएगा। ये सुरक्षा उपाए आईपैड और एप्पल टीवी के अगले ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए भी किए जाने थे। इस फीचर का इस्तेमाल करने पर ऐप को उपयोगकर्ता के आंकड़ों को जमा करने और साझा करने से पहले उसकी अनुमति लेनी जरूरी होगी। यह आशंका जताई गई थी कि ज्यादातर लोग निगरानी को बंद कर देंगे, जिससे मुफ्त ऐप्स के लिए अपने विज्ञापनों को बेचना मुश्किल हो जाएगा, जिनसे उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा आता है। गूगल के बाद डिजिटल विज्ञापन का सबसे बड़ा नेटवर्क चलाने वाले फेसबुक ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी थी ि जिससे मुफ्त ऐप्स के लिए अपने विज्ञापनों को बेचना मुश्किल हो जाएगा, जिनसे उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा आता है। गूगल के बाद डिजिटल विज्ञापन का सबसे बड़ा नेटवर्क चलाने वाले फेसबुक ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी थी कि आईओएस 14 में नई गोपनीयता सुविधा के चलते कई ऐप को बड़ा झटका लग सकता है, जो पहले ही कोरोना वायरस के कारण मंदी का सामना कर रहे हैं। एप्पल ने हालांकि कहा है कि वह अपने निगरानी-रोधी टूल को स्थगित कर रहा है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि वह ग्राहकों की गोपनीयता के मौलिक अधिकार को संरक्षित करने से पीछे हट रही है। कंपनी ने कहा कि वह डेवलपर्स को समय देना चाहती है, ताकि वे जरूरी बदलाव कर सकें।

'वोडाफोन आइडिया में वेरिजोन, अमेजन के निवेश का कोई प्रस्ताव नहीं'

नई दिल्ली। वोडाफोन आइडिया में वेरिजोन और अमेजन के निवेश करने की खबरों को कंपनी ने बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। कंपनी ने कहा उसके निदेशक मंडल के समक्ष वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। कुछ मीडिया रपटों में अमेजन और वेरिजोन के वोडाफोन आइडिया लिमिटेड में चार अरब डॉलर से अधिक के निवेश की संभावना जतायी गयी है। शेयर बाजार को दी जानकारी में कंपनी ने कहा कि वह बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सूचनाएं सार्वजनिक करने के नियम से बंधी हुई है। इसलिए निदेशक मंडल के इसलिए निदेशक मंडल के सामने विचार करने के लिए जितने प्रस्ताव होते हैं उन्हें सार्वजनिक किया जाता है।

पेटीएम की कमाई बढ़कर हुई 3629 करोड़ रुपए, घाटे में आई भारी गिरावट

नई दिल्ली।

डिजिटल वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने शुक्रवार को कहा कि 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान उसकी आय बढ़कर 3,629 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी ने बताया कि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर उसके घाटे में 40 प्रतिशत की कमी आई। पेटीएम ने एक बयान में कहा, ''हम अपने मर्चेंट पार्टनर्स के लिए डिजिटल सेवाओं के निर्माण में भारी निवेश कर रहे हैं। बयान में कहा गया है कि वित्तीय सेवाओं और बिक्री उपकरणों से लेनदेन में बड़ी वृद्धि दर्ज की गई और खर्च में कमी के कारण पिछले साल की तुलना में घाटा 40 फीसदी कम हुआ। पेटीएम के अध्यक्ष मधुर देवड़ा ने कहा कि कंपनी को 2022 तक मुनाफे में लाने का लक्ष्य है। लेनदेन में बड़ी वृद्धि दर्ज की गई और खर्च में कमी के कारण पिछले साल की तुलना में घाटा 40 फीसदी कम हुआ। पेटीएम के अध्यक्ष मधुर देवड़ा ने कहा कि कंपनी को 2022 तक मुनाफे में लाने का लक्ष्य है। कंपनी ने कहा कि उसने छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई), किराने की दुकानों आदि की मांग को देखते हुए एंड्रॉइड आधारित पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) उपकरणों की 2 लाख इकाइयां बेची हैं।

पेटीएम के अध्यक्ष मधुर देवड़ा ने कहा कि कंपनी को 2022 तक मुनाफे में लाने का लक्ष्य है। कंपनी ने कहा कि उसने छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई), किराने की दुकानों आदि की मांग को देखते हुए एंड्रॉइड आधारित पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) उपकरणों की 2 लाख इकाइयां बेची हैं।

डाबर नवोन्मेष पर काम जारी रखेगी, पेश करेगी और नए उत्पाद: बर्मन

नई दिल्ली।

डाबर इंडिया के चेयरमैन अमित बर्मन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी से लोगों के बीच मांग की प्राथमिकता बदली है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक उत्पादों के उपभोक्ता बढ़े हैं और उनकी कंपनी इस रुख के अनुरूप काम करने के लिए पहले से मजबूत स्थिति में है। वर्चुअल तरीके से कंपनी की 45वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए बर्मन ने कहा कि 136 साल पुरानी डाबर अपने नौ 'पावर ब्रांड' पर और ध्यान देगी। साथ ही नवोन्मेष पर आधारित यात्रा को जारी रखेगी ताकि इस महामारी के असर को कम से कम किया जा सके। कंपनी भविष्य के लिए और मजबूती से उभरकर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा डाबर ऑनलाइन बिक्री माध्यमों को लक्ष्य करके आगे बढ़ रही है। लॉकडाउन के बाद कंपनी इस क्षेत्र में मजबूत खिलाड़ी बनकर उभरी है।

आने वाले समय में कंपनी की योजना ई-वाणिज्य मंचों के लिए विशेष उत्पाद पेश करने की है। बर्मन ने कहा, 'यह डाबर के लिए एक बड़ा अवसर है। यह हमारे हर घर के स्वास्थ्य में हिस्सेदार बनने के लक्ष्य के अनुरूप है।' कंपनी ने हाल ही में 50 से अधिक नए उत्पाद पेश किए हैं और इनमें से अधिकतर लॉकडाउन के दौरान या उसके बाद बाजार में उतारे गए हैं। उन्होंने कहा, 'संकट के काल को कभी भी छोड़ना नहीं चाहिए। इस संकट ने ग्राहकों के खरीदारी व्यवहार को बदला है और अधिकतर ग्राहक ऑनलाइन खरीद की ओर मुड़े हैं। इस उभरते रुख को देखते हुए कंपनी ने सिर्फ ऑनलाइन बाजार के लिए विशेष उत्पादों की एक श्रृंखला पेश करना शुरू किया है।' डाबर ने हाल में 'डाबर एपल साइडर विनेगर' (सेब का सिरका) और डाबर बेबी केयर (शिशु देखभाल) श्रृंखला के उत्पाद पेश किए हैं। बर्मन ने कहा कि ऐसे और नए उत्पाद पेश किए जाते रहेंगे।

डाबर के नौ पावर ब्रांड उसका च्यवनप्राश, शहद, लाल तेल, पुदीन हरा, हनीटस, आंवला तेल, लाल पेस्ट, वाटिका और रीयल जूस हैं। लक्ष्य करके आगे बढ़ रही है। लॉकडाउन के बाद कंपनी इस क्षेत्र में मजबूत खिलाड़ी बनकर उभरी है और आने वाले समय में कंपनी की योजना ई-वाणिज्य मंचों के लिए विशेष उत्पाद पेश करने की है।

'पुराने कोयला बिजली घरों को बंद करने से 1.45 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी

नई दिल्ली।

कोयले से चलने वाले पुराने बिजली घरों और निर्माणधीन परियोजनाओं पर रोक लगाने से 1.45 लाख करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। यह बचत ऐसे समय होगी जब बिजली मांग कोविड-19 के कारण प्रभावित हुई है। शोध संगठन 'क्लाइमेट रिस्क होराइजन्स' की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह कहा गया है। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 के कारण बिजली मांग में कमी और राजस्व संग्रह में कठिनाइयों के कारण बिजली वितरण कंपनियों पर उत्पादक कंपनियों का बकाया बढ़कर 1,14,733 करोड़ रुपये पहुंच गया है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि पुराने कोयला संयंत्रों की जगह सस्ते नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग से वितरण कंपनियों के लिये आपूर्ति की लागत और राजस्व संग्रह के बीच अंतर कम होगा। रिपोर्ट के मुख्य लेखक आशीष फर्नांडीस ने कहा कोविड-19 ने बिजली मांग पर प्रतिकूल असर डाला है और अर्थव्यवस्था में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आयी है। लगातार पुरानी प्रौद्योगिकी में निवेश जारी रहना वित्तीय रूप से घातक हो सकता है। राज्य सरकारों और वितरण कंपनियों को मांग में कमी का लाभ उठाना चाहिए और बचत करनी चाहिए जो कोयला चालित पुराने बिजलीघरों को हटाने और उनकी जगह सस्ते नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों को लगाने से होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुराने कोयला संयंत्रों और निर्माण संयंत्रों पर रोक से 1,45,000 करोड़ रुपये की बचत होगी। इससे दूसरे कोयला संयंत्रों को भी वित्तीय रूप से लाभ होगा। इसमें 11 प्रमुख कोयला बिजली संयंत्रों वाले राज्यों पर गौर किया गया।

वितरण कंपनियों के बकाये में इनकी 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। रिपोर्ट में बचत और लागत को युक्तिसंगत बनाने के लिये संभावित क्षेत्रों की पहचान की गयी है। इसमें 20 साल से अधिक पुराने कोयला बिजलीघरों को बंद करना और कम दक्ष संयंत्रों की जगह नये आधुनिक संयंत्र लगाना शामिल हैं। इसमें कहा गया है।

36,500 मेगावाट क्षमता के पुराने कोयला बिजलीघरों को बंद करने से 18,000 करोड़ रुपये के पूंजी व्यय की जरूरत खत्म होगी। ये पूंजी खर्च उत्सर्जन मानकों को पूरा करने के लिये उसमें लगाये जाने वाले उपकरणों पर होने हैं। उत्सर्जन मानकों को पूरा करने की समय सीमा दिसंबर 2022 है। फर्नांडीस ने कहा, 'हमारा विश्लेषण बताता है कि यह ज्यादा अच्छा और लागत प्रभावी होगा कि पुराने संयंत्रों में एफजीडी (फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन) और एनओएक्स (निम्न नाइट्रोजन आक्सइड) के लिये पैसा खर्च करने के बजाए 2022 तक पुराने संयंत्रों को बंद कर दिया जाए।'

आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक अब बैंकिंग कंपनी नहीं, अधिनियम 1949 के तहत कार्रवाई

नई दिल्ली।

आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग नियमन अधिनियम के तहत बैंकिंग कंपनी का दर्जा समाप्त हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पिछले साल नवंबर में रिजर्व बैंक ने कहा था कि आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक के स्वैच्छिक तौर पर कारोबार समाप्त करने के आवेदन के बाद यह परिसमापन की दिशा में बढेगा। केंद्रीय बैंक ने एक अधिसूचना में कहा, 'बैंकिंग नियमन अधिनियम 1949 के तहत आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक अब बैंकिंग कंपनी के रूप में समाप्त हो गयी है। यह व्यवस्था 28 जुलाई 2020 से प्रभाव में आ गयी है।' पिछले साल जुलाई में वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने शेयर बाजार को आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक का परिचालन बंद करने की सूचना दी थी। इसकी वजह कंपनी के कारोबार का अनिश्चित परिस्थितियों का शिकार होना बतायी गयी जिसने उसके आर्थिक मॉडल को अव्यवहारिक बना दिया। आदित्य बिड़ला आइडिया पेमेंट्स बैंक को अप्रैल 2017 में रिजर्व बैंक से बैंकिंग कंपनी के तौर पर काम करने का लाइसेंस मिला था। इसने 22 फरवरी 2018 को अपना परिचालन शुरू किया था।आदित्य बिड़ला आइडिया

पेमेंट्स बैंक में ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 51 प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलपीएल में गॉल ग्लैडिएटर्स के लिए खेलेंगे शाहिद अफरीदी, सरफराज अहमद

कराची। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी और सरफराज अहमद आगामी लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में गॉल ग्लैडिएटर्स के लिये खेलेंगे जिसे पाकिस्तान सुपर लीग की फ्रेचाइजी क्वेटा ग्लैडिएटर्स के मालिक ने खरीदा था। क्वेटा ग्लैडिएटर्स के मालिक नदीम उमर ने बुधवार को यहां गॉल ग्लैडिएटर्स की जर्सी का अनवारण करते हुए यह घोषणा की। इस साल पाकिस्तान सुपर लीग में मुल्तान सुल्तांस के लिये खेलने वाले 40 साल के खिलाड़ी ने ट्वीट किया, 'गॉल ग्लैडिएटर्स का आइकन खिलाड़ी बनकर गर्व है। मैं नदीम उमर भाई का शुक्रिया करना चाहता हूं और साथ ही उन्हें पाकिस्तान से एलपीएल में टीम खरीदने वाली पहली फ्रेंचाइजी बनने के लिये बधाई देना चाहता हूं। लंका प्रीमियर लीग का आयोजन 14 नवंबर से छह दिसंबर तक किया जायेगा और श्रीलंकाई बोर्ड ने लीग के सारे अधिकार बेच दिए हैं जिसमें प्रसारण और मीडियअधिकार शामिल हैं। अफरीदी को टीम का 'आइकन खिलाड़ी चुना गया और पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ने उमर को ट्विटर पर शुक्रिया कहा।

हॉकी :

अंकल जुगराज की सलाह ने बदला हार्दिक सिंह का भाग्य

बेंगलुरू ।

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी हार्दिक सिंह 2017 में नीदरलैंड की पेशेवर लीग में खेलना चाहते थे लेकिन उनके अंकल जुगराज सिंह ने उन्हें भारतीय टीम में चयन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी जिससे इस युवा मिडफील्डर का भाग्य बदल गया। भारत के सबसे मशहूर ड्रैग फ्लिकर में एक जुगराज ने ऐसे समय में हार्दिक को प्रेरित किया जबकि वह अपने करियर को लेकर चिंतित थे। लेकिन अब उनका लक्ष्य बेहतर खिलाड़ी बनने और अगले साल तोक्यो ओलंपिक के लिये भारतीय टीम में जगह बनाना है। पंजाब में जालंधर के करीब स्थित खुसरोपुर गांव के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने कहा कि उनका 2017 में भारतीय टीम से खेलना का सपना लगभग टूट चुका था। हार्दिक ने कहा, 'मैंने 14 साल की उम्र में मोहाली हॉकी अकादमी में प्रवेश किया और इसके बाद तेजी से सब जूनियर से सीनियर स्तर पर पहुंचा। लेकिन कुछ वर्षों के बाद मैंने खुद को ऐसी स्थिति में पाया जहां भारतीय टीम का नियमित खिलाड़ी बनने को लेकर मेरा आत्मविश्वास डगमगा गया था। उन्होंने कहा, 'मैं 2017 में क्लब हॉकी खेलने के लिये नीदरलैंड जाने की सोच रहा था लेकिन तब मेरे अंकल जुगराज सिंह ने मुझे समझाया कि मुझे कड़ी मेहनत जारी रखनी चाहिए और मैं भारतीय टीम का नियमित सदस्य बनूंगा। हार्दिक ने हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'अच्छा हुआ जो मैं यहीं बना रहा और मैं भाग्यशाली हूं जो विश्व कप (2018) जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में खेला। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल्स में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभायी थी। जो विश्व कप (2018) जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में खेला। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल्स में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभायी थी। जो विश्व कप (2018) जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में खेला। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल्स में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभायी थी।

वह उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने पिछले साल एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में रूस को हराया था। अब तक भारत की तरफ से 37 मैच खेल चुके हार्दिक ने कहा, ' काफी महत्वपूर्ण है। मैं बेहतर खिलाड़ी बनने और ओलंपिक के लिये भारतीय टीम का नियमित सदस्य बनने के लिये प्रतिबद्ध हूं ओलंपिक से पहले का समय हमारे लिये काफी महत्वपूर्ण है। मैं बेहतर खिलाड़ी बनने और ओलंपिक के लिये भारतीय टीम का नियमित सदस्य बनने के लिये प्रतिबद्ध हूं।

आईपीएल 13 से हटने के बाद अब इस भूमिका में नजर आ सकते हैं हरभजन सिंह

स्पोर्ट्स डेस्क ।

चेन्नई सुपर किंग्स को आज उस समय एक और बड़ा झटका लगा जब टीम के अनुभवी स्पिनर हजभजन सिंह ने निजी कारणों से आईपीएल 2020 से पीछे हटने का फैसला ले लिया। इससे पहले सुरेश रैना भी निजी कारणों की वजह से आईपीएल से किनारा कर चुके हैं। हरभजन के आईपीएल छोड़ने के बाद अब स्टार इंडिया इस भारतीय गेंदबाज से कमेंट्री करवाने की सोच रहा है। स्टार इंडिया के अधिकारी ने कहा कि अगले सप्ताह तक उनको कमेंटेटरों के पैनल को फाइनल करना है गुरुवार को आने वाली पुष्टि के साथ कि हरभजन सीजन को छोड़ देंगे, ब्रॉडकास्टर उन्हें पैनर में लाने के लिए तैयार हैं। अधिकारी ने कहा, हमें कल पता चला कि हरभजन इस सीजन में नहीं खेलने वाले हैं और हम निश्चित रूप से आईपीएल सीजन के दौरान कमेंट्री डयूटी के लिए उनकी भूमिका के इच्छुक हैं। आखिरकार, उनके पास अनुभव है और उसने पहले भी कमेंट्री की है इसलिए यह उसके लिए नया नहीं होगा। उसने पहले भी कमेंट्री की है इसलिए यह उसके लिए नया नहीं होगा। हम अगले सप्ताह तक कमेंटेटरों की सूची तैयार देंगे और निश्चित रूप से उनसे संपर्क करेंगे।

सूत्रों के हवाले से एक समाचार एजेंसी ने कहा, यूएई में सीएसके टीम प्रबंधन को पहले ही लीग के इस संस्करण के लिए हरभजन की योजना के बारे में बताया गया था। हरभजन ने भी आईपीएल से हटने की आधिकारिक जानकारी दे दी है। गौर हो कि आईपीएल 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक खेला जाएगा।

मैं हमेशा से भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना चाहती थी - ग्रांड मास्टर हरिका द्रोणावल्ली

हैदराबाद । भारतीय शतरंज टीम के शतरंज ओलंपियाड जीतने मे महिला वर्ग मे पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन द्रोणावल्ली हारिका नें भी खास भूमिका निभाई थी । हरिका नें पूल चरण मे 3 जीत 3 ड्रॉ के साथ 7 मैच मे 4.5 अंक बनाए और टीम को पुल मे शीर्ष स्थान हासिल करने मे मदद की पर उसके बाद क्वाटर फाइनल मे अर्मेनिया के खिलाफ जीत तो सेमी फाइनल मे पोलैंड के खिलाफ जीत नें उन्होने टीम को फाइनल पहुँचने मे मदद की । फाइनल मे रूस के खिलाफ उन्होने अपने दोनों मुक़ाबले ड्रॉ खेले तो इस प्रकार पूरे टूर्नामेंट मे 12 मैच मे से 5 जीत 2 ड्रॉ और 1 हार से 8 अंक बनाए जिसे बेहतरीन प्रदर्शन कहा जाएगा मुझे बेहद खुशी हो रही है भारत के लिए पदक जीतकर और हमेशा से मैं टीम स्पर्धा मे पदक जीतना चाहती थी मेरा पहला टीम ओलंपियाड मैंने 2004 मे खेला था और तब से मैं पदक चाहती थी पर हम हमेशा 4 से 6 स्थान तक ही हासिल आकर सके थे तो यह बेहद खास उपलब्धि है और उम्मीद है की यह एक शुरुआत है । जूनियर खिलाड़ियो की टीम मे एकसाथ खेलने का अनुभव कैसा रहा ? पुरुष महिलाओं और जूनियर खिलाड़ियो की टीम मे एकसाथ खेलने का अनुभव कैसा रहा ? मुझे तो बहुत ही मजा आया ,खासतौर पर जूनियर खिलाड़ियों नें टीम मे एक नयी ऊर्जा का संचार किया तो अनुभवी खिलाड़ियों का अनुभव काम आया और एक बेहद खास अनुभव था की हम सब मिलकर देश के लिए खेल रहे थे वरना पुरुष ,महिला और जूनियर टीम अलग अलग खेलती है । हालांकि महिला पुरुष के सयुंक्त टीम मे हमने पहले भी टूर्नामेंट खेले है पर जूनियर के साथ यह पहला अनुभव था ।

आईपीएल शुरू होने से पहले काफी उत्साहित हैं 2 युवा खिलाड़ी, कहीं बड़ी बातें

दुबई।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से आईपीएल में पदार्पण करने जा रहे तुषार देशपांडे और ललित यादव को इस सत्र में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। दिल्ली ने आईपीएल के इस सत्र के लिए तुषार और ललित को 20-20 लाख रुपए में खरीदा है। तुषार के रुप में दिल्ली को एक गेंदबाज और ललित के रुप में बल्लेबाज मिला है। यह दोनों खिलाड़ी आईपीएल के लिए काफी उत्साहित हैं। आईपीएल के 13वें सत्र का आयोजन 19 सितंबर से 10 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होना है। तुषार ने कहा, 'यह मेरा पहला आईपीएल है, जाहिर है कि यह मेरे लिए खास है। इससे भी विशेष बात मेरे लिए यह है कि मैं गेंदबाजी करना पसंद करता हूं और आखिरकार अब मैं गेंदबाजी करुंगा। छह महीने बाद गेंदबाजी करना एक अलग तरह की चुनौती है। 25 वर्षीय गेंदबाज ने कहा, 'टीम में शामिल सभी गेंदबाज मेरे सीनियर हैं। आईपीएल में खेलने का अवसर मेरे लिए बेहद शानदार है क्योंकि पदार्पण करने के बाद मुझे सीनियर खिलाड़ियों से फीडबैक मिलेगा जो मेरे लिए मैच के दौरान रणनीति बनाने में मददगार साबित होगा। 23 वर्षीय ललित ने कहा, 'मैं दिल्ली के कुछ खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलने के कारण पहले से ही जानता हूं जिनमें इशांत शर्मा,

शिखर धवन और रिषभ पंत शामिल हैं और अब मुझे अन्य खिलाड़ियों को जानने का भी मौका मिलेगा। मेरे जैसे युवा खिलाड़ी के लिए आईपीएल बड़ा अवसर है और मुझे उम्मीद है कि मैं इसमें बेहतर प्रदर्शन करुंगा। उन्होंने कहा, ''दिल्ली की टीम ऐसी है जो युवा खिलाड़ियों को बढ़ावा देती है। हमारी टीम में इसके कई उदाहरण हैं।

हमारे कप्तान श्रेयस अय्यर, पृथ्वी शॉ और यह मेरे लिए सही अवसर है। मैं भी इनकी तरह बेहतर प्रदर्शन कर भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं।

संक्षिप्त समाचार

पीएसजी फुटबॉल क्लब के तीन और खिलाड़ी कोरोना वायरस से संक्रमित

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) फुटबॉल क्लब के तीन अन्य खिलाड़ियों का कोरोना वायरस के लिए किया गया परीक्षण पॉजिटिव आया है जिससे उसके कुल संक्रमित खिलाड़ियों की संख्या छह हो गई है। पीएसजी ने घोषणा की कि उसके तीन अन्य खिलाड़ियों को संक्रमित पाया गया है। लेकिन उसने इनके नाम का खुलासा नहीं किया और कहा कि वे स्वास्थ्य संबंधी नियमों का पालन कर रहे हैं। खेल दैनिक 'एल इक्विप ने हालांकि इन खिलाड़ियों के नाम डिफेंडर मार्क्विनहॉस, गोलकीपर केयलर नवास और स्ट्राइकर माउरो इकार्डी बताया है। इससे पहले जिन तीन अन्य खिलाड़ियों का परीक्षण पॉजीटिव आया था, रिपोर्टों के अनुसार वे स्ट्राइकर नेमार, विंगर एंजेल डि मारिया और मिडफील्डर लींड्रो पेरेडेस हैं।

बाबर आजम ने समरसेट से कहा, शराब की कंपनी का लोगो नहीं लगाऊंगा

कराची । पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान बाबर आजम ने इंग्लिश काउंटी समरसेट से कहा कि वह इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट प्रतियोगिता के दौरान अपनी शर्ट पर शराब कंपनी का लोगो नहीं लगाएंगे। बाबर पाकिस्तान का इंग्लैंड दौरा समाप्त होने के बाद समरसेट से जुड़े थे। उन्हें पिछले मैच में ऐसी शर्ट पहने हुए देखा गया जिसके पीछे शराब कंपनी का लोगो लगा था। इससे सोसल मीडिया पर कुछ लोगों ने उनकी आलोचना की लेकिन पाकिस्तानी कप्तान के करीबी सूत्रों ने पुष्टि की कि समरसेट के साथ उनके अनुबंध में उन्होंने स्पष्ट किया है वह किसी शराब कंपनी का लोगो लगाकर उसका प्रचार नहीं करेंगे। सूत्रों ने कहा, 'जाहिर है कि बाबर की शर्ट के पीछे लोगो गलती से लगा था और काउंटी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अगले मैच के लिये उसे हटा दिया जाएगा।

यूएस ओपन : सेरेना विलियम्स और डोमिनिक थिएम तीसरे दौर में, मरे बाहर

न्यूयॉर्क । 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता अमेरिका की सेरेना विलियम्स और दूसरी सीड ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम अपने-अपने मुकाबले जीत यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गए जबकि पूर्व ओलंपिक चैंपियन ब्रिटेन के एंडी मरे अपना मुकाबला हारकर इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में तीसरे नंबर के खिलाड़ी थिएम ने भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल को लगातार सेटों में 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। थिएम ने एक घंटा 59 मिनट तक मुकाबले में 30 विनर्स लगाए और 31 बेजां भूलें कीं जबकि नागल ने मैच में 12 विनर्स लगाए और 40 बेजां भूलें कीं। थिएम का तीसरे राउंड में क्रोएशिया के मारिन सिलिच से मुकाबला होगा। पुरुष वर्ग के एक अन्य मुकाबले में विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर मौजूद रुस के डेनिल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलिया के क्रिस्टोफर ओ कोनेल को दो घंटे 16 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-2, 6-4 से हराया। मेदवेदेव का तीसरे दौर में अमेरिका के जेजे वोल्फ से मुकाबला होगा। यूएस ओपन में दूसरे दौर के एक अन्य मुकाबले में पूर्व ओलंपिक चैंपियन मरे को कनाडा के फेलिक्स एउगर एलियासिमे के हाथों दो घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में 2-6, 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। तक चले मुकाबले में 6-2, 6-4, 7-6 से हराया और तीसरे दौर में जगह बनायी। रुबलेव का तीसरे दौर में इटली के सालवातोरे कारुसो से मुकाबला होगा। रुस के आंद्रे रुबलेव ने फ्रांस के ग्रेगोरे बारेरे को एक घंटा 52 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-4, 7-6 से हराया और तीसरे दौर में जगह बनायी। रुबलेव का तीसरे दौर में इटली के सालवातोरे कारुसो से मुकाबला होगा।

स्टेडियम में आईपीएल 2020 देखने वालों के लिए खुशखबरी, सौरव गांगुली ने दी बड़ी जानकारी

स्पोर्ट्स डेस्क ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इस बार यूएई में खेला जाएगा। ये टी20 टूर्नामेंट 19 सितम्बर से शुरू होगा और 10 नवम्बर को फाइनल मैच खेला जाएगा। कोरोना वायरस के कारण स्टेडियम में दर्शकों के आने की संभावना नहीं थी लेकिन सौरव गांगुली ने हाल ही में स्टेडियम में दर्शकों के आने को लेकर बड़ी जानकारी देते हुए कहा कि आईपीएल 2020 में सीमित संख्या में दर्शक आ सकते हैं। भीड़ इसे (आईपीएल) टेलीविजन पर देखेगी ... वे (ब्रॉडकास्टर) वास्तव में इस सीज़न में आईपीएल की उच्चतम रेटिंग की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि अगर लोग मैदान में नहीं आते हैं, तो वे वास्तव में अपने टेलीविजन सेट पर देखेंगे। सौरव गांगुली ने सिम्बायोसिस गोल्डन जुबली लेक्चर सीरीज के भाग के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान देते हुए कहा, कि हर चीज में सकारात्मकता है। उन्होंने कोविड-19 और संक्रमण के कारण, आप नहीं चाहते हैं कि लोग एक-दूसरे के बहुत करीब हों, लेकिन बहुत जल्द आप देखेंगे कि मैदान में 30 प्रतिशत लोग सामाजिक दूरी के साथ होंगे। उन्होंने कहा, यह वास्तव में जीवन को सामान्य स्थिति में लाने का एक प्रयास है। यह कोरोना वायरस का टीका आने तक अगले पांच-छह महीने तक चलेगा और मुझे यकीन है कि सब कुछ फिर सामान्य हो जाएगा। गौर हो कि आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने पूरी तरह तैयारी कर रखी है। चेन्नई सुपर किंग्स को छोड़ टीमों ने क्वारंटाइन समय पूरा करने के बाद अभ्यास शुरू कर दिया है। चेन्नई भी जल्द ही अभ्यास करती हुई दिखाई देगी। जहां तक शेड्यूल की बात है तो इसे शाम तक जारी किया जा सकता है। चेन्नई भी जल्द ही अभ्यास करती हुई दिखाई देगी। जहां तक शेड्यूल की बात है तो इसे शाम तक जारी किया जा सकता है।

डोमिनिक थिएम से हारकर सुमित नागल यूएस ओपन से हुए बाहर

न्यूयार्क। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल दूसरी वरीयता प्राप्त और विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम से गुरूवार को लगातार सेटों में 3-6, 3-6, 2-6 से हारकर वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। 23 वर्षीय नागल ने यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर देश का सात साल का इंतजार खत्म किया था लेकिन दूसरे दौर में वह थिएम से पार नहीं पा सके और एक घंटे 58 मिनट में मुकाबला हार गए। नागल के लिए इस मैच में एकमात्र उपलब्धि यही रही कि उन्होंने आर्थर एश स्टेडियम में पहले सेट के पांचवें गेम और दूसरे सेट के आठवें गेम में थिएम की सर्विस तोड़ी जबकि थिएम ने इस जीत से खुद को जन्मदिन का शानदार तोहफा दिया। यूएस ओपन के एकल मुख्य ड्रा में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय नागल का दुर्भाग्य रहा कि लगातार दूसरे वर्ष उन्हें शुरुआत में ही एक मजबूत खिलाड़ी की चुनौती का सामना करना पड़ गया। पिछले वर्ष नागल अपने सभी क्वालीफाइंग मैच जीतकर मुख्य ड्रा में पहुंचे थे जहां उनका सामना पहले ही राउंड में 20 ग्रैंड स्लेम खिताबों के विजेता स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर से हो गया था। जहां उनका सामना पहले ही राउंड में 20 ग्रैंड स्लेम खिताबों के विजेता स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर से हो गया था।

नहीं बता सकता, दर्शक कब स्टेडियम में लौटेंगे : रीजीजू

नयी दिल्ली। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि वह दर्शकों की स्टेडियमों में वापसी का सही समय नहीं बता सकते जबकि सरकार ने अपने अनलॉक चार के दिशानिर्देशों में खेलों के लिये 100 लोगों तक इकट्ठा होने की अनुमति दे दी है। पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल द्वारा डिजाइन किये गये एप 'एनजोगो' के वर्चुअल लांच पर बोलते हुए रीजीजू ने कहा कि कोविड-19 महामारी से बने हालात ने यह कहना मुश्किल कर दिया है कि दर्शकों की स्टेडियमों में वापसी कब होगी। भारत में अभी तक कोविड-19 संक्रमितों की संख्या 39 लाख से ऊपर चली गयी है। उन्होंने कहा, ''मैं इस पर (दर्शकों की स्टेडियमों में वापसी) फैसला नहीं कर पाऊंगा। मैं नहीं जानता कि अगले एक या दो महीनों में महामारी के हालात कैसे होंगे। '' गृह मंत्रालय ने 29 अगस्त को खेलों के लिये सीमित लोगों की संख्या को इकट्ठा होने की अनुमति दी जो 100 दर्शकों तक हो सकती है लेकिन यह 21 सितंबर से प्रभावी होगी। पहले 31 अगस्त तक इन पर पूरी तरह प्रतिबंध था। दिशानिर्देशों के अनुसार हालांकि ये सीमित दर्शक भी अनिवार्य नियमों के साथ ही मैदान में जा सकते हैं जिसमें चेहरे पर मास्क लगाना, सामाजिक दूरी का पालन करना, थर्मल स्कैनिंग और हाथ धोना या सैनिटाइज करना शामिल है। रीजीजू ने कहा कि स्टेडियम में दर्शकों को अनुमति देने पर फैसला स्थानीय अधिकारियों द्वारा ही लिया जायेगा जो गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप ही होगा। उन्होंने कहा, ''गृह मंत्रालय ने कहा है कि राज्यों को अपने संबंधित क्षेत्रों में मौजूदा हालात के अनुसार ही फैसला करना होगा। भारत इतना विशाल देश है कि एक ही राज्य में अलग अलग क्षेत्रों में परिस्थितियां अलग अलग हैं। '' उन्होंने कहा, ''इसलिये स्थानीय अधिकारी ही फैसला करेंगे लेकिन ऐसा केंद्र सरकार द्वारा बनाये गये प्रोटोकॉल के अनुसार होगा। हर किसी को प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। '' रीजीजू ने भी स्वीकार किया कि उन्हें भारत के 2028 ओलंपिक की पदक तालिका में भारत के शीर्ष 10 में पहुंचने का अनुमान लगाने के लिये कुछ वर्गों से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि कई लोग हैरान हो रहे हैं कि ऐसा कैसे होगा, काफी लोगों ने टिप्पणियां कीं, जो अच्छी नहीं थी। लेकिन यह लोकतांत्रिक देश है, लोगों के अपने विचार होंगे ।

नहीं बता सकता, दर्शक कब स्टेडियम में लौटेंगे : रीजीजू

नयी दिल्ली।

खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि वह दर्शकों की स्टेडियमों में वापसी का सही समय नहीं बता सकते जबकि सरकार ने अपने अनलॉक चार के दिशानिर्देशों में खेलों के लिये 100 लोगों तक इकट्ठा होने की अनुमति दे दी है। पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल द्वारा डिजाइन किये गये एप 'एनजोगो' के वर्चुअल लांच पर बोलते हुए रीजीजू ने कहा कि कोविड-19 महामारी से बने हालात ने यह कहना मुश्किल कर दिया है कि दर्शकों की स्टेडियमों में वापसी कब होगी। भारत में अभी तक कोविड-19 संक्रमितों की संख्या 39 लाख से ऊपर चली गयी है। उन्होंने कहा, ''मैं इस पर (दर्शकों की स्टेडियमों में वापसी) फैसला नहीं कर पाऊंगा। मैं नहीं जानता कि अगले एक या दो महीनों में महामारी के हालात कैसे होंगे। '' गृह मंत्रालय ने 29 अगस्त को खेलों के लिये सीमित लोगों की संख्या को इकट्ठा होने की अनुमति दी जो 100 दर्शकों तक हो सकती है लेकिन यह 21 सितंबर से प्रभावी होगी। पहले 31 अगस्त तक इन पर पूरी तरह प्रतिबंध था। दिशानिर्देशों के अनुसार हालांकि ये सीमित दर्शक भी अनिवार्य नियमों के साथ ही मैदान में जा सकते हैं जिसमें चेहरे पर मास्क लगाना, सामाजिक दूरी का पालन करना, थर्मल स्कैनिंग और हाथ धोना या सैनिटाइज करना शामिल है। रीजीजू ने कहा कि स्टेडियम में दर्शकों को अनुमति देने पर फैसला स्थानीय अधिकारियों द्वारा ही लिया जायेगा जो गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप ही होगा। उन्होंने कहा, ''गृह मंत्रालय ने कहा है कि राज्यों को अपने संबंधित क्षेत्रों में मौजूदा हालात के अनुसार ही फैसला करना होगा। भारत इतना विशाल देश है कि एक ही राज्य में अलग अलग क्षेत्रों में परिस्थितियां अलग अलग हैं। '' उन्होंने कहा, ''इसलिये स्थानीय अधिकारी ही फैसला करेंगे लेकिन ऐसा केंद्र सरकार द्वारा बनाये गये प्रोटोकॉल के अनुसार होगा। हर किसी को प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। ''' रीजीजू ने भी स्वीकार किया कि उन्हें भारत के 2028 ओलंपिक की पदक तालिका म रीजीजू ने भी स्वीकार किया कि उन्हें भारत के 2028 ओलंपिक की पदक तालिका में भारत के शीर्ष 10 में पहुंचने का अनुमान लगाने के लिये कुछ वर्गों से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि कई लोग हैरान हो रहे हैं कि ऐसा कैसे होगा, काफी लोगों ने टिप्पणियां कीं, जो अच्छी नहीं थी। लेकिन यह लोकतांत्रिक देश है, लोगों के अपने विचार होंगे ओर हमें नहीं लगता कि हमें इन टिप्पणियों का जवाब देना चाहिए। '' खेल मंत्री ने कहा, ''हमारा काम उस पर ध्यान देना है जो हम हासिल करना चाहते हैं। हमें लक्ष्य बनाने हैं, उन्हें काफी ऊंचा रखना है और ध्यान लगाना है कि हम क्या कर सकते हैं। मुझे लगता है कि 2028 में शीर्ष 10 में पहुंचने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। '

खेल मंत्री ने कहा, ''हमारा काम उस पर ध्यान देना है जो हम हासिल करना चाहते हैं। हमें लक्ष्य बनाने हैं, उन्हें काफी ऊंचा रखना है और ध्यान लगाना है कि हम क्या कर सकते हैं। मुझे लगता है कि 2028 में शीर्ष 10 में पहुंचने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। ''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उम्रकैद की सजा काट रहे सज्जन कुमार की जमानत याचिका खारिज, उच्चतम न्यायालय ने कहा- यह कोई छोटा-मोटा केस नहीं

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व कांग्रेसी नेता सज्जन कुमार की उस याचिका को शुक्रवार खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत दिये जाने का अनुरोध किया था। प्रधान न्यायधीश एस ए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, माफ कीजिए। हम इच्छुक नहीं हैं खारिज। कोर्ट ने कहा कि यह कोई छोटा-मोटा केस नहीं है। कुमार की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने दलील दी कि कुमार को स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत दी जानी चाहिए क्योंकि वह 20 महीनों से जेल में हैं और उनका वजन करीब 16 किलो कम हो गया है। उन्हें पहले से हुए ।

कई रोगों का भी इलाज कराने की जरूरत है। कुछ दंगा पीड़ितों की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एच एस फूलका ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि कुमार को जिस उपचार की जरूरत है वह अस्पताल में उन्हें दिया जा रहा है।

दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 17 दिसंबर 2018 को मामले में उन्हें और अन्य को दोषी ठहराया गया जिसके बाद से कुमार आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। उच्च न्यायालय ने एक-दो नवंबर 1984 को दक्षिणपश्चिम दिल्ली में पालम कालोनी के राज नगर पार्ट-1 इलाके में पांच सिखों की हत्या और राज नगर पार्ट-2 में एक गुरुद्वारा जलाने के मामले में निचली अदालत द्वारा 2013 में कुमार को बरी किये जाने के फैसले को पलट दिया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर 1984 को उनके दो सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या किये जाने के बाद दंगे भड़क गए थे।

रोजगार के मुद्दे पर राहुल गांधी ने मोदी को घेरा, कहा- देश के युवाओं की समस्या का समाधान करे सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बेरोजगारी की स्थिति और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) तथा कुछ अन्य परीक्षाओं के परिणाम में कथित विलंब को लेकर शुक्रवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार को युवाओं के रोजगार से जुड़ी इन समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, च्च् मोदी सरकार, रोजगार, बहाली, परीक्षा के परिणाम दो, देश के युवाओं की समस्या का समाधान दो। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 2017- एसएससी सीजीएल (संयुक्त स्नातक स्तर) की भर्तियों में अभी तक नियुक्ति नहीं हुई। 2018- सीजीएल परीक्षा का परिणाम तक नहीं आया।

2019- सीजीएल की परीक्षा ही नहीं हुई। 2020- एसएससी सीजीएल की भर्तियां निकाली ही नहीं। प्रियंका ने दावा किया, भर्ती निकले तो परीक्षा नहीं, परीक्षा हो तो परिणाम नहीं, परिणाम आ जाए तो नियुक्ति नहीं।

निजी क्षेत्र में छंटनी और सरकारी में भर्तियों पर ताला लगने से युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है लेकिन सरकार सच पर पर्दा डालने के लिए विज्ञापनों और भाषणों में झूठ परोस रही है।

दिल्ली दंगों पर आधारित किताब के लेखकों ने पुलिस को दी शिकायत

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों से जुड़ी विवादित किताब 'देल्ही रॉयट्स 2020- द अनटोल्ड स्टोरी' के लेखकों ने बृहस्पतिवार को एक प्रकाशन संस्थान, कुछ मीडिया हाउस तथा कुछ लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस को शिकायत दी। इन लेखकों ने अपनी शिकायत में धोखाधड़ी, शरारत, संपत्ति की हेराफेरी तथा धमकी देने का आरोप लगाया है। किताब की लेखक अधिवक्ता मोनिका अरोड़ा, प्रोफेसर सोनाली चितलकर तथा प्रेरणा मल्होत्रा ने पुलिस आयुक्त एस एन श्रीवास्तव से मिलकर शिकायत दी और जरूरी कार्रवाई करने की मांग की। इन लोगों ने प्रोफेसर नंदिनी सुंदर, दो न्यूज पोर्टल पर अवैध प्राप्ति तथा चोरी का सामान रखने तथा इतिहासकार विलियम डेलरिंपल तथा लेखक आतिश तासिर पर धमकी देने तथा मजहबी आधार पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया है। इस किताब के लेखक उस समय विवाद में फंस गए थे जब लोकार्पण के अवसर पर 22 अगस्त को भाजपा नेता कपिल मिश्रा को विशेष अतिथि के तौर पर बुलाया था। इसके बाद ब्लूम्सबरी प्रकाशन ने सोशल मीडिया पर आपत्तियों के बाद खुद को किताब से अलग कर लिया था कि किताब का वर्चुअल लाँच उनकी जानकारी के बिना किया गया था। इसके अगले दिन गुरुड़ा प्रकाशन किताब से जुड़ गया था। किताब का वर्चुअल लाँच उनकी जानकारी के बिना किया गया था। इसके अगले दिन गुरुड़ा प्रकाशन किताब से जुड़ गया था।

अस्पताल की दूसरी मंजिल से कूदा कोरोना मरीज, मौत

जबलपुर। जबलपुर के मेडिकल सुपर स्पेशलिटी वार्ड से कोरोना पॉजिटिव ने कूदकर जान दे दी। मरीज की मौत के बाद अस्पताल में हड़कंप मचा हुआ है। कोरोना संक्रमित मरीज को कुछ दिन पहले ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले भी दो कोरोना पॉजिटिव मरीजों ने मेडिकल अस्पताल से कूदने प्रयास कर चुके हैं। इसके बाद से ही अस्पताल प्रशासन पर लगातार सवाल उठ रहे थे। जानकारी के अनुसार, 64 वर्षीय प्रमोद सोनकर को कुछ दिन पहले ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसने शुक्रवार सुबह अस्पताल की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। जिससे मौके पर ही कोरोना पेशेंट की मौत हो गई। आपको बता दें कि इससे पहले भी दो कोरोना मरीजों ने अस्पताल की खिड़की से कूदकर भागने की कोशिश की थी। मेडिकल प्रबंधन की लगातार शिकायतें मिलने के बाद दो दिन पहले कांग्रेस के विधायक लखन घनघोरिया ने मेडिकल में अव्यवस्था को लेकर कलेक्टर ज्ञापन सौंपा था। मेडिकल प्रबंधन की लगातार शिकायतें मिलने के बाद दो दिन पहले कांग्रेस के विधायक लखन घनघोरिया ने मेडिकल में अव्यवस्था को लेकर कलेक्टर ज्ञापन सौंपा था। विधायक लखन घनघोरिया ने मेडिकल में अव्यवस्था को लेकर कलेक्टर ज्ञापन सौंपा था।

भारतीय जवानों का जोश हाई, एलएसी पर बने हालातों का डटकर करेगी सामना : सेना प्रमुख

नेशनल डेस्क। सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने शुक्रवार को कहा कि पर हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। सेना प्रमुख पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में सुरक्षा हालात की व्यापक समीक्षा के लिए दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि जवानों का मनोबल ऊंचा है और वो हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। मुकुंद नरवणे ने कहा कि कल लेह पहुंचने के बाद मैंने अलग-अलग जगहों पर ऑफिसर्स से बात की और स्थिति का जायजा लिया। मैं यकीनन कह सकता हूं कि हमारे जवान न केवल भारतीय सेना बल्कि देश का भी नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि ऋष्ट पर स्थिति अभी नाजुक, हमें पूरा यकीन है की जो समस्या खड़ी हुई है उसे बातचीत के ज़रिये हल किया जा सकता है। सेना प्रमुख ने कहा कि अभी जो पर स्थिति है वो नाजुक और गंभीर है लेकिन हम लगातार इसके बारे में सोच विचार कर रहे हैं। हमारी सुरक्षा के लिए हमने कुछ एहतियाती कदम उठाए हैं। मुझे उम्मीद है कि हमने जो तैनाती की है उससे हम अपनी सुरक्षा कायम रखेंगे। बता दें कि सेना प्रमुख ने यह दौरा पैंगोंग झील के दक्षिणी तटीय क्षेत्र के आसपास यथास्थिति को बदलने के चीन के नये सिरे से किये गये प्रयासों के कुछ दिन बाद किया है। सूत्रों ने बताया कि लद्दाख के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन जनरल नरवणे ने क्षेत्र में बनते हालात पर शीर्ष कमांडरों के साथ बैठकें कीं। उन्होंने किसी भी अप्रिय स्थिति बनने पर उससे निपटने के लिए भारत की संपूर्ण लड़ाकू तैयारियों का भी आकलन किया।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, सेना का एक अधिकारी घायल

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में शुक्रवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना का एक अधिकारी घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में पट्टन इलाके के येदिपोरा में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), जम्मू-कश्मीर के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने आज तड़के बारामूला के येदीपोरा, पट्टन में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। सुरक्षा बल लक्षित स्थान की ओर बढ़ रहे थे तो वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी, जिससे अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। सुरक्षा बलों ने भी उनकी गोलीबारी का मुंह तोड़ जवाब दिया। शुरुआती गोलीबारी में सेना का एक अधिकारी घायल हो गया, जिन्हे इलाज के लिए '92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी बताया कि मुठभेड़ जारी है और अतिरिक्त बल को भी मौके पर भेजा गया है। विस्तृत जानकारी का इंतजार है। इलाके में दो से तीन आतंकवादी मौजूद हैं। निकटवर्ती इलाकों में कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए ।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने सूफी संत की दरगाह पर मस्जिद बनाने में देरी की जांच का आदेश दिया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने चरार-ए-शरीफ में कश्मीरी सूफी संत नूरुद्दीन वली की दरगाह पर मस्जिद के निर्माण में देरी की जांच का आदेश बृहस्पतिवार को दिया। अधिकारिक प्रवक्ता ने कहा,÷उपराज्यपाल ने प्रसाद योजना के तहत चरार-ए-शरीफ में खानकाह (मस्जिद) के निर्माण और हजरतबल परिसर में विकास कार्यों में अनुचित देरी के कारणों का पता लगाने के लिए एक व्यापक जांच का आदेश दिया है। प्रवक्ता ने कहा कि सिन्हा बडगाम जिले के दौरे के वक्त चरार-ए-शरीफ गए और वहां उन्होंने घाटी में स्थायी शांति के लिए प्रार्थना की। अधिकारी ने कहा कि सिन्हा ने वहां स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की और परिसर का एक चक्कर लगाया।

उन्होंने अधिकारियों से श्रद्धालुओं को सर्वोत्तम संभव सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। उपराज्यपाल ने जन कल्याण के लिए 58.51 करोड़ रुपये की 12 विकास परियोजनाओं की घोषणा की और 27.47 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की ऑनलाइन शुरुआत की।

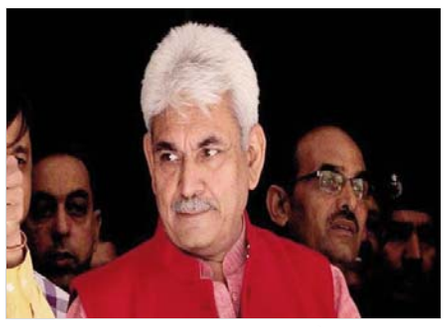

दिल्ली में कोरोना की फर्जी रिपोर्ट बनाता था डॉक्टर, दोस्त की गलती से ऐसे हुआ खुलासा

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली जिले की पुलिस ने कोविड-19 की फर्जी रिपोर्ट देने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक डॉक्टर और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। दक्षिणी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त अतुल ठाकुर ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार डॉक्टर की पहचान डॉ. कुश परासर और उसके सहयोगी अमित सिंह के रूप में की गयी है। मालवीय नगर इलाके में अपना क्लिनिक चलाने वाला डॉ. परासर जानी-मानी लेबोरेटरी की नकली तैयार रिपोर्ट करवा कर लोगों को देता था। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद डॉ. परासर ने बताया कि अब तक वह 75 से ज्यादा लोगों की रिपोर्ट तैयार कर चुका है। ठाकुर ने बताया कि इस मामले में हौज खास थाने में एक शिकायत मिलने के बाद जांच में पूरा मामला सामने आया। दक्षिणी दिल्ली में नर्स उपलब्ध करवाने का व्यवसाय करने वाले एक शख्स ने डॉ. परासर से संपर्क कर अपनी दो नर्स का कोविड टेस्ट करवाने के लिए कहा। दोनों नर्सों के सैम्पल लिए गये लेकिन उसे किसी लैब में भेजने की बजाय डॉक्टर परासर ने अपने सहयोगी अमित सिंह की मदद से कोरोना की नकली निगेटिव रिपोर्ट बनवाकर उस व्यक्ति को भेज दिया। अधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट पीडीएफ फॉर्मेट की शक्ल में जाने-माने लैब के नाम से होती थी तो कोई शक भी नहीं करता था लेकिन इस बार नर्स की रिपोर्ट कंप्यूटर पर तैयार करने वाले अमित से गलती हो गयी। उसने एक नर्स के नाम में गड़बड़ी कर दी। इसके बाद वो शख्स नाम ठीक करवाने के लिए खुद ही लैब में चला गया। वहां जाकर उसे पता चला कि इस नाम का कोई मरीज उनके यहां रजिस्टर नहीं है, ना ही उनका कोई टेस्ट यहां किया गया है। इसके बाद उस शख्स ने पुलिस में शिकायत कर दी। शिकायत मिलने पर जांच करके पुलिस ने डॉ. परासर और उसके सहयोगी अमित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में डॉ. परासर ने स्वीकार किया कि उसने सीएआर डाइग्नोस्टिक लैब, मॉडर्न डाइग्नोस्टिक एन्ड रिसर्च सेंटर, डॉ पी भसीन पैथलैब्स प्राइवेट लिमिटेड तथा प्रोग्नोसिस लेबोरेट्रीज के नाम से कोविड की फर्जी रिपोर्ट तैयार कर करीब 75 लोगों को दिए हैं। डॉक्टर कोविड जांच के लिए हर मरीज से 2400 रुपए लेता था।

सिंधिया बोले: ग्वालियर में कमलनाथ का स्वागत, हमारी सोच विकासवादी है, किसी को निपटाने की नहीं

ग्वालियर। राज्य सभा सासंद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक दिवसीय दौरे दौरान ग्वालियर में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कमलनाथ के ग्वालियर दौरे को लेकर कहा कि यदि वे आए तो उनका स्वागत किया जाएगा। सिंधिया ने कहा कि बीजेपी की सोच विकासवादी है और कांग्रेस का काम कटाक्ष करना है। जनता सब जानती है। आने वाले उपचुनावों में जनता सही निर्णय लेगी। वहीं मीडिया से कहा कि चौथे स्तंभ के रुप में हमेशा जनहित के लिए मुद्दे उठाने चाहिए जिससे उन्हें न्याय मिल सके। गुरुवार को मीडिया के सवालों के जबाव देते हुए सिंधिया ने कहा कि बीजेपी सरकार हमेशा विकास की बात करती है। यही कारण है कि जब से मध्य प्रदेश में बीजेपी की सरकार आई है, चाहे चंबल एक्सप्रेस के प्रोजेक्ट की बात हो या ग्वालियर में एलिवेटेड सड़क बनाने की इस तरह के तमाम बड़े प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं और आने वाले समय में इस तरह के तमाम बड़े प्रोजेक्टों पर भी काम चल रहा है जो कि जल्द स्वीकृत होकर धरातल पर नजर आएंगे। वहीं आने वाले दिनों में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के दौरे के सवाल पर कहा कि हम ग्वालियर के लोग हैं। अतिथि देवो भव परंपरा पर विश्वास करते हैं, यदि वह आएंगे तो हम उनका स्वागत करेंगे लेकिन आने वाले उपचुनाव में जनता सही निर्णय लेगी। आगामी उपचुनाव में हमारी विकासवादी सोच है हम किसी को निपटाने के लिए चुनाव में नहीं जा रहे हैं। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में लोक डाउन के दौरान घटिया चावल बांटे जाने के सवाल पर कहा कि आप चौथे स्तंभ है। हमें पूरी उम्मीद है कि जनहित के मुद्दे आप लोग उठाएंगे और दोषियों पर काम करना सरकार का काम है जीडीपी को लेकर केंद्र सरकार को फेल बताने के राहुल गांधी के बयान पर कहा कि एक तरफ विकासवादी सोच है ।

संक्षिप्त समाचार

कंगना की संजय राउत को चुनौती-9 सितंबर को आऊंगी मुंबई, किसी में हिम्मत है तो रोक ले

नेशनल डेस्क। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस को लेकर लगातार बयानबाजी हो रही है और इस मामले में अभिनेत्री कंगना रनौत लगातार डटी हुई हैं व बॉलीवुड के काले स्याह सच को उजागर कर रही हैं। वहीं कंगना और शिवसेना नेता संजय राउत के बीच भी चल रही जुबानी जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। कंगना रनौत ने एक बार फिर से राउत पर निशाना साधा। कंगना ने ट्वीट किया कि वो 9 सितंबर को मुंबई आ रही हैं। कंगना ने लिखा कि अगले हफ्ते 9 सितंबर को वो मुंबई आ रही है और एयरपोर्ट पर उतरने का समय भी बता देंगी, अगर किसी के बाप में हिम्मत है तो रोक ले। बता दें कि इससे पहले शिवसेना सांसद संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि अभिनेत्री कंगना रनौत को ''ट्विटर पर बयानबाजी करने के बजाय सबूतों के साथ पुलिस से संपर्क करना चाहिए और साबित करना चाहिए कि उन्होंने उन्हें (रनौत को) धमकी दी है। इससे पहले दिन में रनौत ने ट्विटर पर आरोप लगाया कि राज्यसभा सदस्य राउत ने उन्हें खुलेआम धमकी दी थी और उन्हें मुंबई वापस नहीं आने के लिए कहा था। राउत ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए अभिनेत्री का नाम लिए बिना कहा कि ''ट्विटर पर बयानबाजी करने के बजाए किसी को सबूत के साथ पुलिस और सरकार से संपर्क करना चाहिए रनौत ने ट्वीट करके कहा था, ''मुंबई पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर जैसी क्यों लग रही है। रनौत ने साथ ही गत एक सितंबर की एक खबर टैग की थी जिसमें राउत ने कथित तौर पर कहा था कि यदि वह शहर की पुलिस से डरती हैं तो उन्हें वापस मुंबई नहीं आना चाहिए। अभिनेत्री ने कहा था कि उन्हें ''फिल्म माफिया की बजाए डर मुंबई पुलिस से लगता है। उन्होंने कहा था कि 'बॉलीवुड में ड्रग माफिया का पर्दाफाश करने के लिए उन्हें हरियाणा या हिमाचल प्रदेश पुलिस से सुरक्षा की आवश्यकता होगी और वह मुंबई पुलिस से सुरक्षा स्वीकार नहीं करेंगी।

सांबा में सेना का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 10 जवान घायल

सांबा। रामगढ़ केपास सेना का एक वाहन पलटने से दस जवान घायलहो गये। घायलों को निकट के अस्पताल में भर्ती किया गया है। उपचारके बाद छह जवानों को अस्पताल से छुटटी दी गई जबकि बाकी के चार जवानों को सेना के अस्पताल में भर्ती कर दिया गया। जानकारी के अनुसार दुर्घटना गाड़ी पलटने से हुई क्योंकि बारिश के कारण सड़क पर फिसलन थी। गाड़ी में सवार दस जवान घायल हो गये। उन्हें जल्दी से निकट के अस्पताल ले जाया गया। छह जवानों को मामूली चोटें थी और उन्हें उपचार के बार रलीज कर दिया गया पर बाकी के चार जवानों को जम्मू में सेना के अस्पताल में रेफर कर दिया गया। रेफर किये गये जवानों में सुरजीत रैना, मनवार हुसैन, सूबेदार दीपक रैना और कांस्टेबल सुरेन्द्र शर्मा हैं।

हिट लिस्ट तैयार करने वालों की पहचान के लिए जांच शुरू: जम्मू-कश्मीर पुलिस

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही राजनीतिक कार्यकर्ताओं और सुरक्षा बलों की हिट लिस्ट को तैयार करने वालों की पहचान करने के लिए छानबीन शुरू कर दी गई है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस बाबत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और पूर्ण आपराधिक जांच शुरू की गई है जिसमें तकनीकी टीमों की मदद ली जा रही है। उन्होंने कहा कि उन लोगों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है जिन्होंने विषयवस्तु तैयार की है। साथ में उनका भी पता लगाया जा रहा है जो आतंकवादी नेटवर्क की संचार प्रणालियों को बनाए रखने के लिए अपने कनेक्शन और खातों के इस्तेमाल की अनुमति दे रहे हैं। प्रवक्ता ने बताया कि सीमा पार बैठे आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे आतंकवादी नेताओं ने अपने सक्रिय समर्थकों के साथ मिलकर साजिश रची और नागरिकों, कार्यकर्ताओं, राजनीतिक कार्यकर्ताओं तथा सुरक्षा कर्मियों की हिट लिस्ट तैयार की जिसमें उनके नाम तथा विवरण हैं।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में दो तस्कर गिरफ्तार, 1.8 किग्रा भांग बरामद

जम्मू । जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में बृहस्पतिवार को पुलिस ने दो कथित तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1.8 किलोग्राम भांग बरामद की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कटरा में बलनी चौकी के पास पुलिस दल ने एक मोटरसाइकिल को रोका और दोनों आरोपियों के पास से भांग बरामद की। पुलिस ने बताया कि एक आरोपी की पहचान सज्जाद अहमद के रूप में की गई जबकि दूसरा आरोपी नाबालिग बताया जा रहा है। नाबालिग को रियासी जिले में किशोर हिरासत केंद्र में भेजा गया है। दोनों के खिलाफ कटरा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

साम्बा: 48 घंटे में कोरोना से हुई लगातार 2 मौतें, जिले में संक्रमितों की संख्या 750

साम्बा। साम्बा जिले में आज कोरोना संक्रमण से चौथी मौत हुई। रामगढ़ के वार्ड-2 की रहने वाली एक 75 वर्षीय वृद्धा ने गत देर रात दम तोड़ दिया। यह वृद्धा गत 28 अगस्त को कोरोना पाजिटिव पाई गई थी। बाद में कांटेक्ट ट्रेसिंग के दौरान इसका दामाद-बेटी पाजिटिव पाए गए थे और उसके घर के पांच अन्य लोग भी पाजिटिव पाए गए थे जिसके चलते रामगढ़ के वार्ड-2 को प्रशासन ने हाट स्पॉट घोषित कर दिया था। संक्रमित पाई गई यह वृद्धा सतवारी-जम्मू के सैन्य अस्पताल के आईसोलेशन वार्ड में भर्ती थी, जहां बीती रात इसने दम तोड़ दिया। बीते 48 घंटों में साम्बा जिले में कोरोना से होने वाली यह दूसरी मौत है। इससे पहले 1 सितंबर को बीरपुर के रहने वाले एक व्यक्ति (60) ने जम्मू के गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया था। महिला का वीरवार दोपहर बाद पुरमंडल के मंडल इलाके में कोविड-19 के तमाम दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए दाहसंस्कार कर दिया गया। वहीं वीरवार को बड़ी-ब्राहमणा में कोरोना के 7 मामले सामने आए। बड़ी-ब्राहमणा के वार्ड-4 में एक ही परिवार के चार सदस्य कोरोना पॉजिटिव पाए गए। जानकारी के अनुसार वार्ड-4 का रहने वाला एक व्यक्ति जिसने जम्मू में अपना कोरोना का टेस्ट करवाया था और पॉजिटिव आने के बाद उसको घर में ही क्वारंटाइन किया गया था। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कांटेक्ट ट्रेसिंग में उसके घर वालों के कोरोना के टेस्ट किए गए जिसमें उसके भाई और भाभी और उनका एक बच्चा भी पॉजिटिव पाया गया। एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा घर को सील कर दिया गया है और इन सबको घर में ही क्वारंटाइन किया गया है। वहीं दूसरी ओर बड़ी-ब्राह्मणा के वार्ड-10 में भी 1 व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाया गया। लुधियाना में मेडिकल चेकअप के लिए गया यह व्यक्ति वापस आया तो इसका सैंपल लिया गया ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरबो की संपत्ति का खुलासा होने के बाद इमरान खान के करीबी जनरल असीम बाजवा ने दिया इस्तीफा

नेशनल डेरूक।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान धीरे धीरे अकेले पड़ते जा रहे हैं। अब उनके करीबी चीन-पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर के चेयरमैन जनरल असीम सलीम बाजवा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बाजवा और उनके परिवार के बड़े आर्थिक खेल का खुलासा होने के बाद ही उन्होंने यह कदम उठाया। बाजवा ने ऐलान किया कि वे पीएम इमरान खान के विशेष सलाहकार के पद से इस्तीफा दे रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वो चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोरके चेयरमैन के तौर पर काम करते रहेंगे। दरअसल बाजवा पाकिस्तानी सेना के प्रवक्सता थे और बाद में रिटायर होने पर चीन से करीबी को देखते हुए सीपीईसी के चेयरमैन बना दिए गए। उन पर चीन के साथ मिलकर बेहिसाब संपत्ति बनाने का आरोप हैं। पाकिान की वेबसाइट फैक्सट फोकस की रिपोर्ट के मुताबिक बाजवा के परिवार ने उनके सेना में रहने के दौरान और उसके बाद अब तक 99 कंपनियां और 133 रेस्टोरेंट बना लिए हैं। उनका का यह आर्थिक साम्राज्सय 4 देशों में फैला हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैसे-जैसे सेना में असीम बाजवा का कद बढ़ता गया, उनके परिवार का बिजनस बढ़ता गया। हालांकि बाजवा ने पहले इस भ्रष्सटाचार का खुलासा करने वाले पाकिस्तानी पत्रकार को धमकाने की कोशिश की थी लेकिन अंततः चौतरफा दबाव के बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक बाजवा जब इमरान के सलाहकार बने थे तब अपने शपथपत्र में उन्होंने कोई संपत्ति न होने का दावा किया था। शपथपत्र में दावा किया था कि न तो उनकी और न ही उनकी पत्नी या परिवार के किसी सदस्य की पाकिस्तान के बाहर कोई संपत्ति है। सेना में आने से पहले बाजवा एक पिज्जा कंपनी में डिलिवरी ब्यॉय का काम करते थे और देखते ही देखते उनके भाइयों ने और परिवार के दूसरे सदस्यों ने पापा जॉन पिज्जा कंपनी की चेन खड़ी कर ली।

चीन स्पष्ट तौर पर अपने पड़ोसियों को परेशान करने में लगा हुआ हैः पोम्पिओ

वाशिंगटन।

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने भारत-चीन सीमा पर स्थिति के शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद जताते हुए बुधवार को कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना ताइवान स्ट्रेट से लेकर हिमालय तक स्पष्ट तौर पर अपने पड़ोसियों को परेशान करने में लगी हुई है। विदेश विभाग के मुख्यालय में पोम्पिओ ने पत्रकारों से कहा कि उसकी यह प्रवृत्ति दक्षिण चीन सागर में भी जाहिर है। उन्होंने कहा, हम भारत-चीन सीमा पर हालात के शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।'' अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि ताइवान स्ट्रेट से लेकर हिमालय और अन्य जगहों पर, सीपीसी साफ तौर पर अपने पड़ोसियों को परेशान करने में लगी हुई है। पोम्पिओ ने कहा, सीपीसी के साम्राज्यवाद के लिए जिम्मेदार तथा हमारे सहयोगी फिलीपीन तथा अन्य देशों के आर्थिक क्षेत्रों में अवैध ऊर्जा निगरानी जैसे कामों में लगे, चीनी व्यक्तियों और संस्थानों पर अमेरिका ने पिछले हफ्ते प्रतिबंध और वीजा पाबंदियां लगायी हैं। पोम्पिओ अगले हफ्ते आसियान और हिंद-प्रशांत देशों के विदेश मंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठकें करने वाले हैं।

अपने दोस्त चीन को धोखा दे रहा पाकिस्तान, ताइवान के साथ की सीक्रेट डील

इंटरनेशनल डेस्क।

छोटा सा देश ताइवान इस समय चीन के लिए सिरदर्द बना हुआ है। उसने चीनी गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। चीन के इस पड़ोसी देश की मदद कर रहा है उसी का दोस्त पाकिस्तान। खबरों की मानें तो पाकिस्तान ने हाल ही में ताइवान के साथ सीक्रेट ट्रेड डील की है। यह डील चीन के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है। काहिरा में मौजूद पाकिस्तान एम्बेसी के एक अफसर ने इसकी जानकारी दी है। दरअसल काहिरा में पाकिस्तान एम्बेसी है जहां इन्वेस्ट अटैची (डिप्लोमैट या अफसर) के तौर पर सिद्र हक तैनात हैं। हाल ही में सिद्र और ताइवान के ट्रेड डायरेक्टर माइकल ने एक कार्यक्रम में एक दूसरे से मुलाकात की। दौरान इसमें पाकिस्तान और ताइवान के कारोबारी रिश्ते मजबूत बनाने पर फोकस किया गया। ताइवान के ट्रेड रिश्ते मजबूत बनाने पर फोकस किया गया। ताइवान के ट्रेड डायरेक्टर ने भी ट्विटर पर इस मुलाकात की तस्वीर भी शेयर की लेकिन कुछ ही देर में इसे हटा दिया गया। वायरल हो रहे ट्वीट में लिखा था कि मैंने ताइवान के सीनियर कमर्शियल ट्रेड ऑफिसर माइकल येह से मुलाकात की। ट्रेड सेक्टर के दूसरे लोगों से मिलना हमेशा अच्छा महसूस कराता है।

पाक अदालत ने जाधव के लिए वकील करने की खातिर भारत को एक और मौका देने को कहा

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को संघीय सरकार को निर्देश दिया कि कुलभूषण जाधव का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकील नियुक्त करने की खातिर वह भारत को एक और मौका दे। इसके साथ ही अदालत ने मामले में सुनवाई एक महीने के लिए स्थगित कर दी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने जाधव के लिए एक पाकिस्तानी सैन्य अदालत द्वारा सुनायी गयी मौत की सजा की समीक्षा की सुनवाई के दौरान वकील की नियुक्ति के मुद्दे पर गौर किया। भारतीय सेना के 50 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी जाधव को अप्रैल 2017 में जासूसी और आतंकवाद के आरोप में एक पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी अटॉर्नी जनरल खालिद जावेद खान ने अदालत से कहा कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के आदेशों का पालन करने के लिए पाकिस्तान ने भारत को 'कौंसुलर' पहुंच प्रदान किया। हालांकि उसने जाधव के लिए वकील नियुक्त करने के पाकिस्तान के प्रस्ताव पर जवाब नहीं दिया है। सुनवाई के बाद जारी संक्षिप्त आदेश के अनुसार, खान ने अदालत को बताया कि जाधव को आईसीजे के फैसले के बारे में बता दिया गया था। इसके अलावा विएना संधि के तहत कौंसुलर पहुंच संबंधी अपने अधिकार और बचाव के लिए वकील की नियुक्ति को लेकर उच्च न्यायालय के आदेश से भी जाधव को अवगत कराया गया था। अटॉर्नी जनरल ने अदालत से कहा कि उन्हें पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों ने सूचित किया है कि जाधव ने अपने पहले के रुख को दोहराया है और 2020 के अध्यादेश के तहत अपने अधिकार को लागू करने के बदले क्षमादान के उपाय की दिशा में आगे बढ़ाने को प्राथमिकता दी है । खान ने अदालत को बताया कि भारत को तीन अगस्त की अदालत की कार्यवाही की विधिवत जानकारी दी गई थी लेकिन उसकी प्रतिक्रिया का इंतजार किया ।

संक्षिप्त समाचार

बदलेगा कनाडा का इतिहास, पहली बार अंतरिक्ष की जिम्मेदारी संभालेगी एक महिला

इंटरनेशनल डेस्क। कनाडा की अंतरिक्ष एजेंसी के 31 वर्ष के इतिहास में पहली बार एक महिला इसकी कमान संभालेंगी। सरकार की तरफ से विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि लंबे समय तक लोकसेवा में कार्यरत रहीं लीजा कैम्पबेल एजेंसी की अध्यक्ष होंगी। लीजा 2015 से एजेंसी के प्रमुख रहे सिल्वेन लापोंटे का स्थान लेंगी। एक विज्ञप्ति में नवोन्मेष, विज्ञान एवं उद्योग के संघीय मंत्री नवदीप बैंस के हवाले से यह जानकारी दी गई। कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी की स्थापना मार्च 1989 में हुई थी। बता दें कि पहली महिला ने 1963 में अंतरिक्ष में उड़ान भरी थी, जो कि अंतरिक्ष यान की खोज में बहुत शुरआती थी, लेकिन दूसरी उड़ान भरने में लगभग बीस साल लग गए। 1980 के दशक में महिला अंतरिक्ष यात्री आम हो गईं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के शीर्ष सलाहकार ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद इस्तीफा दिया

इस्लामाबाद। सूचना एवं प्रसारण मामलों पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के विशेष सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) आसिम सलीम बाजवा ने खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद शुकर्वार को पद से इस्तीफा दे दिया। पाकिस्तानी सेना के पूर्व प्रवक्ता बाजवा सेना की दक्षिणी कमान के कमांडर भी रहे चुके हैं। वह हालांकि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) प्राधिकरण के अध्यक्ष के तौर पर काम करते रहेंगे। दरअसल एक वेबसाइट पर प्रकाशित खबर में आरोप लगाया गया था कि बाजवा ने अपने पद का इस्तेमाल कर अपनी पत्नी, बेटों और भाइयों को कारोबारी फायदा पहुंचाया है। इन आरोपों के बाद बाजवा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 498 नए मामले सामने आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 498 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 2,97,512 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने कहा कि बीते 24 घंटे में कोविड-19 के सात रोगियों की मौत के साथ ही मृतकों की कुल संख्या 6,335 हो गई है।मंत्रालय ने एक बयान में कहा, कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की कुल संख्या 2,97,512 है। इनमें से 6,335 लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय ने कहा कि अब तक 2,82,268 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि सिंध राज्य में सबसे अधिक 130041 मामले सामने आए हैं जबकि पंजाब में 97,044 और खैबर पख्तूनख्वा में34414, इस्लामाबाद में 15714, गिलगित बाल्तिस्तान में 2948 और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 2306 मामले सामने आए हैं।

ट्रम्प ने बाइडेन के मास्क पहनने के तरीके का उड़ाया मजाक

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डेमोक्रेटिक पार्टी के अपने प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन के मास्क पहनने के तरीके का मजाक उड़ाया। ट्रम्प ने जो बाइडेन के बारे में कहा, '' क्या आपने कभी ऐसा इंसान देखा है जिसे मास्क अपने जितना ही पसंद हो?'' उन्होंने कहा, '' उन्होंने उसे लटकने दिया (कान पर), क्योंकि वह उन्हें सुरक्षित महसूस करा रहा था। मैं अगर मनोचिकित्सक होता तो यकीनन कहता, 'इस व्यक्ति को कोई बड़ी परेशानी है'।'' ट्रम्प ने साथ ही पेनसिल्वेनिया में लोगों को 'लेबर डे हॉलिडे' सप्ताहांत के मद्देनजर मुंह ढकने के महत्व के बारे में भी बताया। अमेरिका में तीन नवम्बर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प और बाइडेन एक-दूसरे को चुनौती दे रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में 20 लाख हिंदुओं की होगी महत्वपूर्ण भूमिका : सांसद कृष्णामूर्ति

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में कई राज्यों के करीब 20 लाख हिंदुओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। साथ ही उन्होंने अपने समुदाय के साथी सदस्यों से कहा कि अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना उनका धर्म है। 'हिंदू अमेरिकन फॉर बाइडेन' अभियान की आधिकारिक शुरुआत के दौरान कृष्णामूर्ति ने ऑनलाइन एक कार्यक्रम में समुदाय के सदस्यों से तीन नवम्बर को डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन और उनकी 'रनिंग मेट' (उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार) भारतीय अमेरिकी कमला हैरिस को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि हिंदू मूल्य 'वसुधैव कुटुम्बकम' की वजह से जो बाइडेन का चुना जाना बेहद महत्वपूर्ण है ।

नूरानी की रिपोर्ट ने पाकिस्तान की खराब प्रतिष्ठा को किया और बदतर

नेशनल डेस्क। पाकिस्तान की भ्रष्टाचार के कारण पहले से चली आ रही खराब प्रतिष्ठा को अहमद नूरानी की एक खोजी रिपोर्ट के प्रकाशन ने और भी बदतर कर दिया। रिपोर्ट से पता चला कि लेफ्टिनेंट जनरल (आर) असीम सलीम बाजवा और उसके परिवार ने भ्रष्सट तरीके से अरबों की संपत्ति एकत्रित की है अहमद नूरानी की रिपोर्ट के मुताबिक भ्रष्सटाचार के मामलों में केवल जनरल बाजवा ही शामिल नहीं हैं, बल्कि इसमें उनके भाई, पत्नी और दो बेटे भी शामिल हैं। पाकिस्सतानी सेना और चीन-पाकिस्सतान इकनॉमिक कॉरिडोर के अध्सयक्ष पद पर रहते हुए जनरल बाजवा पर अरबों रुपये की दौलत बनाने का आरोप लगा है। जनरल बाजवा पर चार देशों में 99 कंपनियां और 133 पापा जॉन पिज्सजा के रेस्सत्रां बनाने का आरोप है। ये भी खुलासा हुआ है कि पिज़्ज़ा डिलीवरी बॉय रहा उनका भाई अब कई कंम्पनियों का मालिक रह चुका है। इतना ही नहीं अमेरिका में भी कई करोड़ डॉलर की संपत्ति खरीदने के गंभीर आरोप लगाए जा रहे है। रिपोर्ट के मुताबिक बाजवा की पत्नी के पास मौजूद संपत्ति की कीमत पांच करोड़ डॉलर से अधिक है। इसके मुताबिक उनकी पत्नी शुरुआत से ही उनकी कंपनियों में एक शेयरहोल्डर के रूप में रही हैं।

सीपीसी के नेतृत्व में चीन व्यापक बदलावों का गवाह बना : शी

बीजिंग।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी का पुरजोर बचाव करते हुए कहा कि उसके नेतृत्व में देश व्यापक बदलावों का गवाह बना। उनका यह बयान तेज होती आलोचनाओं खासकर अमेरिका के द्वारा उसे अधिनायकवादी विचारधारा का अनुसरण करने वाली बताये जाने के बीच आया है। 'जापानी आक्रामकता के खिलाफ प्रतिरोध युद्ध' की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर बृहस्पतिवार को शी ने कहा कि चीनी लोग किसी व्यक्ति या ताकत द्वारा उन्हें सीपीसी से अलग करने के प्रयास को मंजूर नहीं करेंगे। आधिकारिक मीडिया ने यहां उनको उद्धृत करते हुए कहा, सीपीसी के इतिहास को विकृत करने या उसकी प्रकृति और उद्देश्यों को कलंकित करने, चीनी विशेषताओं के साथ समाजवाद की राह को विकृत करने या बदलने अथवा समाजवाद के निर्माण में चीनी लोगों की महान उपलब्धियों को खारिज करने या उन्हें तिरस्कृत करने के किसी भी प्रयास का चीनी लोगों द्वारा पुरजोर विरोध किया जाएगा। सरकारी मीडिया ने कहा कि जापानी आक्रामकता के प्रतिरोध में किये गए युद्ध में जीत के बाद से देश के आमूलचूल बदलाव का गवाह बनने का जिक्र करते हुए शी ने कहा कि चीनी राष्ट्र का कायाकल्प एक उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत कर रहा है क्योंकि चीन गरीबी उन्मूलन के अपने लक्ष्यों को लगभग पूरा करने के साथ ही हर लिहाज से एक समृद्ध समाज का निर्माण कर रहा है। सीपीसी का नेतृत्व करने वाले सबसे शक्तिशाली नेता के तौर पर देखे जाने वाले शी ने अमेरिका पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि चीन पर धमकाने वाली रणनीति के तहत अपनी इच्छा थोपने पर देखे जाने वाले शी ने अमेरिका पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि चीन पर धमकाने वाली रणनीति के तहत अपनी इच्छा थोपने और देश के विकास की राह को बदलने की कोशिश करने वाले किसी व्यक्ति या किसी ताकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अपनी आर्थिक और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं के लिए चीन को अमेरिका के बढ़ते राजनीतिक व आर्थिक दबाव के साथ ही भारत के साथ लगने वाली अपनी सीमा पर तनाव का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही यूरोपीय और दक्षिणपूर्वी एशियाई देश भी उसकी नीतियों को लेकर उसपर दबाव बना रहे हैं।

दुनिया भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 2.62 करोड़ के पार, 8.67 लाख लोगों की मौत

वाशिंगटन।

विश्व में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2.62 करोड़ के पार हो गयी है और इस महामारी की चपेट में आने से अब तक 8.67 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 26,219,459 लोग संक्रमित हुए हैं और 8,67,593 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 61 लाख को पार कर 6149289 पर पहुंच गयी है और अब तक 186,786 लोगों की जान जा चुकी है। विश्व में कोरोना से प्रभावित देशों में दूसरे नंबर पर चल रहे ब्राजील में अब तक 4041638 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 124,638 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक संक्रमितों का आंकड़ा 38,53,406 हो गया वहीं इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 67,376 हो गयी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 10 लाख को पार कर 1006923 पहुंच गई हैं तथा 17,479 लोगों ने जान गंवाई है। पेरू में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है जिसके कारण कोरोना से सक्रमित होने के मामले में वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 657,129 लोग संक्रमित हुए हैं और 29,068 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 से संक्रमित मामलों में कोलम्बिया ने दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ दिया है और अब छठवें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 641,574 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 20,618 है। वहीं दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमितों की संख्या 633,015 पर पहुंच गई है तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 29,068 हो गयी हैं। मेक्सिको में भी कोरोना संक्रमण से हालात खराब है। यहां संक्रमितों की संख्या 616,894 हो गई तथा 66,329 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन नए मामलों में वृद्धि के बाद अब नौवें स्थान पर है यहां अब तक करीब 488,513 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 29,234 लोगों की मृत्यु हुई है। कोविड-19 से संक्रमित मामलों में अर्जेंटीना ने चिली को पीछे छोड़ दिया है और अब 10वें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 451,198 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 9,361 है। चिली में कोरोना से 416,501 लोग संक्रमित हो चुके है तथा 11,422 लोगों की मौत हुई है। ईरान में अब तक इस महामारी से करीब 380,786 लोग संक्रमित है जबकि 21,926 लोगों की मौत हो चुकी है।

ब्रिटेन में संक्रमितों की संख्या 342,686 हो गई है और 41,615 लोगों की इसके कारण मौत हुई है। फ्रांस में इस महामारी से अबतक 338,220 लोग संक्रमित हैं जबकि 30,712 लोगों की मौत हो चुकी है।

सत्ता में आए तो तिब्बत में मानवाधिकार उल्लंघन करनेवाले चीनी अफसरों पर पाबंदी लगाएंगेः बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन ने तिब्बत पर नियंत्रण बढ़ाने की चीन की योजना की निंदा करते हुए कहा कि अगर वह सत्ता में आते हैं तो उनका प्रशासन तिब्बत में मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार चीनी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाएगा। बाइडेन ने कहा, '' मेरा प्रशासन तिब्बत में मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिये जिम्मेदार चीनी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाएगा और रेडियो फ्री एशिया और वॉइस ऑफ अमेरिका रेडियो सेवाओं में तिब्बत भाषा सेवा को भी शामिल करेगा ताकि दुनिया की जानकारी तिब्बत के लोगों तक पहुंच सके। इसके साथ ही तिब्बत के लोगों के समर्थन में कई अन्य कदम भी उठाए जाएंगे।'' बाइडेन ने कहा कि वह राष्ट्रपति बनने पर दलाई लामा से मुलाकात करेंगे और तिब्बत मामलों के लिए एक नया विशेष समन्वयक नियुक्त करेंगे और इस बात पर जोर देंगे कि चीन की सरकार अमेरिकी राजनयिकों और पत्रकारों समेत अमेरिकी नागरिकों की तिब्बत तक पहुंच को बहाल करे। इस सप्ताहांत चीनी सरकार ने तिब्बत पर नियंत्रण को विस्तार देने की अपनी योजनाओं की घोषणा की थी, जिसके तहत तिब्बत के लोगों के साथ मानवाधिकार का उल्लंघन और उनकी धार्मिक स्वंतत्रता व गरिमा का हनन जारी रह सकता है। इसको संज्ञान में लेते हुए बाइडेन ने कहा कि तिब्बत में जातीय अल्पसंख्यकों की विशिष्ट संस्कृति, भाषा और मान्यताओं को कुचलने की यह बीजिंग की हालिया कोशिश है। बाइडेन ने कहा, ''(राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप ने जहां तिब्बत के लोगों के प्रति मुंह फेर लिया, वहीं बाइडेन-हैरिस प्रशासन उनके लिए खड़ा होगा।''

मशहूर पाक शायर फ़हमीदा रियाज की बेटी ने मां को मिलने वाले राष्ट्रपति अवॉर्ड लेने से किया इंकार

इंटरनेशनल डेस्क।

भारत को पाकिस्तान न बनने की हिदायत देने वाली मशहूर पाकिस्तानी शायर फ़हमीदा रियाज की बेटी वीरता अली उजन ने अपनी मां को मिलने वाले पाकिस्तानी राष्ट्रपति अवॉर्ड को लेने से मना कर दिया है। शायर फ़हमीदा की बेटी वीरता ने बुधवार को फेसबुक में इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर यह कहते हुए अवॉर्ड लेने के न्यौते को खारिज कर दिया था कि यह न्याय और समानता के लिए मेरी मां रियाज के संघर्ष का अपमान होगा। वीरता अली उजन ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि हमें मां के अवार्ड लेने के लिए समारोह में शामिल होने का न्यौता मिला है लेकिन मैं इस समय उनके किए हुए काम को लेकर अवार्ड कैसे ले सकती हूं। उन्होंने लिखा कि अवार्ड लेने का मतलब होगा कि कोम के लिए उनके न्याय और समानता के लिए उन्होंने जो संघर्ष किए उनका अपमान करना। अपने बयान में इमरान खान सरकार की आलोचना करते हुए, उजन ने कहा कि ऐसे समय में पुरस्कार स्वीकार करना उचित नहीं होगा, जब लेखकों और पत्रकारों का अपहरण, अत्याचार, यहां तक कि हत्या की जा रही हो। उत्पीड़कों को सम्मानित किया जा रहा है। कराची को सीवेज में सड़ने के लिए छोड़ दिया गया है। रियाज का जन्म 28 जुलाई, 1946 को यूपी के मेरठ में हुआ था। साहित्य में रुचि और उदारवादी सोच रखने के कारण रियाज को अपने ही देश में कई विरोधों का सामना करना पड़ा। एक समय तो उनकी लेखनी और राजनीतिक विचारों के कारण उन पर 10 से ज्यादा केस चलाए गए। यही वो समय था जब पंजाब की मशहूर लेखिका अमृता प्रीतम तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से कह कर उनके रहने की व्यवस्था भारत में करवाई थीं। इस दौरान फ़हमीदा करीब सात सालों तक भारत में रहीं. दिल्ली के जामिया विश्वविद्यालय में रहकर हिंदी पढ़ना सीखा और फिर जब अपने देश पाकिस्तान वापस लौटीं तो बेनजीर भुट्टो की सरकार में सांस्कृतिक मंत्रालय से जुड़ गईं. बाद में साल 2009 में वह उर्दू डिक्शनरी बोर्ड ऑफ कराची की एडिटर बनाई गईं। नवंबर साल 2018 में फ़हमीदा इस दुनिया से रुखस्त हुई थीं।

उप्र के पूर्व खनन मंत्री गायत्री प्रजापति को हाईकोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

लखनऊ (एजेंसी)। दुष्कर्म के मामले में जेल में बंद पूर्व खनन मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को शुक्रवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने अंतरिम जमानत दे दी।किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज में भर्ती गायत्री प्रसाद प्रजापति ने कोरोना संक्रमण का हवाला देकर जमानत की याचिका लगाई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के जस्टिस वेद प्रकाश वैश्य ने जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए 2 महीने की अंतरिम बेल मंजूर की है। प्रजापति को कोर्ट ने पांच लाख रुपया के पर्सनल बांड तथा दो जमानतदारों की शर्त के साथ जमानत दी है। कोर्ट ने सुनवाई के बाद दो महीने की अंतरिम जमानत की मंजूरी दी है। कोर्ट की शर्त है कि वह अंतरिम जमानत के दौरान देश छोड़कर बाहर नहीं जाएंगे।

कोर्ट से गायत्री के वकील एस.के. सिंह ने अस्पातल की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि इसमें साफ लिखा है कि केजीएमूय में मरीजों को कोरोना का खतरा अधिक है।

इस पर कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सरकारी वकील को पूरी स्थिति साफ करने का आदेश दे दिया।

गायत्री प्रजापति की पहली जमानत अर्जी खारिज हो चुकी थी। इसके बाद भी उन्होंने अर्जी देकर कहा कि वह गंभीर रोग से पीड़ित हैं।

लिहाजा इलाज कराने के लिए जमानत दी जाए। कोर्ट के ही आदेश पर प्रजापति का केजीएमयू में इलाज हो रहा है।

अब इस बार प्रजापति ने दलील दी है कि केजीएमयू के जिस विभाग में वह भर्ती है वहां उसे कोरोनावायरस से संक्रमण का खतरा है, क्योंकि यह वार्ड कोरोना वार्ड के नजदीक है।

शहीद बीएसएफ जवान का शव पहुंचा गांव, अंतिम संस्कार में नम हुई आंखें

कन्नौज(एजेंसी)। कन्नौज जिले के भग्गीपुरवा गांव निवासी बीएसएफ जवान वीरपाल सिंह देश की सीमा की सुरक्षा करते हुए शहीद हो गए। शहीद जवान का शव उनके पैतृक गांव पहुंचा। जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

बताया जा रहा है कि शहीद वीरपाल सिंह जम्मू–कश्मीर के सुंदरी वन में तैनात थे। सीमा पर घुसपैठ रोकने के लिए वह अपने साथियों के साथ पाकिस्तान बॉर्डर पर पेट्रोलिंग कर रहे थे, तभी ऊंची पहाड़ी से उनका पैर फिसल गया और वह 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरे।

सीएम ने किया परिवार को 50 लाख मुआवजा और हर संभव मदद का ऐलान

गंभीर हालत में शहीद जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां जवान ने दम तोड़ दिया।

शहीद वीरपाल सिंह की शहादत की खबर गांव में आते ही चारों तरफ गम का माहौल हो गया। परिजन रो–रो कर बेहाल हैं। शहीद के परिजनों ने बताया कि वह जनवरी में गांव में आये थे और बेटी की शादी कर वापस काम पर जम्मू–कश्मीर लौट गए थे। वीरपाल 1995 में बीएसएफ में भर्ती हुए थे, उनकी पहली पोस्टिंग अहमदाबाद हुई थी। वह काफी समय से जम्मू–कश्मीर में तैनात थे। वहीं, जवान की शहादत पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोकाकुल परिवार को अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की और साथ ही हर संभव मदद करने का ऐलान किया है।

कुन्डा तहसील क्षेत्र के कनावां गांव निवासी व भारतीय सेना के जवान रविशंकर सिंह जी का जोशीमठ (बद्रीनाथ धाम) में तैनाती के दौरान आकस्मिक निधन होने की सूचना अत्यंत ही दुःखदाई है। ईश्वर उनकी पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व उनके शोक–संतप्त परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने का संबल प्रदान करें।

पुलिस ने गांजा और भांग के 6 तस्करों को पकड़ा

ग्रेटर नोएडा (एजेसी)। ग्रेटर नोएडा की बीटा–2 कोतवाली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ड्रग सप्लाई करने वाले 6 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ग्रेटर नोएडा में स्टूडेंट्स को ड्रग्स सप्लाई करते थे। ये हॉस्टल और पीजी में रहने वाले छात्र–छात्राओं को नशे की खेप पहुंचाते थे। पकड़े गए लोगों के पास से 42 किलो डोडा, 172 किलो गांजा, 176 किलो भांग और 10.5 किलो चरस बरामद हुआ है। जिसकी कीमत तीन करोड़ 36 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इनके पास से अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। इस बाबत डीसीपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि 2 सितंबर को बीटा–2 थाने की पुलिस ने सूचना के आधार पर बुलंदशहर निवासी काफिल पुत्र साबिर और नईम पुत्र अजीज खां को गिरफ्तार कर उनके पास से 3 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल और पीजी में गांजा सप्लाई की बात स्वीकार की। यह भी बताया कि वे बुलंदशहर जिले के अनूपशहर से मादक पदार्थ लाकर यहां सप्लाई करते हैं। डीसीपी ने बतया कि पकड़े गए ड्रग्स सप्लायर की पहचान बुलंदशहर के कुचेजा गांव निवासी काफिल व नईम, हरदोई निवासी राधा किशन पांडे, बुलंदशहर के नया गांव निवासी मूलचंद उर्फ मुला, देवीपुरा निवासी शिवम शर्मा, आवास विकास कॉलोनी निवासी तरण चौधरी के तौर पर की गई है। डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों का जाल दिल्ली और एनसीआर के शहरों के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात आदि राज्यों में भी फैला हुआ है।

पत्नी ही निकली अपने पति की कातिल.......

पुलिस ने पत्नी के साथ प्रेमी सहित दो को गिरफ्तार कर किया अंधे हत्या कांड का खुलासा

ललितपुर(एजेंसी) पति पत्नी का रिश्ता श्रद्धा प्यार और विश्वास पर टिका रहता है । दौनों ही एक दूसरे के पूरक होते है और अटूट विश्वास की डोर में बंधे होते है। लेकिन जब कोई पत्नी अपने ही पति से विश्वासघात कर उसकी हत्या कर दे तो इसे क्या कहा जाय। ऐसी ही एक घटना का जब पुलिस ने कातिल पत्नी को गिरफ्तार किया तो सबकी आंखें फ़टी की फटी रह गई। लोग सोचने पर मजबूर हो गए कि ष्क्या ऐसा भी होता हैष......

मामला थाना बानपुर क्षेत्र अंतर्गत खिरिया छतारा का है।जहां जब पति अबैध सम्बन्धों में रोड़ा बना तो पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रच डाली और हत्या कर शव को नहर किनारे झाड़ियों में फेंक दिया। जिसका पटाक्षेप पुलिस ने किया तो सबकी आंखें फ़टी की फटी रह गई कि जिस पति की मौत पर पत्नी मातम मना रही थी

पत्नी ने अपने प्रेमी संग मिलकर की थी अपने पति की हत्या
हत्या के बाद शव फेंक दिया था गांव के नाले में

विलाप कर रही थी वही पत्नी उसकी कातिल निकली। फिलहाल पुलिस ने हत्याकांड के महज 19 दिन में ही पत्नी और उसके प्रेमी के साथ एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा करते हुए दोनों को जेल भेज दिया। हालांकि इस हत्याकांड में एक

आरोपी मोहन फरार बताया गया था जिसे पुलिस ने उसकी भी गिरफ्तारी कर ली है।

गौरतलब है कि गत 15 अगस्त को नहर के पास झाड़ियों में एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा गला नग्न शव मिला था। जिसकी गहनता से छानबीन करने पर पता चला कि ग्राम जिजयावन निवासी अवतार यादव का है। जो विगत 11 अगस्त को मथुरा जाने के के लिए घर से निकला तो था परंतु घर नहीं लौटा। पुलिस ने शव के पास मिली चादर को दिखाने पर परिजनो ने पहचान करते हुए शिनाख्त कर ली थी।

जिसके बाद पुलिस अंधे हत्याकांड का खुलाशा करने में जुट गई थी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की गई कई पहलुओं पर गौर किया और पत्नी की निजी जिंदगी भी खंगाली।

तब पुलिस को पता चला कि ग्राम मिर्चवारा निवासी कल्याण का अवतार यादव की पत्नी के साथ अवैध संबंध थे। पुलिस ने दौनों को गिरफ्तार कर दोनों आरोपित से पूछताछ की तो अंधे हत्याकांड का खुलासा हुआ। पुलिस की पूंछतांछ में पता चला कि अबैध सम्बंध के चलते पति अवतार सिंह की पत्नी अंजना यादव से हमेशा अनबन होती रहती थी। यह बात पत्नी को नागवार गुजरी और उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की शाजिस रच डाली। गत 11 अगस्त की रात्रि में पत्नी ने अपने प्रेमी और प्रेमी के एक साथी ने पति अवतार सिंह की उसके ही घर मे विजली के तार से हाथ पैर बांध कर उसका गला घोंट कर हत्या कर दी। जिसके बाद आरोपियों ने अपराध छुपाने के मकसद से मृतक का शव गांव से दूर नहर के पास झाड़ियों में फैंक दिया था।

लखीमपुर खीरी में लापता बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या

लखीमपुर खीरी (एजेसी)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में लड़कियों के खिलाफ अपराध बढ़ता ही जा रहा है। ताजा वाकया मठिया गांव में एक तीन साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी के बाद हत्या का है। गन्ने के खेत में गुरुवार को बच्ची का शव बुरी हालत में मिला। उसकी बेरहमी से हत्या की गई है। पुलिस ने कहा कि उसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान हैं। गांव का एक स्थानीय निवासी लेखराम गौतम गांव से गायब है और बच्ची के परिवार को संदेह है कि 'गौतम ने अपनी पत्नी की मौत का बदला लेने के लिए मासूम की हत्या कर दी'। छह साल पहले बच्ची के चाचा ने उसकी पत्नी की हत्या कर दी थी। लखीमपुर खीरी के एसएसपी सतेंद्र कुमार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया जहां शव मिला था।

उन्होंने कहा कि लड़की का यौन उत्पीड़न नहीं किया गया क्योंकि उसके निजी अंगों पर कोई चोट नहीं थी, और हत्या दोनों परिवारों के बीच दुश्मनी का नतीजा लग रही है। बच्ची दो बच्चों में सबसे बड़ी थी और बुधवार दोपहर से लापता थी, जिसके बाद उसके परिवार के सदस्यों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं लगा सके। एसएचओ प्रदीप कुमार ने कहा कि ष्मालूम पड़ता है कि लड़की को गांव के एक घर में बंद कर रखा गया था और आरोपी ने आधी रात के बाद उसकी हत्या कर दी।ष एसएचओ ने कहा, ष्परिवार ने लेखराम सहित दो व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। हमने आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमों को तैनात किया है। लड़की के चाचा ने छह साल पहले विवाहेतर संबंध को लेकर लेखराम की पत्नी रिम्पा की हत्या कर दी थी। वह हाल ही में जमानत पर छूटा था। लेखराम ने पत्नी की मौत का बदला लेने की धमकी दी थी।

उन्होंने कहा कि शव परीक्षण डॉक्टरों के एक पैनल द्वारा किया जाएगा और रिपोर्ट से उसकी मौत का कारण पता चल सकेगा और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकेगी।

अब यूपी की किसी भी सरकारी प्रोजेक्ट के टेंडर में भाग नहीं ले पाएंगी चीन की कंपनियां

लखनऊ (एजेसी)। चीन समेत कुछ पड़ोसी देशों की कंपनियां अब यूपी में किसी सरकारी परियोजना के टेंडर में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। प्रदेश सरकार ने सभी विभागों से इस पर प्रतिबंध लगाने को कहा है। प्रदेश सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। इसमें सरकारी खरीद में कुछ निश्चित देशों के बिडर्स या कंपनियों के शामिल होने पर रोक के संबंध में सभी विभागों से आवश्यक कार्यवाही करने को कहा गया है।

इस संबंध में सभी विभागों को एक पत्र भेजा गया है। इसमें पीपीपी वाली परियोजनाएं, राज्य द्वारा संचालित परियोजनाएं, सार्वजनिक उपक्रमों व निगमों व स्थानीय निकायों की परियोजनाएं व इसमें सरकारी खरीद शामिल हैं। असल में भारत से लगने भौगोलिक सीमा वाले देशों में चीन, म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान, भूटान, श्रीलंका व नेपाल आदि हैं। वैसे तो आदेश में किसी देश का

चीन से तनाव के बीच योगी सरकार ने दिया तगड़ा झटका

नाम नहीं लिया गया है, लेकिन मौजूदा हालात व सीमा पर तनाव को देखते हुए माना जा रहा है कि इस समय चीन की कंपनियां इससे ज्यादा प्रभावित होंगी। चीनी एप सरकार ने पहले से प्रतिबंधित किए हैं।

नई रोक केंद्र सरकार ने यूपी सरकार को आदेश जारी कर तय व्यवस्था को लागू करने को कहा है। अब प्रदेश सरकार एक सक्षम प्राधिकरण बनाएगी। इस प्राधिकरण के तहत संबंधित देशों की कंपनियों को यहां रजिस्ट्रेशन कराना होगा। पहले इन कंपनियों को रक्षा मंत्रालय व विदेश मंत्रालय से राजनीतिक सहमति व गृह मंत्रालय से सुरक्षा संबंधी अनुमति लेनी होगी। इसके बाद रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू होगी।

प्राधिकरण इस बात का विवरण रहेगा कितनी कंपनियों के आवेदन आए,

कितनों के निरस्त किए गए और कितने आवेदन मंजूर किए गए। इससे संबंधिति पूरी रिपोर्ट प्रदेश सरकार हर तीसरे महीने केंद्र सरकार के कैबिनेट सेकेट्री को भेजेगी।

केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा व देश की रक्षा के लिए इस तरह के कदम उठाए गए हैं।

शर्माती नहीं अलीगढ़ पुलिस! बीच सड़क पर खड़ी होती अवैध वसूली की खातिर

अलीगढ़ (एजेसी)। खराब कानून व्यवस्था सुधार के लिए प्रदेश मुखिया योगी आदित्यनाथ भले ही पुलिस महकमे को कसने के प्रयास कर रहे हो, लेकिन जनपद की पुलिस अपराध नियंत्रण छोड़ उगाही में जुटी है। हमारे संवाददाता ने कैमरे में यह हकीकत कैद। पुलिस कर्मी हाइवे पर दिनदहाड़े वाहनों से अवैध वसूली करते मिले। वही, उन्होंने प्राइवेट लोग भी वसूली को लगा रखे हैं।

केस नंबर 1 –

आसना पुलिस चौकी पर बैठा सिपाही इगलास की और से आ रहे पशुओं से लदे ट्रक को देखता है और डेढ़ सौ रुपये प्रति दिन को रखे गए युवक से गाड़ी रुकवाता है। उक्त युवक ट्रक से पांच सौ

मथुरा बाईपास पर पशुओं से लदे ट्रक से अवैध वसूली करते पुलिसकर्मी

रुपये वसूलता है और जब जाने देता है।

सीन नं 2 –

मडराक थाना से आगे पैट्रोल पम्प के पास खड़े पुलिस कर्मी पशुओं से लदी कैंटर को रोकते हैं और चालक सड़क पारकर जैसे ही पुलिस कर्मियों को पैसा देता है पर इसी बीच संवाददाता को देखने के बाद मुंह फेरने का प्रयास कर चालक को दुत्कारने लगते हैं।

सीन नं 3

सीडीएफ पुलिस चौकी के पास ढाबे पर पशुओं से लदे ट्रक को जीप सवार पुलिस कर्मी ने उगाही के लिए रोक रखा था। वहीं, दूध उत्पादों के सामान से भरे वाहन को भी वसूली के लिए रोका गया था।

सीन नं 4 –

थाना लोधा की नाक के सामने सड़क पर खुलेआम पषुओं को कटान के लिये जाते वाहनों से अवैध वसूली की जा रही है।

गंगा–यमुना खतरे के निशान की तरफ, श्राद्ध पर्व पर आस्था प्रभावित

प्रयागराज (एजेसी)। आस्था और पुष्य की संगम नगरी प्रयागराज में गंगा और यमुना दोनों ही नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है और दोनों नदियां तेजी से खतरे के निशान की तरफ बढ़ती जा रही हैं। बाढ़ का पानी अभी आबादी में नहीं घुसा है, लेकिन इसने लोगों की आस्था को जरूर प्रभावित किया है। प्रयागराज में संगम जाने वाले सभी रास्ते करीब आधा किलोमीटर तक डूब गए हैं। तीनों बड़े आरती स्थल बाढ़ के पानी में समा गए हैं तो संगम के आस पास के सभी पक्के घाट भी गंगा और यमुना के बढे हुए पानी की चपेट में आ गए हैं।

संगम जाने वाले जिन रास्तों पर 2–3 दिन पहले 2 और 4 पहिया वाहन तेजी से फर्राटा भरते थे, वहां आज नावें चल रही हैं। संगम के रास्ते पर पड़ने वाली अस्थाई दुकानों और सफाई कर्मियों की झोपड़ियां भी पानी में लगातार डूबती जा रही हैं।

देश के कोने कोने से आने वाले श्रद्धालु पिछले कई दिनों से संगम तक नहीं जा पा रहे हैं और उन्हें सड़क पर गंगा मइया का आचमन करने के बाद मायूस होकर वापस लौटना पड़ रहा है। संगम क्षेत्र में अब सिर्फ प्रतीकात्मक आरती ही हो रही है। लेटे हुए हनुमान जी के मंदिर के बाहर के पार्क तक पानी आ गया है। अगर दोनों नदियां इसी तरह रोजाना करीब 20 सेंटीमीटर की रफ़्तार से बढ़ती रही हैं तो इस मंदिर का गर्भगृह भी अगले 2 दिनों में डूब सकता है।

पितृ पक्ष की वजह से लोगों के पिंडदान–तर्पण और श्राद्ध की रस्में भी प्रभावित हो रही हैं। हालांकि संगम क्षेत्र में नाव चलाने वाले मल्लाहों को उम्मीद है कि अगर गंगा मइया लेटे हुए हनुमान जी को स्नान करा देंगी तो बजरंग बली कुछ ऐसा चमत्कार कर देंगे, जिससे कोरोना की महामारी ख़त्म हो जाएगी। जलस्तर लगातार बढ़ने के बावजूद सरकारी इंतजाम अब भी कागजों पर ही ज़्यादा नजर आ रहे हैं।

झांसी में शादी शुदा प्रेमिका का प्रेमी ने काटा हाथ

झांसी (एजेसी)। झांसी में एक प्रेमी ने मामूली विवाद में अपनी शादी शुदा प्रेमिका का हाथ काट डाला। इतना ही नहीं अपनी मां को बचाने आए मासूम पर भी दरिंदे प्रेमी ने धारदार हथियार से कई वार किये और मौके से फरार हो गया। फिलहाल घायल महिला और बच्चे को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। यह घटना रक्सा थाना क्षेत्र के एवदा गांव की है। जहां गांव की रहने वाली मीना से गांव के ही रहने वाले राकेश केवट का लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बताया गया कि प्रेमी जैसे ही अपनी शादीशुदा प्रेमिका के घर में घुसा। इसी बीच पति ने देख लिया। विवाद होने वाले आरोपी राकेश केवट ने धारदार हथियार से हमला करना शुरू कर दिया।

इस हमले में मीना के हाथ की कलाई कटकर हाथ से अलग हो गई। वहीं मां के हाथ की कलाई कटी देख महिला के मासूम बच्चे ने जब राकेश का विरोध किया। इस हमले में मासूम भी गभीर रूप से घायल हो गया।

गांव में महिला का हाथ काटे जाने की सूचना पर मौके पर पहुची पुलिस ने धारदार हथियार के हमले में घायल मां– बेटे मेडिकल कालेज में इलाज के लिए भर्ती कराया,

जहां महिला की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरो ने हाथ की कलाई को जोड़ने को लेकर घायल प्रेमिका को ग्वालियर के लिए रेफर कर दिया। इस बाबत पुलिस अफसरों ने कहा कि सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजने के बाद दरिंदे राकेश की तलाश में पुलिस जुट गई।

हाथ कटने के बाद महिला को एम्बुलेंस से झांसी मेडिकल कॉलेज में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते डॉक्टरों ने ग्वालियर मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया है।

उत्तरप्रदेश में 6 सितंबर से पहले बारिश की संभावना कम

लखनऊ (एजेसी)। उत्तरप्रदेश में मौसम विभाग ने 6 सितंबर से पहले बारिश नहीं होने की संभावना जताई है। कई जिलों में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। एकाध जगहों पर छिटपुट बौछारें भी पड़ सकेंगी, लेकिन जमकर होने वाली बारिश के लिए अगले 3 दिन इंतजार करना पड़ेगा। पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वी यूपी तक के किसी भी जिले में बारिश की फिलहाल कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिता ने बेरोजगार और शराबी पुत्र की चाकू घोंप कर हत्या की

नवसारी जिले के चीज गांव में एक पिता ने अपने बेरोजगार और शराबी पुत्र की चाकू घोंपकर मौत के घाट उतार दिया।

मृतक की माता की शिकायत के आधार पर जलालपोर पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक नवसारी जिले की जलालपोर तहसील के चीज गांव में सुमनभाई पटेल अपनी पत्नी दक्षा पटेल और पुत्र निमेष के साथ रहते हैं।

सुमनभाई के एक पुत्र चिराग की जनवरी 2020 में रेल दुर्घटना में मौत हो गई थी।

चिराग के जानेसे निमेष इकलौता पुत्र था, जो बेरोजगार और शराबी भी था।

आए दिन माता–पिता के साथ गालीगलौज और लड़ता झगड़ता रहता था। लॉकडाउन के कारण घर चलाना मुश्किल हो गया था। जिससे सुमनभाई पटेल ने घर में पड़ी चिराग की मोटर साइकिल बेचने के बारे में निमेष से बात की। जिसे सुनकर निमेष भड़क गया और गालीगलौज करते हुए पिता के साथ मारपीट करने लगा।

रोज के झगड़े से तंग सुमनभाई रसोई घर में गए और चाकू से निमेष पर हमला कर दिया।

घायल निमेष घर से बाहर भागने पर सुमनभाई पटेल ने उसे पकड़ लिया और उसका गला दबाने लगे। निमेष की चीखपुकार सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए और निमेष को अस्पताल ले गए। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक निमेष की माता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सुमनभाई पटेल को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

हिट एन्ड रन की घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

वलसाड में सुगर फैक्ट्री के निकट हिट एन्ड रन की घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गईं।

हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गयां।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने यातायात बहाल कर मामले की जांच शुरू की हैं।

जानकारी के मुताबिक एक दंपत्ति अपनी तीन पुत्रियों के साथ एक ही मोटर साइकिल पर गणदेवी से वलसाड के अतुल की ओर जा रहा थां।

उस वक्त वलसाड सुगर फैक्ट्री के निकट अज्ञात वाहन ने मोटर साइकिल को उड़ा दियां।

वाहन की टक्कर बाइक सवार सड़क पर जा गिरे और वाहन के पहिया चार लोगों को रौंदता हुआ आगे बढ़ गयां।

इस हादसे में एक परिवार के चार लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गईं।

हांलाकि इस हादसे में एक वर्ष की मासूम बच्ची की जान बच गईं।

हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गयां।

खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और यातायात बहाल कर आगे की कार्रवाई शुरू कीं।

एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने सामूहिक आत्महत्या की

दाहोद शहर के सुजाईबाग में रहनेवाले एक व्यापारी समेत परिवार के पांच सदस्यों के जहरीली दवाई पीकर सामूहिक आत्महत्या कर लेने की घटना से सनसनी फैल गई।

बरझरवाला पत्नी और तीन पुत्रियों के साथ रहते थे। बीती रात परिवार के पांचों सदस्यों ने जहरीली दवाई पीकर सामूहिक आत्महत्या कर लीं। सुबह घटना की खबर लगते ही आसपास के लोग जमा हो गए और

ने आत्महत्या की होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले की भाभरा तहसील के बरझर गांव के मूल निवासी सैफी बरझरवाला 10 साल पहले दाहोद में रहने आए थे

मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू कर दी। जानक. ारी के मुताबित दाहोद के गोधरा रोड स्थित सुजाईबाग में सैफी पुलिस को सूचना दीं। एफएसएल के साथ दाहोद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दीं। आर्थिक संकट की वजह से परिवार के पांच सदस्यों और दाहोद में डिस्पोजल ग्लास की फैक्ट्री चलाते थें।पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज एफएसएल की मदद से मामले की जांच कर रही है।

यूएस–इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम का तीसरा वार्षिक शिखर सम्मेलन

गुजरात में अमेरिकी कंपनियों के लिए हैं अपार संभावनाएं : मुख्यमंत्री

गुजरात के मुख्यमंत्री ने देश के एकमात्र मुख्यमंत्री के तौर पर फोरम को संबोधित किया

अहमदाबाद गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात की वैश्विक विकास यात्रा में एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि जुड़ी है। यूएस–इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के तीसरे वार्षिक नेतृत्व शिखर सम्मेलन में भारत के राज्यों में से एकमात्र गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को समिट के विशेष सार्वजनिक सत्र में संबोध ान के लिए आमंत्रित किया गया था। गौरतलब है कि इस फोरम में अमेरिका के दिग्गज व्यायवसायिक, उद्योगपति और प्रतिष्ठित लोगों सहित भारत के उद्योग, व्यापार एवं वाणि ाज्य क्षेत्र के दिग्गजों ने साथ मिल. कर उद्योग–व्यापार और औद्योगिक इकाइयों की परस्पर साझेदारी के संबंध में समूह में चर्चा–परामर्श करते हैं। गुजरात की दो दशक की अविरत सर्वग्राही विकास यात्रा, औद्योगिक प्रगति और मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों से आकर्षित होकर देश के तमाम राज्यों के मुख्यमंत्रियों में से एकमात्र गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को इस सम्मेलन के विशेष लोक सत्र में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधन देने का आमंत्रण मिला था। 31 अगस्त से शुरू हुए 'नेविगेटिंग न्यू चैलेंजेस' विषयक इस पांच दिवसीय समिट में मुख्यमंत्री ने गुरुवार देर रात गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रभावी संबोध ान में गुजरात में निवेश के अवसरों के बारे में विस्तार से प्रस्तुति दी। कोरोना की वैश्विक महामारी के बाद की स्थिति में विश्व में विकास और समृद्धि के अवसरों में इंडिया–यूएस साझेदारी की भूमिका की थीम के साथ यह समिट आयोजित हुई है। वर्तमान स्थिति में चीन में निवेश और उद्योगों को लेकर जो भय का माहौल है, उसके चलते चीन छोड़कर कहीं और जाने को इच्छुक उद्योगों और निवेशकों के लिए भारत रणनीतिक रूप से आकर्षण का केंद्र बन सकता है। इस संदर्भ में वर्तमान एवं भविष्य की सहभागिता रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र से लेकर कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र तक मौजूद संभावनाओं को लेकर समिट में चिंतन–मंथन किया जाएगा।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमेरिकी उपराष्ट्रपति माइक पेंस, भारत के विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद और सेना प्रमुख बिपिन रावत, अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत संधू, अमरीकी वाणि ाज्य सचिव विल्बर रॉसऔर जेसी 2 वेंचर के जॉन चैंबर ने भी समिट में अपने विचार व्यक्त किए।

राज्य में कोरोना के 1320 नए केस, 1218 लोग ठीक हुए, 14 मरीजों की मौत

अहमदाबाद गुजरात में आज कोरोना के 1320 नए केस सामने आए हैंद्य जबकि 1218 लोगों को डिस्चार्ज किया गया और 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य में कोरोना केसों की संख्या 100000 के पार पहुंच गई है। 101695 केसों में अब तक 82398 लोग ठीक हो गए हैं और 3078 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी हैद्य शेष 16219 एक्टिव केसों में 16127 स्टेबल हैं

पश्चिम रेलवे चलायेगी नेशनल डिफेंसएकेडमी एवं नेवलएकेडमी कैंडिडेट के लिए स्पेशल ट्रेनें

अहमदाबाद पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी नेशनल डिफेंस अकैडमी (NDA) एवं नेवल एकेडमी (NA) परीक्षा के उम्मीदवारों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

इसके अंतर्गत ट्रेन नंबर 09081 मुम्बई सेंट्रल – अहमदाबाद सुप. रफास्ट स्पेशल दिनांक 5 सितंबर 2020, (शनिवार) को 21:35 बजे मुम्बई सेंट्रल से चलकर अगले दिन प्रातः 05:30 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09082 अहमदाबाद – मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल 6 सितंबर 2020 (रविवार) को रात्रि 22:10 बजे अहमदाबाद से चलकर अगले दिन 06:05 बजे मुंबई सेन्ट्रल पहुंचेगी।

इस स्पेशल ट्रेन में थर्ड एसी, स्लीपर एवं सामान्य कोच रहेंगे। मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन बड़ोदरा, भरुच, सूरत,पालघर व बोरीवली स्टेशनों पर ठहरेंगी। ट्रेन संख्या 09201 सोमनाथ – अहमदाबाद स्पेशल दिनांक 5 सितंबर 2020 को रात्रि 21:25 बजे सोमनाथ से चलकर अगले दिन 05:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09202 अमदाबाद – सोमनाथ सुपरफास्ट स्पेशल दिनांक 06 सितंबर 2020 को रात्रि 22:00 बजे अहमदाबाद से चलकर अगले दिन 05:35 सोमनाथ पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों देशों में यह ट्रेन जूनागढ़, भक्ति नगर, राजकोट, सुरेंद्रनगर एवं विरमगाम स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में थर्ड एसी, स्लीपर व सामान्य श्रेणी के आरक्षित कोच रहेंगे।

ट्रेन नंबर 09401 पाटन – अहमदाबाद डेमूपैसेंजरस्पेशल दिनांक 6 सितंबर 2020 (रविवार) को प्रातः 05:30 बजे पाटन से चलकर 08:05 बजे अहमद. ाबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 09402 अहमदाबाद – पाटनडेमूपैसेंजरस्पेशल 6 सितंबर 2020 को 18:00 बजे अहमदाबाद से चलकर 20:20 बजे पाटन पहुंचेगी।

इस ट्रेन में 12 कोच रहेंगे। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, कलोल, गांधीनगर, व साबरमती(धर्म नगर) स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 01145 पुणे – अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 05 सितंबर 2020 को सांय 17:30 बजे पुणे से चलकर अगले दिन सुबह 05:35 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01146 अहमदाबाद – पुणेस्पेशल दिनांक 6 सितंबर 2020 को रात्रि 20:15 बजे अहमदाबाद से चलकर अगले दिन प्रातः 08:00 बजे पुणे पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन लोनावाला, कल्याण, वसई रोड, सूरत व वडोदरा स्टेशनों ठहरेंगी। इस ट्रेन में स्लीपर श्रेणी के कोच रहेंगे।

कैंडिडेट कृपया ध्यान दें, उपरोक्त सभी ट्रेनें पूर्णतया रिजर्व रहेगी तथा जनरल कोचों में भी आरक्षण होगा। कोरोना वैश्विक महामारी के इस दौर में केंद्र तथा राज्य सरकारों के सभी नियमों का पालन करना होगा। जैसे साथ में सैनिटाइजर रखना, चेहरे पर मास्क लगाना तथा सोशलडिस्टेंसिंग का पालन करना इत्यादि।

उन्हें यात्रा के दौरान अपनी परीक्षा का कॉललेटर दिखाना अनिवार्य होगा। यात्रियों से अनुरोध है कि भारत सरकार के हैल्थ प्रोटोकॉल को देखते हुए अपनी ट्रेन के निर्धारित समय से डेढ़ घंटे पहले स्टेशन पर पहुंचे ताकि उन्हे कोई असुविधा न हो।

राजकोट में 40 नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का दामन थामा

राजकोट। गुजरात कांग्रेस की कमान संभालने के कुछ दिन बाद ही हार्दिक पटेल ने राजकोट में बीजेपी के 40 सदस्यों को त्यागपत्र दिलाकर कांग्रेस में शामिल कर लिया। इससे पहले बीजेपी को कांग्रेस से 2017 में मात खानी पड़ी थी। जब बीजेपी कांग्रेस के वरिष्ट नेता अहमद पटेल को राज्यसभा जाने से रोकने के लिए कोशिश कर रही थी। उस समय कांग्रेस ने एड़ी चोटी का जोर लगाकर अहमद पटेल को राज्यसभा भिजवा दिया था।

कांग्रेस नेता अशोक डांगर ने कहा कि बीजेपी के कुछ और सदस्य जिसमें 4–5 पार्षद शामिल हैं, वो सभी कांग्रेस जॉइन करेंगे।

दूसरी ओर राजकोट मार्केटिंग यार्ड ट्रेडर असोसिएशन के अध्यक्ष अतुल कमानी और सामाजिक कार्यकर्ता चंदनी लिंबसिया का भी जल्द ही कांग्रेस में शामिल होने का दावा किया जा रहा है।

हार्दिक पटेल ने कहा, रा. जकोट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में कई वर्षों से बीजेपी का शासन है, लेकिन जनता की सामान्य समस्याओं का भी निस्तारण नहीं हो रहा।

लोगों को टूटी सड़कें, जल. भराव, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े समस्याओं से सामना करना पड़ रहा है। हार्दिक ने आरोप लगाया कि बीजेपी के चीफ सीआर पाटिल ने पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए सौराष्ट्र में रैली की, जिससे कई आम लोग बिना वजह कोविड 19 से संक्रमित हो गए।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने दिया बीजेपी को बड़ा झटका

राज्य में गुटखा–तम्बाकू की बिक्री, संग्रह और वितरण पर प्रतिबंध एक साल बढ़ा

गुजरात सरकार ने राज्य में गुटखा, तम्बाकू या निकोटीनयुक्त पान–मसाले की बिक्री, संग्रह और वितरण पर प्रतिबंध एक साल और बढ़ा दिया है। उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने इसका ऐलान करते हुए कहा कि राज्य में गुटखा समेत तम्बाकू या निकोटीनयुक्त पान मसाला की बिक्री, संग्रह और वितरण पर फिलहाल प्रतिबंध है। राज्य के नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर इसके लिए गुटखा–तम्बाकू समेत निकोटीनयुक्त पान मसाले पर प्रतिबंध एक साल और बढ़ाने का फैसला किया है। नितिन पटेल ने कहा कि फूड सेफ्टी स्टान्डर्ड एक्ट 2006 के नियम और रेग्युलेशन 2011 के तहत यह प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अंतर्गत किसी भी खाद्य पदार्थ में तम्बाकू या निकोटीन मिलाने पर प्रतिबंध है। गुटखा में तम्बाकू या निकोटीन की मौजूदगी से स्वास्थ्य को नुकसान होता है। नागरिकों और भावी पीढी के स्वास्थ्य को बेहतर रखने के उद्देश्य से तम्बाकू–गुटखा पर प्रतिबंध लगाया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वाले के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नितिन पटेल ने कहा कि शैक्षिक संस्था के 100 मीटर की त्रिज्या में सिगरेट, तम्बाकू या निकोटीनयुक्त किसी भी पदार्थ की बिक्री पर प्रतिबंध का अमल सख्ती से किया जा रहा है पिछले तीन साल में स्वास्थ्य विभाग के खाद्य एवं औषध नियनम तंत्र ने करीब 10 हजार फर्मों की जांच कर करीब 1100000 जितना जुर्माना वसूल किया है।

परिवार के 14 सदस्यों कोरोना होने पर भाजपा के पूर्व सांसद ने मांगी जमानत

अहमदाबाद हत्या केस में सजा काट रहे भाजपा के पूर्व सांसद दीनू बोघा सोलंकी ने गुजरात हाईकोर्ट में 30 दिन की अंतरिम जमानत की याचिका दाखिल की है।

जिसमें उन्होंने कहा है कि उनके परिवार के 14 सदस्यों को कोरोना हो गया है और परिवार के मुखिया के तौर पर उनका परिवार के साथ रहना जरूरी हैद्य दीनू बोघा सोलंकी की जमानत याचिका का सीबीआई ने विरोध किया है।

अगले सप्ताह हाईकोर्ट सोलंकी की याचिका पर सुनवाई करेगा।

जूनागढ़ से भाजपा के पूर्व सांसद दीनू बोघा सोलंकी के परिवार में 14 सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सोलंकी परिवार को कोरोना के बाद वह जहां रहता है, उस इलाके को कंटेंटमेंट जोन घोषित कर दिया गया है। आरटी. आई एक्टिविस्ट की हत्या केस में अहमदाबाद की साबरमती जेल में सजा काट रहे दीनू बोघा सोलंकी ने परिवार के कोरोना संक्रमित होने पर गुजरात हाईकोर्ट में 30 दिन की अंतरिम जमानत की अपील की है। जिसमें सोलंकी ने कहा है कि परिवार के सदस्यों को उप. चार की व्यवस्था करने और डा. ॅक्टर की सलाह के लिए उनका बाहर निकलना जरूरी है। उनका परिवार गंभीर और नाजुक स्थिति का सामना कर रहा है। इसलिए परिवार के मुखिया होने के नाते उनका परिवार का साथ रहना जरूरी है।

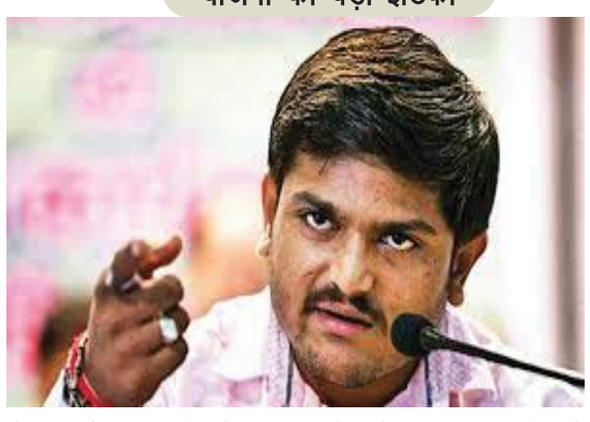

सोलंकी की जमानत याचिका का सीबीआई विरोध करते हुए हाईकोर्ट में दलील दी है

कि आरोपी को कंटेंटमेट झोन में जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। आरोपी चाहे तो जेल से भी आवश्यक व्यवस्था कर सकता है। फिलहाल हाईकोर्ट ने आरोपी को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए परिवार से बातचीत करने का मौखिक आदेश दिया है।

गौरतलब है कि 20 जुलाई 2010 को अहमदाबाद में गुजरात हाईकोर्ट के निकट जूनागढ़ के आरटीआई एक्टिविस्ट 35 वर्षीय अमित जेठवा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सीबीआई ने जूनागढ़ के पूर्व सांसद दीनू बोघा सोलंकी समेत 7 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। 11 जुलाई 2019 को सीबीआई की अदालत ने आरोपियों को सजा सुनाई थी।

वृद्धा की हत्या कर 10 तोला सोना लूटकर फरार शख्स चंद घंटों में गिरफ्तार

वलसाड पुलिस ने सेगवी गांव में एक वृद्धा की हत्या करने के बाद उसके 10 तोला सोने के आभूषण लूटकर फरार शख्स को चंद घंटों में गिरफ्तार कर जेल के सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। जानकारी के मुताबिक वलसाड के सेगवी गांव में 85 वर्षीय हंसाबेन मिस्त्री अपनी पुत्री मिनाक्षी मिस्त्री के साथ रहती थीं। मंगलवार को हंसाबेन ने सोने के काफी आभूषण पहन रखे थे, जिसे देख पड़ौस में रहनेवाले कल्पेश उर्फ लालू जयंतीलाल मिस्त्री की नीयत खराब हो गई और उसने लूट की योजना बनाई। हंसाबेन जब घर में अकेली थी तब कल्पेश ने उनके सिर पर कुल्हाडी का वार कर उन्हें मौत के घाट उतार दियां। जिसके बाद कल्पेश आभूषणों की लूट कर रहा था, उसी वक्त हंसाबेन की पुत्री मिनाक्षी वहां पहुंच गई। मिनाक्षी को देख कल्पेश ने उस पर हमला कर उसे बेहोश कर दिया और आभूषणों की लूट चलाकर फरार हो गया। लूट के बाद कल्पेश ध ोबी तालाब क्षेत्र में रहनेवाले अपने दोस्त आशीष बालूभाई पटेल के यहां पहुंचा कुछ आभूषण गिरवी रखकर नकद रुपए मंगवाएद्य नकद रुपए मिलने पर कल्पेश ने गिरवी रखी अपनी मोटर साइकिल छुडाई और वहां से मोगरवाडी निवासी दूसरे दोस्त दीपक पटेल के घर पहुंचा और उसके जरिए कुछ और गहने मुथुट फाइनांस गिरवी रखवाकर और नकद रुपए प्राप्त किए। दूसरी ओर मिनाक्षी मिस्त्री ने होश में आने के बाद पुलिस से घटना की शिकायत की। पुलिस तुरंत हरकत में आई और कल्पेश मिस्त्री की तलाश शुरू कर दी। कल्पेश अपना मोबाइल घर रख गया था। जिससे पुलिस ने उसके परिवार से पूछताछ की और कल्पेश के मोबाइल कॉल डिटेइल के आधार पर उसके दोस्तों से पूछताछ की। जिसमें पता चला कि कल्पेश बिलीमोरा स्थित अपने मौसी के घर गया है। पुलिस ने कल्पेश को उसकी मौसी के घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में कल्पेश ने बताया कि पिछले काफी समय से वह आर्थिक संकट से जूझ रहा था।

जिसकी वजह से उसने हंसाबेन पर हमला कर आभूषण ों की लूट चलाई और आभूषणों को गिरवी रख नकद रुपए प्राप्त किएद्य पुलिस ने कल्पेश के दोस्त आशीष पटेल और दीपक पटेल को भी गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

सिरप का गैरकानूनी धंधा करने के आरोप में दो गिरफ्तार, 5.75 लाख माल जब्त

अहमदाबाद स्टेट मोनिटरींग सेल ने अहमदाबाद जिले के बावला तहसील में दो शख्सों को रु. 5.72 लाख सिरप के साथ गिरफ्तार कर लिया। इस सिरप के सेवन से नशा चढ़ता है और दोनों शख्स इसका गैरकानूनी धंधा कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक स्टेट मोनिटरींग सेल को सूचना मिली थी कि अहमदाबाद जिले की बावला तहसील के चियाडा गांव निवासी किरणसिंह जीतेन्द्रसिंह चौहाण बगैर लाइसंस के नशायुक्त सिरप की बिक्री करता है। सूचना के आधार पर स्टेट मोनिटरींग सेल ने किरणसिंह चौहाण को दबोच लिया। किरण चौहाण का एपीएमसी मार्केट के पीछे गोदाम है, जहां बड़ी मात्रा में सिरप की बोतलें रखी हुई थीं।

पुलिस ने किरण चौहाण के गोदाम से रु. 128000 कीमत की सिरप की 1169 बोतलें बरामद की। इसके अलावा बावला की अलकापुरी सोसायटी निवासी मिहीश सुरेशचंद्र पटेल को उसके घर रु. 444000 कीमत की सिरप की 3773 बोतलों के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किरणसिंह चौहाण बावला और साणंद तहस. ील के नलकांठा क्षेत्र में पिछले एक साल से गैरकानूनी रूप से नशायुक्त सिरप की फुटकर बिक्री करता था।

जबकि सुरेश पटेल पहले मेडिकल स्टोर चलाता था। लेकिन उसका मेडिकल लाइसंस रद्द होने के बाद वह बगैर लाइसंस के अपने घर से सिरप की बिक्री करने लगा। बरामद की गई सिरप की बोतलें इसी प्रकार के मामले में अहमदाबाद के कागडापीठ पुलिस द्वारा गिरफ्तार भरत चौध ारी नामक शख्स से दोनों शख्सों ने प्राप्त की थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुरु ब्रम्हा,गुरु विष्णु,गुरु देवो महेश्वरा,
गुरु शक्षत प्रम्ब्रम्हा तस्मेश्री गुरवे नमः
....गुरु दिवश के अवसर पर में अपने गुरु रूपी माता और पिता को प्रणाम करते हुए अपने सभी साथियो को हार्दिक शुभकामनाये

गुरु दिवस

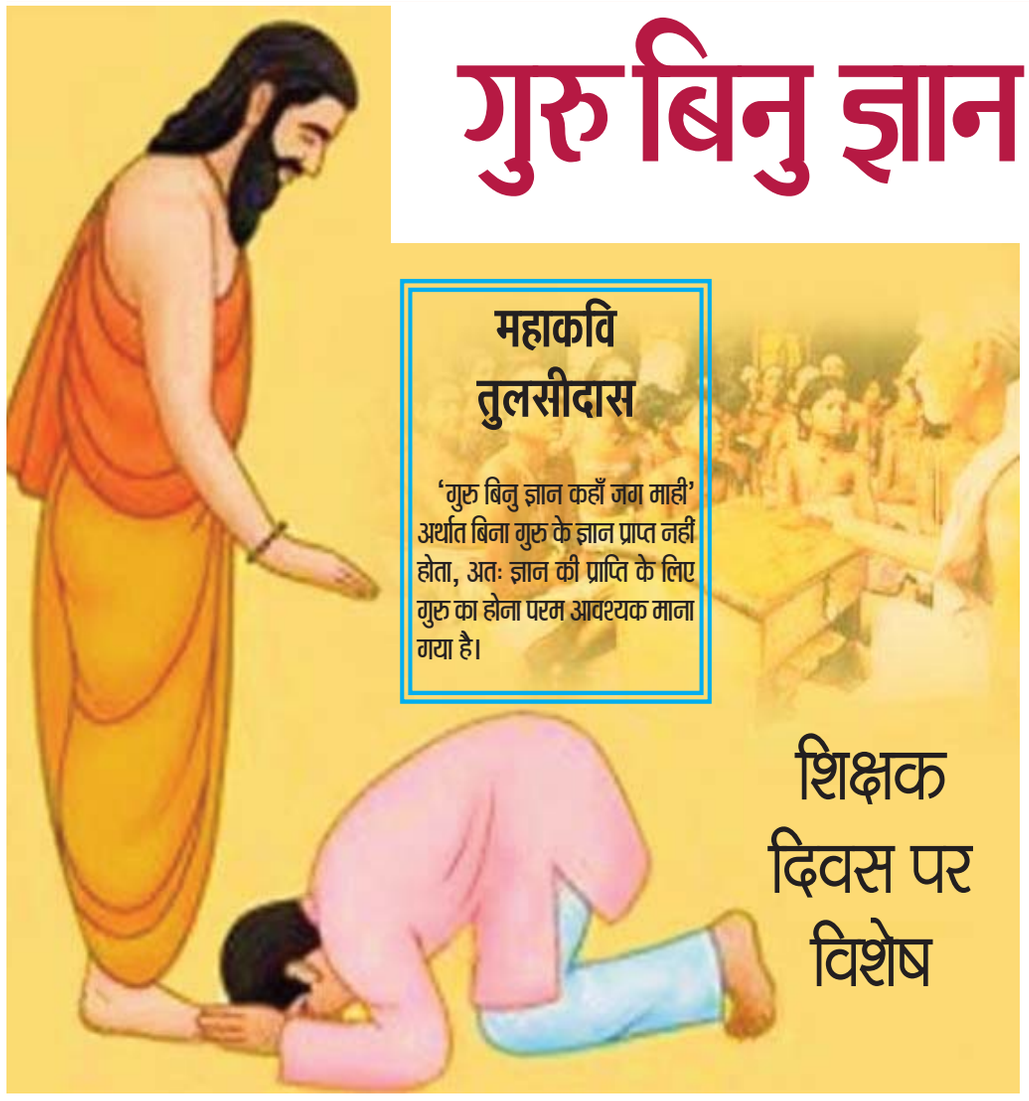

गुरु बिनु ज्ञान कहाँ जग माही

महाकवि तुलसीदास

'गुरु बिनु ज्ञान कहाँ जग माही' अर्थात बिना गुरु के ज्ञान प्राप्त नहीं होता, अतः ज्ञान की प्राप्ति के लिए गुरु का होना परम आवश्यक माना गया है।

शिक्षक दिवस पर विशेष

'अध्यापक राष्ट्र की संस्कृति के चतुर माली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींचकर शक्ति में निर्मित करते हैं।' महर्षि अरविंद का उक्त कथन शिक्षक की गरिमा के सर्वथा अनुकूल ही है। शिक्षक राष्ट्र निर्माता है और राष्ट्र के निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया में शिक्षकीय महत्व को नकारा नहीं जा सकता ।

उर्वरायुक्त पारिवारिक धरातल पर शिक्षक संस्कारित ज्ञान की फसल बोता है और स्वच्छ एवं स्वस्थ क्षेत्रीय वातावरणीय जलवायु में श्रेष्ठता रूपी नागरिक की उन्नत उपज देता है। इस दृष्टि में शिक्षक संस्कारों का पोषक है। सही अर्थों में राष्ट्र की संस्कृति का कुशल शिल्पी है, जो संगठित, धैर्यवान, संस्कारवान, विवेकवान युवा शक्ति का निर्माण करता है। शिक्षक संस्कृति से तादात्म्य स्थापित कर शिक्षार्थी में ज्ञान के गरिमामय पक्ष का बीजारोपण करता है। फलस्वरूप शिक्षार्थी में शिक्षा के प्रति गहन अभिरुचि जाग्रत होती है। शिक्षक वह सेतु है, जो शिक्षार्थी को शिक्षा के उज्ज्वल पक्षों से जोड़ता है। संस्कारित शिक्षार्थी शिक्षा के उपवन को अपने ज्ञान-पुष्प की सुरभि से महकाते हैं तथा परिवार, समाज एवं राष्ट्र को गौरवान्वित करते हैं।

उत्तम शिक्षा, योग्य शिक्षक और अनुशासित शिक्षार्थी ही संस्कारित, सुसभ्य और स्वच्छ-स्वस्थ समाज का निर्माण करने का सामर्थ्य रखते हैं। संस्कृति का उद्गम ही श्रेष्ठ संस्कारोंके गर्भ से होता है, जिससे सामाजिक गतिविधियों को सांस्कृतिक शक्ति का संबल प्राप्त होता है।

राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका का कोई सानी नहीं है। विद्यार्थियों में स्नेह, सद्भाव, भ्रातृत्व भाव, नैतिकता, उदारता, अनुशासन जैसे चारित्रिक सद्गुणों की समष्टि गुरु के माध्यम से ही संभव होती है। समाज-जीवन में स्नेह एवं सद्भाव तथा सामंजस्य की सद्प्रेरणा गुरु से ही प्राप्त होती है क्योंकि शिक्षा का मूल उद्देश्य ही चरित्र निर्माण करना है। शिक्षक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का हरसंभव प्रयास करता है। शिक्षक को एक ऐसा दीपक माना गया है जो सेवापर्यंत दीप्तमान रहते हुए विद्यार्थियों के प्रगतिपथ को अपने ज्ञान का आलोक प्रदान करता रहता है।

ज्ञान दे संस्कार दे,
और बनाये शिष्यों का जीवन चमन
शीश झुकाकर करते हैं हम-सब,
ऐसे गुरू-देव को शत्-शत् नमन।

हर बर्ष की तरह इस बार भी भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के दिन यानि 5 सितम्बर को पूरे भारतवर्ष में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। वास्तव में यह दिन गुरू-शिष्य के पवित्र रिश्ते को उजागर करता है। लेकिन वर्तमान-काल में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप मे मनाया जाना लगा है अर्थात् शिक्षक और विद्यार्थी का दिन। गुरू और शिक्षक में बहुत अन्तर है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को केवल शिक्षा देता है और विद्यार्थी अपने शिक्षक से विद्या को ग्रहण करते हैं, परन्तु जो गुरू होता है वह अपने शिष्यों को शिक्षा, विद्या सहित ज्ञान देता है। ज्ञान जिसका प्रयोग शिष्य अपने सम्पूर्ण जीवन-काल तक कर सकता है। प्राचीनकाल से ही गुरूओं का बोलबाला रहा है और गुरू के दिये ज्ञान पर ही शिष्य अमल करते आए हैं। मगर गुरू शब्द ने जब से शिक्षक का रूप ले लिया है, तबसे शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच एक अलग ही अन्तर सा पैदा हो गया है। गुरूओं से हटकर शिक्षकों ने अपने मूल्यों में परिवर्तन कर लिया है। इन परिवर्तनों के कारण ही अब शिक्षकों का अपने विद्यार्थियों के प्रति उतना लगाव नही रह गया है और न ही उनके प्रति उतना निष्ठा का भाव रह गया है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को गुरू बनकर अपने शिष्य को गुरू-ज्ञान देना चाहिए और प्रत्येक विद्यार्थी को एक सच्चे शिष्य के रूप मे उस गुरू-ज्ञान को ग्रहण कर अपने जीवन में उतारना चाहिए। तब तो शिक्षक दिवस मनाये जाने का कोई मतलब बनता है, अन्यथा अन्य कई दिवसों की तरह यह दिवस भी सिर्फ ढोंग दिवस का ही प्रारूप बनकर रह जायेगा।

एक सच्चे शिष्य हेतु दो पंक्तियाँ प्रस्तुत है:-
बनकर दिखलाओ सच्चा शिष्य
और अर्जित करो गुरू का ज्ञान,
गुरू के ज्ञान को जीवन में उतारो
और सारे जग में बढाओ गुरू का मान।

गुरु के प्रति व्यक्त करें अपनी भावनाएं

गुरु गोविन्द दोउ खड़े काके लागु पांव, बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय। कबीर दास द्वारा लिखी गई यह पंक्तियां जीवन में गुरु के महत्व को वर्णित करने के लिए काफी हैं। जीवन में माता-पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता क्योंकि वे ही हमें इस रंगीन खूबसूरत दुनिया में लाते हैं। उनका ऋण हम किसी भी रूप में उतार नहीं सकते लेकिन जिस समाज में हमें रहना है, उसके योग्य हमें केवल शिक्षक ही बनाते हैं। यद्यपि परिवार को बच्चे के प्रारंभिक विद्यालय का दर्जा दिया जाता है लेकिन जीने का असली सलीका उसे शिक्षक ही सिखाता है। समाज के शिल्पकार कहे जाने वाले शिक्षकों का महत्व यहीं समाप्त नहीं होता क्योंकि वह ना सिर्फ आपको सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि आपके सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती है। इसीलिए गुरु की महत्ता को समझते हुए हर वर्ष भारत में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस यानि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। कच्चे घड़े की भांति स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को जिस रूप में ढालो, वे ढल जाते हैं। वे स्कूल में जो सीखते हैं या जैसा उन्हें सिखाया जाता है वे वैसा ही व्यवहार करते हैं। उनकी मानसिकता भी कुछ वैसी ही बन जाती है जैसा वह अपने आसपास होता देखते हैं। सफल जीवन के लिए शिक्षा बहुत उपयोगी है जो हमें गुरु द्वारा प्रदान की जाती है। गुरु का संबंध केवल शिक्षा से ही नहीं होता बल्कि वह तो हर मोड़ पर आपका हाथ थामने के लिए तैयार रहता है। आपको सही सुझाव देता है और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। गुरु-शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है, जिसके कई स्वर्णिम उदाहरण हमारे इतिहास में दर्ज हैं। लेकिन वर्तमान समय में कई ऐसे लोग भी हैं जो अपने अनैतिक कारनामों और लालची स्वभाव के कारण इस परंपरा पर गहरा आघात कर रहे हैं। 'शिक्षा' जिसे अब एक व्यापार समझकर बेचा जाने लगा है, किसी भी बच्चे का एक मौलिक अधिकार है लेकिन अपने लालच को शांत करने के लिए आज तमाम शिक्षक अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। इतना ही नहीं वर्तमान हालात तो इससे भी बदतर हो गए हैं क्योंकि शिक्षा की आड़ में कई शिक्षक अपने छात्रों का शारीरिक और मानसिक शोषण करने को अपना अधिकार ही मान बैठे हैं। किंतु हम बात कर रहे हैं ऐसे गुरुओं की जिन्होंने हमेशा समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया। प्रायः सख्त और अक्खड़ स्वभाव वाले यह शिक्षक अंदर से बेहद कोमल और उदार होते हैं। हो सकता है आपके जीवन में भी कभी ना कभी एक ऐसा गुरु या शिक्षक का आगमन हुआ हो जिसने आपके जीवन की दिशा बदल दी या फिर आपको जीवन जीने का सही ढंग सिखाया हो।

शिक्षक दिवस का महत्व

'शिक्षक दिवस' कहने-सुनने में तो बहुत अच्छा प्रतीत होता है। लेकिन क्या आप इसके महत्व को समझते हैं। शिक्षक दिवस माने साल में एक दिन बच्चों द्वारा टीचर्स को भेंट किया गया एक गुलाब का फूल या कोई भी गिफ्ट। नहीं यह टीचर दिवस मनाने का सही तरीका नहीं है।

टीचर्स डे हम सभी मनाते आए है। आपने भी मनाया है। हमने भी मनाया है। लेकिन इस दिन को मनाना तभी सही मायने में सार्थक सिद्ध होगा जब आप अपने टीचर के प्रति सही नजरिया रखें। पिछले कुछ ही समय में ऐसी कई घटनाएँ देश और दुनिया में घटी है जो आपके व्यवहार, वातावरण और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। चाहे वह घटना 'सभरवाल कांड' हो या फिर किसी शिक्षक द्वारा भरी क्लास में या एकांत में स्कूली छात्रा के कपड़े का नाप लेना हो। या फिर किसी शिक्षक द्वारा बच्चे के कपड़े उतारकर उसे दंडित करना हो। यह सब बातें हमें किस ओर इंगित करती है। यह समझना आज बहुत जरूरी हो गया है। या तो शिक्षक वो शिक्षक नहीं रहे जो अपने छात्रों को वह सही संस्कार दे सकें। या फिर आजकल के शिक्षकों में अहंकार, अत्याचार, ईर्ष्या और द्वेष का भाव बहुत ज्यादा मात्रा में आ गया है। यह सब मैं इसलिए नहीं कह रही हूँ कि मैं शिक्षकों का आदर करना नहीं जानती, या फिर मैं शिक्षकों के खिलाफ हूँ।

बात ऐसी नहीं है... रोजाना हमारे आमने-सामने, हमारे आस-पास घटित होने वाली उन घटनाओं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर ये सब हो क्या रहा है? क्या किसी भी छात्र संगठन के छात्रों द्वारा शिक्षकों को अपमानित करना, उनके साथ मारपीट करना ये वाक्या किस हद तक सही है। अभी हाल ही में एक स्कूल 10वीं-11वीं के छात्र ने अपने टीचर की जमकर धुनाई कर दी थी। उस छात्र ने ऐसा क्यों किया यह सोचना भी एक बहुत बड़ा पहलू है। अगर हम मान भी लेते है कि हो सकता है उस बच्चे की कोई मजबूरी रही हो, या उस बच्चे को गुस्सा बहुत ज्यादा आता हो तो शिक्षक द्वारा कहीं गई बातों का, शिक्षक द्वारा उस छात्र के साथ किए गए व्यवहार से आहत होकर उस बच्चे ने इतना घिनौना कदम उठाया। बात जो भी हो, लेकिन तरीका तो गलत ही हुआ। शिक्षक को हम विद्या का वरदान देने वाले भगवान का दर्जा देते आए है। उनके प्रति हमारे मन असीम प्यार, और स्नेह छुपा होता है। तो फिर छात्र द्वारा अपने शिक्षक के साथ किया गया यह व्यवहार कैसा? क्या आजकल के बच्चों को स्कूलों में सही शिक्षा, सही वातावरण नहीं मिल रहा है या फिर आपके घर के संस्कारों में कुछ कमी है। जो आप जरा-जरा सी बात पर मरने-मारने पर उतारू हो जाते है। अगर आप शिक्षक दिवस का सही महत्व समझना चाहते है तो सर्वप्रथम आप इस बात को हमेशा ध्यान रखें कि आप एक छात्र है, और अपने शिक्षक से उम्र में काफी छोटे है। और फिर हमारे संस्कार भी तो हमें यही सिखाते है कि हमें अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए। अपने गुरु का आदर-सत्कार करना चाहिए। उनकी बात को ध्यान से सुनना और समझना चाहिए। अगर आपने अपने क्रोध, ईर्ष्या को त्याग कर अपने अंदर संयम के बीज बोएँ तो निश्चित ही आपका व्यवहार आपको बहुत ऊँचाइयों तक ले जाएगा। और तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाने का महत्व भी सार्थक होगा।